@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 12 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 4 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी का कर्नाटक और गुजरात दौरा

विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और मंदिर में करेंगे दर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 और 14 नवंबर को कर्नाटक और गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा के दौरान वे 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

कर्नाटक में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

प्रधानमंत्री मोदी 13 नवंबर को कर्नाटक में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। बंगलूरू में वे लगभग 15,600 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की



आधारशिला रखेंगे, जिनका उद्घाटन करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं में शहरी गतिशीलता, बिजली पारेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम अवसंरचना, अपशिष्ट प्रबंधन और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। बंगलूरू मेट्रो का विस्तारः प्रधानमंत्री बंगलूरू मेट्रो की केलना अग्रहारा से तावरेकेरे तक पिंक लाइन का उद्घाटन करेंगे, जिसे लगभग 3,470 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। यह नई लाइन शहरी कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी और सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं को मजबूत करेगी।

नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं: वे कोप्पल-II और गादग-II में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों के एकीकरण के लिए पारेषण योजना (चरण-II) का भी उद्घाटन करेंगे, जिसमें लगभग 4,450 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। इसके अतिरिक्त, बिदार में सौर ऊर्जा क्षेत्र के लिए पारेषण योजना का उद्घाटन किया जाएगा, जिसमें लगभग 1,370 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। एलपीजी भंडारण सुविधाः मंगलुरु में भारत की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण गुफा का उद्घाटन किया जाएगा, जिसे 850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। यह सुविधा भारत की एलपीजी भंडारण अवसंरचना को मजबूत करेगी।

अन्य परियोजनाएं: प्रधानमंत्री मंगलुरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के देवांगोंथी मार्केटिंग टर्मिनल को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। साथ ही, बंगलूरू में गेल के कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट की आधारशिला रखेंगे। चार पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों - चामराजनगर, चिक्कमगलूर, सकलेश्वर और सुब्रह्मण्य रोड का भी उद्घाटन किया जाएगा। बंगलूरू-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

मैसूरु में वृक्षारोपण और तारामंडल का उद्घाटन

प्रधानमंत्री मोदी मैसूरु में भारत वन में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेंगे और कॉसमॉस-मैसूरु तारामंडल का उद्घाटन करेंगे। यह तारामंडल भारत में तारामंडल प्रौद्योगिकी और खगोल विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

अमूल दूध 4 रुपये तक महंगा

गोल्ड 74 रुपये, फ्रेश 59 रुपये प्रति लीटर; मदर डेयरी ने भी दाम बढ़ाए

6 महीने में दूसरी बार बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली । अमूल ने दूध की कीमतों में 2 रुपये से 4 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ोतरी की है। नई दरें 12 नवंबर यानी गुरुवार से लागू होंगी।

अमूल गोल्ड की कीमत 70 रुपए से बढ़कर 74 रुपए और अमूल फ्रेश की कीमत 57 रुपए से बढ़कर 59 रुपए प्रति लीटर हो गई है।

मदर डेयरी ने भी दूध के दाम 2 रुपये से 4 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाए हैं। कंपनी ने दूध की खरीद लागत बढ़ने के कारण



कीमतों में इजाफा किया है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। दोनों कंपनियों ने इससे पहले 14 मई 2026 को दूध की कीमतें बढ़ाई थीं। इससे पहले अप्रैल 2025 में दामों में बदलाव किया गया था।

दूध के अलग-अलग वेरिएंट्स का क्या मतलब है?

फुल क्रीम मिल्कः इसमें फैट की मात्रा सबसे ज्यादा (कम से कम 6फीसदर) होती है। यह ज्यादा गाढ़ा और पोषण से भरपूर माना जाता है।

टोंड मिल्कः होल मिल्क (फुल क्रीम) में स्किम्ड मिल्क और पानी मिलाकर इसे तैयार किया जाता है, ताकि फैट का प्रतिशत घटाकर लगभग 3फीसदी पर लाया जा सके।

डबल टोंड मिल्कः इसमें फैट की मात्रा और कम करके लगभग 1.5फीसदी कर दी जाती है। यह कम कैलोरी वाली डाइट पसंद करने वालों के लिए सही होता है।

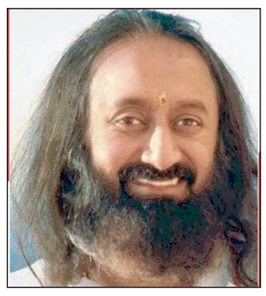
बल्क टोंड मिल्कः यह मदर डेयरी के वेंडिंग बूथ पर बिना पाउच के सीधा मिलने वाला टोंड दूध होता है।

'राष्ट्र-विरोधी तत्वों से रहें दूर'

श्री श्री रवि शंकर ने जेन-जी से की खास अपील, शिकायतों पर क्या कहा?

एजेंसी

नई दिल्ली। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर ने बुधवार को कहा कि 'जेनरेशन जेड' (जेन-जी) के युवाओं को उन मुद्दों पर अपनी राय जरूर रखनी चाहिए, जो उन्हें प्रभावित करते हैं, लेकिन उन्हें समाज-विरोधी और राष्ट्र-विरोधी तत्वों से दूर रहना चाहिए। धैर्य और संयम रखने की जरूरत पर जोर देते हुए रवि शंकर ने युवाओं से कहा कि वे ऐसे लोगों को अपनी सोच पर हावी न होने दें, जिनकी मानसिकता गैर-जिम्मेदाराना है। इसके बजाय, ऐसे लोगों को सही सलाह दी जानी चाहिए और उन्हें अलग-अलग दृष्टिकोणों को समझने के लिए



प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' के संस्थापक ने यह बात गुजरात के आनंद जिले में अंकालावाड़ी गांव के पास स्थित वसद आश्रम के दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कही।

आंदोलनों में राष्ट्र-विरोधी तत्वों से रहें दूर

जब उनसे 'जेनरेशन जेड' (1997 से 2012 के बीच जन्मे लोग) के लिए कोई संदेश देने को कहा गया, खासकर चल रहे आंदोलनों और विरोध-प्रदर्शनों के संदर्भ में, तो उन्होंने कहा, 'आपको जिन भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उनके खिलाफ अपनी आवाज जरूर उठानी चाहिए। यह बिल्कुल सही है। हालांकि, खुद को समाज-विरोधी तत्वों के साथ न जोड़ें। ऐसे आंदोलनों में राष्ट्र-विरोधी तत्व घुस आते हैं, इसलिए उनसे दूर रहें।'

युवाओं में बढ़ती आक्रामकता और अवसाद पर जताई चिंता

उन्होंने कहा कि आज के युवा अक्सर दो तरह की अतिवादी स्थितियों की ओर चले जाते हैं। या तो वे छोटी-छोटी बातों पर आक्रामक हो जाते हैं या फिर अवसाद में चले जाते हैं। रवि शंकर ने अवसाद के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई और इसे भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए ध्यान, योग, निस्वार्थ सेवा और आध्यात्मिकता को अपनाने की सलाह दी।

श्री आनंदपुर साहिब बना पंजाब का सबसे स्वच्छ शहर, हरजोत सिंह बैंस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्राप्त किया राष्ट्रीय सम्मान

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। पंजाब के लिए यह अत्यंत गौरव और गर्व की बात है कि खालसा की जन्मभूमि श्री आनंदपुर साहिब को स्वच्छ भारत मिशन के तहत पंजाब का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है। स्थानीय निकाय मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने आज नई दिल्ली में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किया। श्री आनंदपुर साहिब के संस्थापक श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी को नमन करते हुए स.हरजोत सिंह बैंस ने कहा, मेरा मानना है कि यह पुरस्कार श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के दौरान की गई सेवा का फल है। विधायक और स्थानीय निकाय मंत्री के रूप में मैं श्री आनंदपुर साहिब के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं। गुरु साहिब की अपार कृपा से आज जब श्री आनंदपुर साहिब को यह पुरस्कार मिला है, तो मुझे इस विभाग की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। पुरस्कार समारोह के दौरान स.हरजोत सिंह बैंस के साथ स्वच्छ भारत मिशन की राज्य मिशन निदेशक एवं पीएमआईडीसी की सीईओ श्रीमती दीप्ति उप्पल तथा श्री आनंदपुर साहिब नगर परिषद के प्रधान श्री हरजीत सिंह जीता भी उपस्थित थे। उन्होंने



इस उपलब्धि का श्रेय पवित्र नगरी में लगातार चलाए गए स्वच्छता अभियान और उसमें आम लोगों की सक्रिय भागीदारी को दिया। स्थानीय निकाय मंत्री ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण (2025-26) के दसवें संस्करण में 4,751 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) ने भाग लिया था। इनमें से 63 निकायों को स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इन सम्मानित निकायों में श्री आनंदपुर साहिब को पंजाब के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में सम्मान प्राप्त हुआ है।

शेष पृष्ठ 3 पर

नई दिल्ली में भारत-मोल्दोवा एफओसी की तीसरी बैठक

दोनों देशों ने साझेदारी को मजबूत करने पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और मोल्दोवा के बीच 'फॉरेन ऑफिस कॉन्सल्टेशन्स' (एफओसी) का तीसरा दौर बुधवार को नई दिल्ली में हुआ। इसमें राजनीतिक, आर्थिक, ऊर्जा, कृषि और कनेक्टिविटी समेत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई और दोनों देशों ने साझेदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और मोल्दोवा के बीच आयोजित फॉरेन ऑफिस कॉन्सल्टेशन्स (एफओसी) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) राजदूत सिबी जॉर्ज ने किया। वहीं, मोल्दोवा के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मोल्दोवा के विदेश मंत्रालय में स्टेट सेक्रेटरी कोरिना कालूगारू ने किया। बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों से जुड़े सभी प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें राजनीतिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, वाणिज्य दूतावास से जुड़े मामलों और लोगों के बीच आपसी संपर्क को बढ़ाने जैसे विषय शामिल थे। मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने ऊर्जा, कृषि, कनेक्टिविटी और क्षमता



निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया। साथ ही, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर के उन मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया जिनमें दोनों देशों की समान रुचि है। बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को लेकर भी चर्चा हुई।

भारत और मोल्दोवा के बीच लंबे समय से अच्छे और दोस्ताना संबंध रहे हैं। जुलाई 2026 में भारत के राष्ट्रपति की मोल्दोवा यात्रा, जो किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली यात्रा थी, ने दोनों देशों के रिश्तों को नई गति दी है।

बीकानेर में दर्दनाक हादसा: डिग्गी में डूबने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत

बचाने के प्रयास में गई जान

एजेंसी

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले में बुधवार को एक हृदयविदारक हादसा हो गया। छतरगढ़ थाना क्षेत्र के 4 एडब्ल्यूएम इलाके में पानी की डिग्गी में डूबने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई। मृतकों में 14 वर्षीय पूजा सहित मुकेश, मनोज और निर्मल शामिल हैं। एक को बचाने के लिए तीन अन्य भी कूदे प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह पूजा नायक खेत में बनी डिग्गी से पानी निकाल रही थी। इसी दौरान उसका पैर फिसल



गया और वह पानी में जा गिरी। बहन को डूबता देखकर उसके दोनों भाई मुकेश और मनोज उसे बचाने के लिए डिग्गी में कूद गए। इसी दौरान कालूराम का बेटा निर्मल भी उन्हें बचाने के लिए पानी में उतर गया। लेकिन पानी की गहराई के कारण चारों बाहर नहीं निकल सके।

दो सगे भाइयों के परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

हादसे में जान गंवाने वाले चारों बच्चे दो सगे भाइयों के परिवार से थे। इनमें रमेश नायक के तीन बच्चे और कालूराम का एक बेटा शामिल था। एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अस्पताल पहुंचने से पहले एक की मौत

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बनवारी लाल मीणा ने बताया कि छतरगढ़ थाने से करीब दो किलोमीटर दूर सोना राम मेघवाल का खेत है, जिसे रमेश नायक ने लीज पर ले रखा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर पहुंचने तक एक बच्चे की मौत हो चुकी थी, जबकि अन्य तीन को बेहद कमजोर नब्ज की स्थिति में अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, उपचार के दौरान तीनों ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर हादसे के संबंध में जांच शुरू कर दी है। एक ही परिवार के चार बच्चों की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

मॉर्निंग वॉक के दौरान बेहोश हुए पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की बुधवार सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह टहलते समय बेहोश होकर गिर पड़े और कुछ मिनट तक अचेत रहे। पहले उन्हें घर ले जाकर डॉक्टरों से जांच कराई गई, लेकिन हालत को देखते हुए उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराना पड़ा। जानकारी के मुताबिक सुरक्षाकर्मी उन्हें पीसीआर वाहन से घर लेकर पहुंचे। आईएलबीएस की मेडिकल टीम और एम्स के डॉक्टर संदीप सेठ ने उनकी जांच कर जरूरी चिकित्सा सहायता दी। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस से एम्स ले जाया गया। सूत्रों के मुताबिक 75 वर्षीय धनखड़ को एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती किया गया है। फिलहाल कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टर उनकी निगरानी कर रहे हैं।

बिम्सटेक स्वास्थ्य मंत्रियों की सफल बैठक के लिए भारत ने श्रीलंका को दी बधाई

जामनगर बनेगा पारंपरिक चिकित्सा का हब

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका को कोलंबो में बुधवार को 'बिम्सटेक' स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक का सफल आयोजन हुआ। भारत ने इसके लिए श्रीलंका को बधाई दी। भारत ने कहा कि यह बैठक स्वास्थ्य क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक 'महत्वपूर्ण मील का पत्थर' है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि संशोधित कार्य योजना (2026-2030) को मंजूरी मिलने से क्षेत्रीय स्वास्थ्य सहयोग के प्रति सदस्य देशों की सामूहिक प्रतिबद्धता और



मजबूत हुई है। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक?स' पोस्?ट पर लि?खा, '11 नवंबर 2026 को कोलंबो में आयोजित पहली 'बिम्सटेक' स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक की सफल मेजबानी के लिए श्रीलंका को बधाई। यह बैठक स्वास्थ्य क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत को खुशी है कि सभी सदस्य देशों ने भारत के जामनगर में 'बिम्सटेक' पारंपरिक चिकित्सा केंद्र स्थापित करने पर सहमति जताई है। ' मंत्रालय ने कहा कि यह पहल पूरे क्षेत्र में पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने और लोगों के लिए बेहतर निवारक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद करेगी। इससे पहले दिन में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने 'बिम्सटेक' स्वास्थ्य मंत्रियों की उद्घाटन बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपने अनुभव और सफल मॉडल 'बिम्सटेक' सदस्य देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार है। नड्डा ने आयुष्मान भारत योजना, मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे और डिजिटल स्वास्थ्य पहलों के जरिए भारत की सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में हुई प्रगति को भी रेखांकित किया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि जेपी नड्डा ने अपने संबोधन में स्वास्थ्य सुरक्षा, महामारी से निपटने की तैयारी, वन हेल्थ दृष्टिकोण और पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने दोहराया कि भारत गुजरात के जामनगर में 'बिम्सटेक' उत्कृष्टता केंद्र की मेजबानी करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस केंद्र का उद्देश्य संयुक्त शोध, क्षमता निर्माण और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना होगा।

अंतरिक्ष, एयरोस्पेस और अनुसंधान सहयोग पर इटली के मंत्रियों के साथ वार्ता करेंगे डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह बुधवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर इटली के लिए रवाना हुए। इस यात्रा का उद्देश्य यूरोप के साथ भारत के वैज्ञानिक जुड़ाव को मजबूत करना तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को आगे बढ़ाना है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे केंद्रीय मंत्री इटली के अंतरिक्ष, एयरोस्पेस और अनुसंधान सहयोग से जुड़े मंत्रियों



सहित अन्य वरिष्ठ मंत्रियों के साथ अहम वार्ता करेंगे। इस यात्रा के दौरान उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठकें, रोम में दूसरा भारत-इटली विज्ञान एवं नवाचार संवाद 2026 तथा ट्रिएस्टे के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों के साथ संवाद आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से अनुसंधान, रणनीतिक प्रौद्योगिकियों और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग को और बढाने का अवसर मिलेगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार 12 नवंबर को रोम में आयोजित होने वाला दूसरा भारत-इटली विज्ञान एवं नवाचार संवाद 2026 दोनों देशों के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों, अनुसंधान, नवाचार क्षेत्र से जुड़े हितधारकों और प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटर को एक मंच पर लाएगा। इस संवाद का मुख्य उद्देश्य उत्कृष्ट अनुसंधान एवं रणनीतिक प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना, अनुसंधान को नवाचार में परिवर्तित करना, संस्थागत साझेदारी को मजबूत करना तथा भविष्य में सहयोग के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार करना है।

आईपीयू में पीजी दाखिले का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) के पीजी (आयुर्वेद) एवं पीजी (होम्योपैथी) कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को एक और अवसर दिया जा रहा है। ऑफलाइन काउंसलिंग में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवार 12 नवंबर को आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के अनुसार, 13 नवंबर को मेरिट सूची जारी होगी, जबकि 16 नवंबर को दोनों पाठ्यक्रमों के लिए ऑफलाइन काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। एआईए पीजीईटी-2026 उत्तीर्ण अभ्यर्थी इसमें भाग ले सकते हैं। आयुर्वेद पाठ्यक्रम नजफगढ़ स्थित चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान और होम्योपैथी पाठ्यक्रम मोती बाग स्थित डॉ. बी.आर. सुर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध है। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्राप्त की जा सकती है।

दिल्ली की जहरीली हवा से सांस लेना मुश्किल : हाजी जरीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं निगम पार्षद हाजी जरीफ ने रेखा गुप्ता सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्रदूषण पर नियंत्रण करने में विफल रही है और राजधानी के लोग दमघोंटू हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। हाजी जरीफ ने कहा कि सर्दियों की शुरुआत के साथ ही दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार बिगड़ रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 346 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में है। इससे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर प्रभावी कदम दिखाई नहीं दे रहे हैं। यमुना की सफाई और वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर भी सरकार ठोस परिणाम देने में नाकाम रही है। हाजी जरीफ ने कहा कि दूषित यमुना में नौका विहार शुरू कराकर सरकार अपनी उपलब्धियां गिना रही है, जबकि नदी की सफाई की वास्तविक स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए केवल घोषणाएं करने के बजाय ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि दिल्लीवासियों को स्वच्छ हवा मिल सके।

झुग्गीवासियों को पक्के मकान देने का वादा पूरा कर रही सरकार : विनोद जायस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने झुग्गी बस्तियों में रहने वाले पात्र परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिल्ली झुग्गी एवं झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति-2026 अधिसूचित की है। इसे गरीब परिवारों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताते हुए दिल्ली प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के मुख्य प्रवक्ता विनोद जायस ने कहा कि सरकार जनता से किया वादा पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। विनोद जायस ने कहा कि इस नीति से दिल्ली की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लगभग 4 से 5 लाख परिवारों यानी करीब 20 लाख लोगों को लाभ मिलने की संभावना है। सरकार का उद्देश्य पात्र परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने बच्चों के साथ बेहतर जीवन जी सकें। उन्होंने बताया कि नीति में यथास्थान पुनर्वास को प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत प्रयास किया जाएगा कि पात्र परिवारों को उनकी मौजूदा बस्ती में अथवा उसके 3 किलोमीटर के दायरे में वैकल्पिक पक्के मकान उपलब्ध कराए जाएं। इससे उनके रोजगार, बच्चों की पढ़ाई और दैनिक जरूरतों पर विस्थापन का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। विनोद जायस ने कहा कि यह पहल केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि झुग्गीवासियों की गरिमा, सामाजिक जीवन और भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस नीति से राजधानी के लाखों गरीब परिवारों को स्थायी आवास का लाभ मिलेगा।

दिल्ली को हरित ऊर्जा का केंद्र बना रही सरकार : राजकुमार बल्लन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार राजधानी में सौर ऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारत मंडपम में आयोजित भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी के सौर ऊर्जा सत्र में दिल्ली की सौर नीति और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रयासों की जानकारी दी। इस संबंध में दिल्ली प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के प्रभारी राजकुमार बल्लन ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में 3 किलोवाट तक की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए विशेष सहायता दी जा रही है, जबकि अधिक क्षमता वाले संयंत्रों पर 1.56 लाख रुपये तक की सहायता का प्रावधान बताया गया है। राजकुमार बल्लन के अनुसार, दिल्ली में अब तक लगभग 1 लाख लोगों ने सौर ऊर्जा अपनाने के लिए पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक घरों की छतों को स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत बनाना है, जिससे परिवारों को बिजली खर्च में राहत मिले और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा को केवल तकनीकी पहल तक सीमित न रखकर हर परिवार की जीवनशैली का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। इससे राजधानी ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के साथ स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में भी योगदान दे सकेगी।

दिल्ली में नशे के कारोबार पर विधायक चिंतित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते नशे के कारोबार और युवाओं के भविष्य पर पड़ रहे इसके दुष्प्रभाव को लेकर सीमापुरी के विधायक वीर सिंह धिंगान ने केंद्र और दिल्ली सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृह मंत्री और पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार को संयुक्त पत्र लिखकर नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने की अपील की है। धिंगान के अनुसार, नंद नगरी, सुंदर नगरी और नई सीमापुरी सहित पुनर्वास कॉलोनियों एवं झुग्गी बस्तियों में नशे का कारोबार बढ़ रहा है। इससे स्कूली बच्चे और युवा इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं तथा क्षेत्र में अपराध की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। उन्होंने नशा तस्करों के खिलाफ युद्धस्तर पर अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

यमुना क्रूज सेवा को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सोनिया विहार से जगतपुर तक यमुना में नाव क्रूज सेवा शुरू करने के सरकार के फैसले की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह परियोजना यमुना की सफाई के मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास है। यादव ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने से पहले सरकार को प्रदूषित यमुना की सफाई को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि यमुना का पानी स्वच्छ है तो क्रूज सेवा वजीराबाद से ओखला तक क्यों नहीं शुरू की गई। उन्होंने 500 रुपये प्रति व्यक्ति किराये को लेकर भी सवाल उठाए।

एयरलाइन कर्मचारी बदसलूकी करे तो यात्री अपना सकते हैं कानूनी रास्ता : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरलाइन का कोई कर्मचारी यात्री के साथ बदसलूकी या गैरकानूनी व्यवहार करता है तो पीड़ित उसके खिलाफ दीवानी या आपराधिक कानूनी कार्रवाई कर सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए एयरलाइन कर्मचारियों की बदसलूकी से जुड़ी शिकायतों के लिए अलग से नियम और शिकायत निवारण व्यवस्था बनाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए सरकार को सामान्य तौर पर नियम बनाने या किसी खास तरह की अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रावधान करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। याचिकाकर्ता शालिनी तिवारी ने आरोप लगाया था कि इंडिगो एयरलाइन की ग्राहक सेवा से जुड़ी एक कर्मचारी ने उनसे बातचीत के दौरान अश्लील, अपमानजनक और लैंगिक आधार पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि संबंधित कर्मचारी की जवाबदेही तय करने और उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग को लेकर कई बार शिकायत की गई, लेकिन एयरलाइन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। याचिकाकर्ता की दलील थी कि मौजूदा सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) में यात्रियों की अनुशासनहीनता से निपटने के लिए व्यवस्था और कार्रवाई के प्रावधान हैं, लेकिन एयरलाइन कर्मचारियों की ओर से यात्रियों के साथ कथित बदसलूकी, उत्पीड़न और दुर्व्यवहार से निपटने के लिए इसी तरह की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया गोवर्धन पूजन

- कुंडली में 7100 किलोग्राम गोबर से बना 41 फुट का भव्य गिरिराज विग्रह बना आकर्षण का केंद्र

कुंडली/नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कुंडली स्थित श्री अग्रसेन धाम पहुंचकर गोवर्धन जी महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने गिरिराज जी के भव्य विग्रह के दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा का पर्व हमें प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश देता है। आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना और पर्यावरण की रक्षा करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के दौरान श्री अग्रसेन धाम में निर्माणाधीन भव्य मंदिर का भी अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर निर्माण और संस्था की ओर से किए जा रहे सामाजिक एवं धार्मिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने लोगों से महाराजा अग्रसेन के लोककल्याण, सेवा और सामाजिक समरसता के आदर्शों को अपनाने तथा उनके बताए मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की अपील की।

7100 किलोग्राम गोबर से तैयार हुआ 41 फुट का विग्रह

श्री अग्रसेन धाम के प्रधान राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि धाम में पिछले 6 वर्षों से लगातार गोवर्धन महोत्सव पारंपरिक श्रद्धा, उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष महोत्सव के लिए 7100 किलोग्राम शुद्ध गाय के गोबर से 41 फुट लंबा गोवर्धन जी महाराज का भव्य विग्रह तैयार किया गया है। इसकी परिक्रमा 108 पग की है। उन्होंने बताया कि यहां स्थापित गोवर्धन जी की प्रतिमा उत्तर भारत की सबसे उत्कृष्ट और विशाल प्रतिमाओं में शामिल है।

राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली-चंडीगढ़ मुख्य मार्ग पर कुंडली में निर्माणाधीन श्री अग्रसेन धाम का मंदिर अपनी भव्यता और विशेष स्थापत्य के कारण अलग पहचान बनाएगा। भविष्य में यह मंदिर धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों का भी प्रमुख केंद्र बनेगा।

प्रमुख हस्तियों ने की समारोह में शिरकत

भव्य गोवर्धन पूजन समारोह में क्षेत्र की अनेक प्रमुख हस्तियों ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। इनमें सोनीपत के महापौर राजीव जैन, जिला विकास समिति के अध्यक्ष एवं विधायक अशोक गोयल देवराहा, राजेंद्र जी कत्थे वाले, नरेला मंडी के अध्यक्ष सुरेश गर्ग, समाजसेवी अजय गुप्ता और असम के राज्यपाल के पूर्व सलाहकार अतुल सिंघल प्रमुख रूप से शामिल रहे।

समारोह के दौरान महापौर राजीव जैन और विधायक अशोक गोयल देवराहा ने अग्रवाल समाज के प्रबुद्ध लोगों से मंदिर निर्माण के इस पुनीत कार्य में तन, मन और धन से सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के विकास में समाज की सामूहिक भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

गोवंश संरक्षण हमारा परम कर्तव्य: अतुल सिंघल

असम के राज्यपाल के पूर्व मीडिया सलाहकार अतुल सिंघल ने समारोह को



संबोधित करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में गौ माता के महत्व और गोवंश संरक्षण के संदेश पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण को गाय, गोपाल, गोवर्धन, गोपी और ग्वाल अत्यंत प्रिय थे। इन सभी के केंद्र में गौ माता का विशेष स्थान है। इसलिए गोवंश का संरक्षण और संवर्धन प्रत्येक व्यक्ति का परम कर्तव्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति, पशुधन और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को समझने का भी अवसर है। समारोह को सफल एवं भव्य बनाने में वीरेंद्र बंसल, अनिल गोयल, राजेश गोयल सहित संस्था के अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

दिल्ली में अवैध दवा कारोबार का भंडाफोड़, 14 लाख की दवाएं जब्त

- 62 दवा प्रतिष्ठानों की जांच में 37 जगह मिलीं अनियमितताएं, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में अवैध रूप से दवाओं के भंडारण और बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए औषधि नियंत्रण विभाग ने अपराध शाखा पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर मादीपुर गांव स्थित एक आवासीय परिसर से करीब 14 लाख रुपये मूल्य की दवाएं जब्त की हैं। यह परिसर बिना वैध अनुज्ञप्ति के संचालित किया जा रहा था। 4 और 5 नवंबर को की गई इस कार्रवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है। जब्त की गई दवाओं की गुणवत्ता संदिग्ध मानी जा रही है। विभाग ने दवाओं के नमूने लेकर उन्हें प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिया है।

औषधि नियंत्रण विभाग के अनुसार, संबंधित परिसर में दवाओं का भंडारण बिक्री और वितरण के उद्देश्य से किया जा रहा था, जबकि इसके लिए आवश्यक वैध अनुज्ञप्ति उपलब्ध नहीं थी। विभाग के औषधि निरीक्षक ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत दवाओं का पूरा भंडार जब्त किया है। मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जब्त दवाओं की अभिरक्षा के संबंध में न्यायालय से आवश्यक आदेश प्राप्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ अधिनियम की धारा 18(ग) और 18(क) सहित अन्य लागू दंडात्मक प्रावधानों के तहत अभियोजन की कार्रवाई की जाएगी।

62 प्रतिष्ठानों की जांच में 37 जगह मिली गड़बड़ी

अवैध दवा कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई के साथ ही विभाग ने बिना चिकित्सकीय पर्चे के प्रतिजैविक दवाओं की बिक्री रोकने और इनके अनुचित इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के लिए विशेष जांच अभियान भी चलाया। इस दौरान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 62 खुदरा और थोक दवा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इनमें से 37 प्रतिष्ठानों पर नियमों का उल्लंघन पाया गया। यानी जांच के दायरे में आए लगभग 60 प्रतिशत प्रतिष्ठानों में किसी न किसी प्रकार की अनियमितता सामने आई।

कृष्णा नगर, जीटीबी नगर के किंग्सवे कैंप और रोहिणी क्षेत्र में 41 दवा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इनमें से 25 प्रतिष्ठानों पर नियमों का उल्लंघन मिला। जांच के दौरान कई दुकानों पर पंजीकृत औषधि विक्रेता की अनुपस्थिति में दवाओं की बिक्री किए जाने, दवाओं की खरीद और बिक्री से संबंधित अभिलेखों का उचित रखरखाव नहीं करने तथा वैध चिकित्सकीय पर्चे के बिना पर्चे पर मिलने वाली दवाएं देने जैसी गंभीर अनियमितताएं पाई गईं।

इसी प्रकार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और सफदरजंग अस्पताल के आसपास स्थित 21 दवा प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इनमें से 12 प्रतिष्ठानों पर नियमों का उल्लंघन सामने आया। विभागीय अधिकारियों ने इस अभियान के दौरान कुल 110 दवाओं के नमूने भी एकत्र किए हैं। इन नमूनों की प्रयोगशाला में जांच कर उनकी गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुरूप होने की पुष्टि की जाएगी।

गर्भपात संबंधी दवाओं और सीसीटीवी व्यवस्था की भी जांच

विशेष जांच अभियान के दौरान अधिकारियों ने गर्भसमापन से संबंधित औषधियों और किट की अनधिकृत बिक्री पर भी ध्यान दिया। इसके अलावा दवा प्रतिष्ठानों में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने संबंधी अनिवार्य नियमों के पालन की स्थिति की भी जांच की गई। जिन प्रतिष्ठानों में कमियां पाई गई हैं, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि संबंधित प्रतिष्ठानों के जवाब और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिजैविक दवाओं के दुरुपयोग से बढ़ रहा खतरा

औषधि नियंत्रण विभाग ने कहा कि प्रतिजैविक दवाओं का बिना चिकित्सकीय सलाह और आवश्यकता के इस्तेमाल जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इन दवाओं के अनुचित और अत्यधिक उपयोग से रोगाणुओं में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने का खतरा बढ़ता है। ऐसी स्थिति में सामान्य संक्रमणों के उपचार में भी दवाएं प्रभावी नहीं रह जातीं और मरीजों के इलाज में कठिनाइयां पैदा होती हैं।

विभाग के अनुसार, चिकित्सकीय पर्चे के बिना ऐसी दवाओं की बिक्री न केवल मरीजों के स्वास्थ्य को खतरे में डालती है, बल्कि भविष्य में गंभीर संक्रमणों के उपचार को भी प्रभावित करती है। वहीं, बिना अनुज्ञप्ति के दवाओं का भंडारण और वितरण होने से उनकी गुणवत्ता, स्रोत और उचित रखरखाव का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। इससे नकली, मिलावटी अथवा मानकों के विपरीत दवाओं के बाजार में पहुंचने की आशंका भी बढ़ जाती है।

कानून का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

औषधि नियंत्रण विभाग के अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं कार्यालय प्रमुख राजीव भार्गव ने बताया कि दवाओं की खरीद, भंडारण और बिक्री निर्धारित कानूनी प्रावधानों के अनुरूप ही होनी चाहिए।



प्रतिजैविक दवाओं को सामान्य रूप से बिना पर्चे मिलने वाली दवाओं की तरह नहीं बेचा जा सकता। इनके अनधिकृत वितरण से मरीजों की जान जोखिम में पड़ सकती है और दवाओं के प्रति रोगाणुओं की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने का खतरा पैदा होता है। उन्होंने कहा कि औषधि विक्रेताओं और पंजीकृत औषधि विक्रेताओं की जिम्मेदारी है कि वे जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने दोहराया कि दिल्ली में अवैध दवा कारोबार, बिना चिकित्सकीय पर्चे के निर्धारित दवाओं की बिक्री और प्रतिजैविक दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए औचक निरीक्षण, विशेष जांच अभियान और दवाओं के नमूने लेने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अधिकारियों को विशेष रूप से बिना अनुज्ञप्ति दवाओं का भंडारण करने वाले परिसरों और नियमों के विपरीत दवाएं बेचने वाले प्रतिष्ठानों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग का कहना है कि सुरक्षित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आम नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शगुफ्ता चौधरी जुबैर को मिला अल्लामा इकबाल अवॉर्ड



नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर चौहान बांगर वार्ड की निगम पार्षद शगुफ्ता चौधरी जुबैर को उर्दू भाषा और साहित्य के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में योगदान के लिए अल्लामा इकबाल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान बस्ती हजरत निजामुद्दीन स्थित गालिब अकादमी में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन और ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस ने संयुक्त रूप से किया। शगुफ्ता चौधरी जुबैर को यह सम्मान उर्दू भाषा को आम लोगों तक पहुंचाने और उसे सार्वजनिक जीवन में प्रोत्साहित करने के प्रयासों के लिए दिया गया। उल्लेखनीय है कि उन्होंने अपने वार्ड की गलियों में लगाई गई नाम पट्टिकाओं पर हिंदी और अंग्रेजी के साथ उर्दू भाषा को भी स्थान दिलाने की पहल की है। उनके इस प्रयास को साझा सांस्कृतिक विरासत और गंगा-जमुनी तहजीब को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया। इस अवसर पर सैय्यद नासिर जावेद, जीशन खान, गजाला फजल, राव नवेद और अख्तर खान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उर्दू भाषा के विकास के लिए उनके प्रयासों की सराहना की।

दिल्ली प्रदूषण पर कांग्रेस का हमला, रेखा सरकार को घेरा

देवेन्द्र यादव ने एलएनजेपी अस्पताल का किया दौरा, बोले- जहरीली हवा से सांस के मरीजों की बढ़ रही परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि प्रदूषण नियंत्रण के प्रति सरकार की लापरवाही और निष्क्रियता के कारण राजधानी गैस चैंबर में तब्दील हो गई है। उन्होंने दावा किया कि प्रदूषण के चलते सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है और अस्पतालों में उपचार के लिए मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में हर तीसरा व्यक्ति, जिसमें राजधानी में आने वाले लोग भी शामिल हैं, सांस संबंधी बीमारी से प्रभावित है। उन्होंने आरोप लगाया कि वायु गुणवत्ता सूचकांक का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंचने के कारण अस्पतालों में अस्थमा और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उनके अनुसार, कई अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण बिस्तरों की कमी हो रही है और लोगों को उपचार के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

मास्क पहनकर एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष- प्रदूषण की गंभीर स्थिति के बीच देवेन्द्र यादव मास्क पहनकर लोक नायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का दौरा कर मरीजों के स्वास्थ्य और उपचार संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अस्पताल प्रशासन से भी बातचीत की और मरीजों को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं बढ़ाने का अनुरोध किया। यादव ने अस्पताल की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रदूषण के कारण सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों की परेशानी बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार की ओर से प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने के कारण आम नागरिकों को गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में दिल्लीवासियों को राहत मिलने की उम्मीद केवल तेज हवाओं और बारिश से रह गई है।

भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों को ठहराया जिम्मेदार- कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रदूषण के मुद्दे पर भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राजधानी में हरित क्षेत्र बढ़ाने, सीएनजी बसों की शुरुआत करने और सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करने जैसे कदम उठाए गए थे।

सोनिया गांधी की किताब पर सिरसा का हमला, बताया 'नफरत और झूठ का पुलिंदा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव' को लेकर दिल्ली में राजनीतिक विवाद गहरा गया है। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुस्तक पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे 'नफरत और झूठ का पुलिंदा' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुस्तक में 1984 के सिख विरोधी दंगों और दरबार साहिब पर हमले से जुड़े घटनाक्रम को जिस तरह प्रस्तुत किया गया है, उससे सिख समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में 1984 के दंगों के पीड़ित परिवारों के सदस्य भी मौजूद रहे। सिरसा ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी अपनी पुस्तक के माध्यम से 42 साल पुराने सिख समुदाय के जख्मों और उस दौर की घटनाओं की वास्तविकता पर पर्दा डालने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों बाद भी दंगा पीड़ित परिवार न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस नेतृत्व ने उनकी पीड़ा को पर्याप्त गंभीरता से नहीं लिया।

दरबार साहिब और 40 गुरुद्वारों का उठाया मुद्दा- मंजिंदर सिंह सिरसा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासनकाल में दरबार साहिब पर हुई सैन्य कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय केवल दरबार साहिब ही नहीं, बल्कि 40 अन्य गुरुद्वारों की भी बेअदबी हुई थी। उन्होंने पुस्तक के कुछ अंश पढ़कर सुनाए और आरोप लगाया कि इनमें उस दौर की घटनाओं का प्रस्तुतिकरण सिख समुदाय की भावनाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने बाबरी मस्जिद और दरबार साहिब से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस नेतृत्व पर अलग-अलग घटनाओं को लेकर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप भी लगाया। उनके अनुसार, पुस्तक में ऐतिहासिक घटनाओं का उल्लेख करते समय सिख समुदाय के दृष्टिकोण और उसकी पीड़ा को उचित स्थान नहीं दिया गया है।

छठ पूजा करने की सुविधा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि छठ पूजा गहरी आस्था और श्रद्धा का पर्व है। प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। पर्व शुरू होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली जानी चाहिए, ताकि सार्वजनिक सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। यह बात विजेंद्र गुप्ता ने बुधवार को रोहिणी के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण करते हुए कही। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय छठ पूजा का आयोजन 13 से 16 नवंबर तक किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान विजेंद्र गुप्ता ने सेक्टर-7 स्थित रामलीला मैदान, राजा विहार, सूरज पार्क, सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के निकट तथा सेक्टर-15 के बी-ब्लॉक सहित पांच स्थानों का दौरा किया। उन्होंने छठ पूजा के मद्देनजर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, आवागमन की सुविधा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के पहुंचने से पहले सभी आवश्यक सुविधाएं पूरी तरह तैयार और क्रियाशील होनी चाहिए।

विजेंद्र गुप्ता ने विभिन्न स्थानों पर तैयारियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित नागरिक एजेंसियों और विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी पांचों स्थानों पर निर्धारित समय से पहले आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की जानी चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

दिल्ली में हजारों परिवारों के लिए छठ पूजा के विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रशासन को श्रद्धालुओं की आवश्यकताओं के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील रहना चाहिए। उन्होंने महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया, ताकि 16 नवंबर को उषा अर्घ्य के साथ संपन्न होने वाला यह चार दिवसीय पर्व शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक ढंग से संपन्न हो सके।



मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड महोत्सव-2026 में 'उत्तराखण्ड दर्पण' स्मारिका का विमोचन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अवलोकन किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उत्तराखण्ड महोत्सव का लखनऊ में विशेष महत्व है, क्योंकि यहां अवध की समृद्ध संस्कृति और देवभूमि उत्तराखण्ड की गौरवशाली परम्पराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। दोनों संस्कृतियों का यह मिलन प्रत्येक व्यक्ति के अन्तर्मन को स्पर्श करता है और उसे अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति गौरव की अनुभूति कराता है। मुख्यमंत्री जी आज यहां उत्तराखण्ड महापरिषद द्वारा आयोजित उत्तराखण्ड महोत्सव-2026 में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्री बद्री विशाल की आरती कर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री जी ने उत्तराखण्ड की दो महान विभूतियों, पद्मश्री से अलंकृत भौतिक वैज्ञानिक प्रो0 विजय प्रसाद डिमरी तथा लोकगायिका श्रीमती वीणा तिवारी को 'उत्तराखण्ड गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित किया। उन्होंने 'उत्तराखण्ड दर्पण-2026' स्मारिका का विमोचन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री जी ने उत्तराखण्ड महोत्सव एवं भाई दूज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी समाज के विकास की पहली शर्त अपने अतीत के गौरव का बोध होना है। अतीत अपने साथ वर्तमान को लेकर चलता है और हमारे वर्तमान के वाहक हमारी लोककला, लोकपरम्परा, लोकगायन, लोककलाकार तथा खानपान की विशिष्टताएं होती हैं। उत्तराखण्ड महापरिषद ने इन परम्पराओं को संरक्षित रखने के साथ ही उन्हें आगे ब?ाने का सराहनीय कार्य किया है। महोत्सव में लगाए गए विभिन्न स्टॉल उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विशेषताओं और पारम्परिक खान-पान को प्रदर्शित करने के साथ ही नई पी?ी को अपनी ज?ों से जो?ने का माध्यम बन रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने उत्तराखण्ड महापरिषद को आश्वस्त किया कि पं0 गोविन्द बल्लभ पंत उपवन उत्तराखण्ड के कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध रहेगा। यहां महापरिषद के कार्यक्रम निरन्तर आयोजित होते रहेंगे। उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे ब?ने में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी। उत्तराखण्ड महापरिषद के ऐसे आयोजन निरन्तर होते रहने चाहिए, ताकि नई पी?ी अपनी परम्पराओं से जु?ी रहे। आज इस मंच पर उत्तराखण्ड की दो महान विभूतियों को सम्मानित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। प्रोफेसर विजय प्रसाद डिमरी उत्तराखण्ड के चमोली जनपद की माटी से निकले देश के मूर्धन्य भौतिक वैज्ञानिक हैं। वे सी0एस0आई0आर0-एन0जी0आर0आई0 के पूर्व निदेशक हैं। वहीं, अल्मो?ा की माटी से निकलीं सुप्रसिद्ध लोकगायिका श्रीमती वीणा तिवारी ने अपनी गायन से उत्तराखण्ड की लोककला एवं लोकगाथाओं को देश-दुनिया तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जी द्वारा स्थापित उत्तराखण्ड महापरिषद पिछले 78 वर्षों से प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उत्तराखण्ड महोत्सव का आयोजन कर रही है। इस दौरान अनेक विषम परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना करते हुए महापरिषद ने उत्तराखण्ड की लोकपरम्पराओं, लोकसंस्कृति, लोकगायन, खान-पान, रीति-रिवाजों एवं सांस्कृतिक विरासत को वर्तमान पी?ी तक पहुंचाने तथा भावी पी?ी को इनसे प्रेरणा देने का निरन्तर कार्य किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास में उत्तराखण्ड की अनेक महान विभूतियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पं0 गोविन्द बल्लभ पंत, स्व0 हेमवती नन्दन बहुगुणा, स्व0 नारायण दत्त तिवारी और श्री के0सी0 पंत जैसी महान विभूतियों की एक लम्बी श्रृंखला है। इनमें से प्रथम तीन विभूतियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दीं। उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री रहे स्व0 नारायण दत्त तिवारी जी की इस वर्ष जन्म शताब्दी भी है। उन्होंने इन सभी महान विभूतियों की स्मृतियों को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तराखण्ड केवल प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक विरासत की भूमि नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, त्याग, साहस और बलिदान की भी गौरवशाली भूमि है। उत्तराखण्ड ने देश को अनेक महान स्वतंत्रता सेनानी, सैनिक, सैन्य अधिकारी और राष्ट्रसेवक दिए हैं। वीर चन्द्र सिंह ग?वाली का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान जब निर्दोष हिंदुस्तानियों पर गोली चलाने का आदेश दिया गया, तब वीर चन्द्र सिंह ग?वाली जी ने गोली चलाने से इनकार कर दिया था। उन्होंने अपनी मातृभूमि के लिए अदम्य साहस और त्याग का परिचय दिया। इसके लिए उन्हें दण्डित भी किया गया, लेकिन उन्होंने अपने संकल्प से समझौता नहीं किया। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण और राष्ट्रभक्ति की अनुपम मिसाल है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत के प्रथम चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ जनरल बिपिन रावत का देश की रक्षा एवं सुरक्षा में योगदान अविस्मरणीय है। जनरल अनिल चैहान ने भी देश की सैन्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल का जन्म भी उत्तराखण्ड में हुआ। उत्तराखण्ड की सैनिक परम्परा इतनी समृद्ध है कि



वहां लगभग प्रत्येक परिवार का कोई न कोई सदस्य सेना में सेवा करता है। वहां के युवाओं की प्राथमिकता सेना में जाकर देश की सीमाओं की रक्षा के लिए स्वयं को समर्पित करना होती है। भगवान श्रीराम ने 'निसिचर हीन करहुँ, महि भुज उठाई पन कीन्ह' का संकल्प लिया था। उत्तराखण्ड का युवा भगवान श्रीराम के इसी संकल्प से प्रेरणा लेकर विषम परिस्थितियों में भी देश की सीमाओं की रक्षा के लिए तत्पर रहता है। जब देश की सुरक्षा का प्रश्न सामने आता है तो उत्तराखण्ड, अरुणाचल प्रदेश अथवा राजस्थान की सीमा का कोई भेद नहीं रहता। देश के सामने आने वाली प्रत्येक चुनौती हम सभी की सामूहिक चुनौती होती है और उसका मुकाबला भी मिलकर करना होता है। देवभूमि उत्तराखण्ड की अस्मिता, वहां की संस्कृति और वहां के लोगों के सम्मान के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को संवेदनशील होना चाहिए। उत्तराखण्ड के निवासियों को घुसपैठियों की संज्ञा देने जैसी टिप्पणियां संकीर्ण मानसिकता का परिचायक हैं। उन्होंने बांग्लादेशी एवं पाकिस्तानी घुसपैठियों के प्रति सहानुभूति रखने वालों और देवभूमि के लोगों के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने वालों की मानसिकता पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि माँ गंगा और यमुना के साथ सरयू, रासी और रामगंगा जैसी पवित्र नदियों का सम्बन्ध इसी देवभूमि से है। ऐसी पवित्र भूमि के प्रति संकीर्ण सोच रखना उचित नहीं है। जो लोग घुसपैठियों के प्रति सहानुभूति रखते हैं, माफियाओं के सामने झुकते हैं और देवभूमि के निवासियों के प्रति विषवमन करते हैं, उनकी संवेदना लोकपरम्परा, लोकसंस्कृति और लोकआस्था के प्रति नहीं हो सकती। समाज को ऐसी विभाजनकारी मानसिकता से सावधान रहना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने उत्तराखण्ड से जु? लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार उनके साथ है। उन्हें घबराने की आवश्यकता नहीं है। उत्तराखण्ड महापरिषद के कार्यक्रम निरन्तर आयोजित होते रहने चाहिए और उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक परम्पराओं को आगे ब?ने का कार्य निर्बाध रूप से जारी रहना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने उत्तराखण्ड के पारम्परिक खान-पान और स्थानीय उत्पादों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां के पारम्परिक व्यंजन पूरी तरह ऑर्गेनिक हैं तथा विटामिन और प्रोटीन से भरपूर हैं। इनमें प्राकृतिक ऊर्जा के साथ अनेक औषधीय गुण भी विद्यमान हैं। लेकिन उचित ब्राण्डिंग, प्रचार-प्रसार और वैज्ञानिक शोध के अभाव में इनकी विशेषताओं को व्यापक पहचान नहीं मिल पाई है। इनकी पौष्टिकता एवं उपयोगिता पर वैज्ञानिक शोध को आगे ब?ने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा मोटे अनाज व मिलेट्स को प्रोत्साहित किए जाने के बाद आज लोग कोदो, झंगोरा और अन्य पारम्परिक अनाजों के महत्व को समझने लगे हैं। उत्तराखण्ड के पारम्परिक व्यंजनों को उचित ब्राण्डिंग एवं प्रचार-प्रसार के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाया जाना चाहिए। उत्तराखण्ड महोत्सव में मंडुवा, झंगोरा और चैलाई जैसे पारम्परिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए हैं। इससे लोगों को उत्तराखण्ड के खान-पान की विविधता से परिचित होने का अवसर मिल रहा है और नई पी?ी को इन पारम्परिक व्यंजनों से जो?ने का कार्य भी हो रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन कु?ीन' अर्थात 'एक जनपद-एक व्यंजन' का अभियान प्रारम्भ किया है। 'एक जनपद-एक उत्पाद' की तर्ज पर प्रदेश के स्थानीय एवं पारम्परिक व्यंजनों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके माध्यम से स्थानीय खान-पान को नई पहचान देने और उसकी सम्भावनाओं को आगे ब?ने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने उत्तराखण्ड से जु? संगठनों से आग्रह किया कि वे अपने कार्यक्रमों में उत्तराखण्ड के लोककलाकारों को आमंत्रित करें तथा उन्हें उचित मंच प्रदान करें। उत्तर प्रदेश के स्थानीय एवं नवोदित कलाकारों को भी उनके साथ जो?ें, ताकि वे एक-दूसरे की कला, संस्कृति और परम्पराओं को समझ सकें। इससे दोनों प्रदेशों के कलाकारों को सीखने, जानने और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के नए अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री जी ने उत्तराखण्ड की धार्मिक एवं आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड को देवभूमि यूं ही नहीं कहा जाता। गंगोत्री से माँ गंगा और यमुनोत्री से मां यमुना की पवित्र धाराएं निकलती हैं। यह नदियां पूरे उत्तर भारत को जीवन प्रदान करती हैं और यहां की भूमि को उर्वरता एवं समृद्धि देती हैं। उत्तराखण्ड में केदारनाथ, बद्री विशाल, पंचकेदार और पंचप्रयाग जैसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। विष्णुप्रयाग, नन्दप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग और देवप्रयाग में नदियों का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। प्रत्येक प्रयाग में दो नदियों का संगम अपनी विशिष्ट आध्यात्मिक ऊर्जा और प्राकृतिक महत्ता के कारण विशेष महत्व रखता है। मुख्यमंत्री जी ने बाबा नीब करौरी के धाम कैंची धाम को आस्था का महत्वपूर्ण केन्द्र बताते हुए कहा कि चितई के गोलू देवता को न्याय के देवता के रूप में श्रद्धा के साथ पूजा जाता है।

श्री आनंदपुर साहिब बना पंजाब का सबसे स्वच्छ शहर, हरजोत सिंह बैंस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्राप्त किया राष्ट्रीय सम्मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा, यह सम्मान श्री आनंदपुर साहिब के प्रत्येक निवासी, सफाई कर्मचारी, पार्षद और वालंटियर का है, जिन्होंने स्वच्छता को एक जन आंदोलन में बदल दिया। उन्होंने आगे कहा कि श्री आनंदपुर साहिब की धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता को देखते हुए यह सम्मान विशेष महत्व रखता है। यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए शहर की सड़कों, सार्वजनिक स्थलों और आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता को प्राथमिकता दी गई है। इसके साथ ही लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने पर भी विशेष जोर दिया गया है। स.हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि यह पुरस्कार नगर परिषद की पूरी टीम, अधिकारियों और दिन-रात समर्पित भाव से कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों की मेहनत एवं प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, यह राष्ट्रीय सम्मान हमें स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, पर्यावरण की रक्षा करने तथा इस पवित्र नगरी की सुंदरता और गरिमा को बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगा। श्री आनंदपुर साहिब के इस गौरवपूर्ण स्थान को बरकरार रखने के लिए स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील करते हुए बैंस ने कहा कि यह सम्मान पूरे पंजाब के लिए अत्यंत गर्व की बात है। यह इस बात का प्रमाण भी है कि सरकार, प्रशासन और आम जनता के सामूहिक प्रयासों से उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

बच्चों के सामने मां का कत्ल, उजड़ी दुनिया, खून से लथपथ मां के पास तड़पते रहे मासूम; इसलिए नाराज था पति

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर में मामूली विवाद में दंपती के बीच हुई कलह में परिवार उजड़ गया। सुशीला की हत्या के बाद अवनीश भाग गया और बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। झगड़े के बाद बच्चों के सामने ही मां का कत्ल हो गया। वहीं, अल्हागंज पुलिस ने अवनीश के साले की ओर से हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अवनीश के तीन भाई केशवपाल, जगतपाल और रामरहीश हैं। सभी अलग-अलग रहते हैं। वहीं, सुशीला के मां-बाप नहीं हैं। दंपती के छह साल का एक बेटा सोहन, चार साल की बेटी मेनका और डेढ़ वर्ष का बेटा रोहन है। परिजनों के अनुसार, जून 2019 में फर्रुखाबाद के राजेपुर थाना क्षेत्र के गंधिया गांव की सुशीला की शादी अल्हागंज के मोहल्ला चौरसिया निवासी अवनीश से हुई थी। बुधवार को इस परिवार को काम के सिलसिले में शहर से बाहर निकलना था। सुशीला अपने बच्चों की सुरक्षा की खातिर दिल्ली जाना चाहती थी, क्योंकि वहां उसका मायके वाले और रिश्तेदार थे। अवनीश उसे जबरन लुधियाना ले जाने पर अड़ा था। सफर पर निकलने से ठीक पहले इसी बात को लेकर बहस छिड़ी और देखते ही देखते अवनीश हैवान बन गया। मृतका की भाभी शालू ने बताया कि अवनीश शराब पीकर सुशीला को पीटता था। प्रताड़ना से तंग आकर सुशीला दो महीने से अपने मायके आ गई थी। 15 दिन पहले दोनों परिवारों के बीच समझौता हुआ और सुशीला बच्चों के भविष्य की खातिर लौट आई। अवनीश अपने छह साल के बड़े बेटे सोहन को साथ लेकर भाग गया। चार साल की बेटी मेनका और महज डेढ़ के बेटे रोहन को छोड़ गया। घर में कोई और बड़ा सदस्य या बुजुर्ग नहीं है, जो इन मासूमों के आंसुओं को पोंछ सके। मां जमीन पर खून से सनी बेजान पड़ी थी। बच्चे मां को उठाने की कोशिश कर रहे थे। मायके पक्ष के लोगों ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव जाने का विरोध जताया। लोग वाहन के आगे खड़े हो गए। सीओ दीपक कुमार सिंह के समझाने के बाद शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। इस बीच पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी की। शाहजहांपुर के अल्हागंज कस्बा के मोहल्ला चौरसिया निवासी सुशीला (30 वर्ष) की कुल्हाड़ी से गर्दन और सिर पर वार कर बुधवार दोपहर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी पति अवनीश छह वर्षीय बड़े बेटे को साथ लेकर भाग गया। पुलिस ने मौके से कुल्हाड़ी बरामद कर ली है। आरोपी की तलाश में दो टीमें लगाई गई हैं। परिजनों के मुताबिक, अवनीश नौकरी के लिए लुधियाना जाना चाहता था, जबकि पत्नी दिल्ली चलने का दबाव बना रही थी। आरोपी अपने दो बच्चों को मौके पर ही छोड़ गया। दोनों मासूम खून से लथपथ मां के पास बिलखते मिले। अवनीश लुधियाना में मजदूरी करता है। बुधवार को वह पत्नी और तीन बच्चों को लेकर लुधियाना जाने वाला था। दोपहर एक बजे दोनों में दिल्ली और लुधियाना जाने को लेकर बहस शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर अवनीश ने घर में रखी कुल्हाड़ी से सुशीला पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **(1) Sh. Ashish Pal & (2) Smt. Komal** in respect of **Built Up Plot No. 108-A, with all its roof/terrace rights, admeasuring 80 sq. yds. out of Khasra No. 18/18, Situated in the Area of Village Hastsal, Delhi State Delhi Colony Known as Vikas Vihar, Vikas Nagar, in Block-B, Uttam Nagar, New Delhi-110059** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

It is Publicly informed that my client Mr. Anoop Kumar Pandey S/o Vidyadhar Pandey R/o. Plot no. 581 Sai Enclave Block A Dadri Dhoom Manikpur Gautam Buddh Nagar Uttar Pradesh 203207* is the owner of Kumar Pandey in respect of A Part of Residential Plot No. 24, Total Area Measuring 50 Sq. Yds., i.e. 41.8 Sq. Mtrs., pertaining to Khasra No. 581, situated at Village Dhummanikpur, (inside Sai Enclave Phase-02), Pargana and Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh. (Regd. Vide Document No. 63068, in Book No. 1, Volume No. 23452, on Pages No. 87 to 106, SRO: Dadri, Gautam Budh Nagar). (hereinafter called the said property), vide Sale Deed Dated 08.10.2021. That Title Documents Prior to Sale Deed dated 18.12.2025 has been lost/misplaced and not traceable. That my client intends to mortgage said property with AU Small Finance Bank Ltd. That my client have clear titles and have no third-party interest.All the persons, if any, including bank, financial institutions, having interest in respect of or against the said property are hereby required to make the same known in writing within 07 days with the documentary evidence from the date of publication, failing which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and Settled.

NAME CHANGE

I, PANYAM KUMARS HUSEN father of ARMY NO – 18008178A, RANK –HAV, NAME -PANYAM RAJAHUSEN residing at H. NO-10/208-1, BHAGATH SING COLONY-1, VTC-GOPAVARAM, PO & SUB DIST-PRODDATUR, DIST-CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH-516360, have changed my name from PANYAM KUMARS HUSEN to PANYAM SAMURU USSAINAIAH for all future purposes vide Affidavit Dated 11/11/2026 before Executive Magistrate, Delhi

NAME CHANGE

I, DR-10865A Rank-MAJOR Name-MIT SANJAYKUMAR MODI S/O SANJAYKUMAR MODI is legal father of VEDA residing at 5-213-A, MAKANKUVA (GOKULESH KRUPA), NEAR SHRAFF BAZAR, KOTHARIVAD, GODHARA PANCH MAHALS, GUJARAT-38900, have changed my minor daughter's name from VEDA to VEDA MIT MODI for all future purposes vide Affidavit dated 11/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, DR-10865A Rank-MAJOR Name-MIT SANJAYKUMAR MODI S/O SANJAYKUMAR MODI is legal father of SAANVI residing at 5-213-A, MAKANKUVA (GOKULESH KRUPA), NEAR SHRAFF BAZAR, KOTHARIVAD, GODHARA PANCH MAHALS, GUJARAT-38900, have changed my minor daughter's name from SAANVI to SAANVI MIT MODI for all future purposes vide Affidavit dated 11/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHAMMED SHAMEEM KHAN S/O RAHIMUDDIN KHAN R/O H NO-906, GALI NO-20, L-II BLOCK, SANGAM VIHAR, DELHI-110062 have changed my name to MOHAMMAD SHAMEEM KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I ARTI W/O ROHIT GOEL R/O 20 U.G.F JAGRITI ENCLAVE PHASE-3 VTC ANAND VIHAR DELHI 110092 have changed my name to ARTI ARYA Permanently for all future purposes

Date of Birth Change

I RAMESH GANPAT SIRSAT legally father of Army no -2809117N, Rank - Nk, Name - SIRSAT RAJU RAMESH, Presently Residing At - Bhadola, Post- Bhadola, Teh - Buldana, Dist - Buldana, State - Maharashtra, Pin - 443001, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 23/10/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1962 vide Affidavit dated 10/11/2026 before Notary Public, Delhi.

Date of Birth Change

I SHOBHA RAMESH SIRSAT legally mother of Army no -2809117N, Rank - Nk, Name - SIRSAT RAJU RAMESH, Presently Residing At - Bhadola, Post-Bhadola, Teh - Buldana, Dist - Buldana, State - Maharashtra, Pin - 443001, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 23/10/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1970 vide Affidavit dated 10/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, HARU BAIE mother of No. 13626365K Rank-HAV Name-NAVALE DIPAK BHAUSAHEB residing at NAVALE MALA MATH VASTI, PARNER, PALWE KHURDA, PALVE BK, AHMEDNAGAR, MAHARASHTRA-414301, have changed my name from HARU BAIE to HARUBAI BHAUSAHEB NAVALE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 03/07/1955 instead of my correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 11/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Nurul Haq Hashmi S/o Gulam Mustafa R/o - O - 1 - 93, Madangir, Dr. Ambedkar Nagar, South Delhi, Delhi 110062 have changed my Name from Noorul Haque Hashmi to Nurul Haq Hashmi for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohammad Sabir S/O: Shekh Bhikari, R/O 11, gali no-3. Mamura Village, Sector-58, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed the name of my minor daughter Khushbu aged 14 years and she shall hereafter be known as Sahin Parveen.

NAME CHANGE

I, PRAVEEN KUMAR S/O ASHOK KUMAR R/O Z-51 STREET NO-6 DEEPAK VIHAR NEAR RAGHUBIR SINGH MODEL SCHOOL VIKAS NAGAR UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to PRAVEEN SHUKLA for all future purpose.

NAME CHANGE

I MADHURI W/O AMIT R/O G-15 GALI NO 1 MOLARBAND EXTENSION BADARPUR SOUTH EAST DELHI-110044 DELHI, DECLARE THAT MY HUSBAND'S NAME EARLIER MENTIONED AS AMIT SHOULD HENCEFORTH BE READ AS AMIT KANOJIA.

Public Notice

I suman maurya D/o Ram singh , resident of G-3 ,nand apartment,Nai basti devli , South Delhi, Delhi - 110062 do hereby undertake that I suman maurya want to change my name to Samarth Maurya and my gender as Male.I suman maurya henceforth shall be known as samarth maurya S/o Ram singh The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same and The Department of Publication shall not be liable for any consequences arising therefrom.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ROHIT MISHRA S/o G S MISHRA R/o Plot No -1057 GF-2, Niti Khand-1, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201014, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as ROHIT and CHANDNI in my minor daughter KANISHKA MISHRA aged 14 years in her birth certificate no-74078. The actual name of mine and my wife are ROHIT MISHRA and CHANDNI MISHRA respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, ESM No-6945290W L/NK NARESH KUMAR (RETD) S/o SADHU RAM R/o HOUSE NO-44, RAKSHA ENCLAVE EXTN. MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059 have changed my mother's name from RAM DEVI to RAMDE DEVI for all future purposes and in my PPO records my mother's date of birth wrongly mentioned as 05/02/1948 instead of her correct date of birth as 01/01/1943 vide Affidavit dated 10/11/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, EJAZUDDIN S/O SIRAJ UDDIN residing at 2721, CHURIWALAN, SITA RAM BAZAR, DELHI-110006 have changed my name to AJAZ UDDIN for all future purposes.

NAME CHANGE

I,MAHESH KUMAR BAJAJ S/O JAI DAYAL BAJAJ R/O H NO.298, BANK ENCLAVE, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 HAVE CHANGED MY NAME TO MAHESH BAJAJ FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, UKILA W/O MAZID KHAN R/O H NO-132 ASOLA EXTN FATEHPUR BERI DELHI-110074 have changed my name to OKILA for all future purpose.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-14874426N Rank-HAV Name-B PRAKASH PATRA Residing at MAIN ROAD, VILL & POST-BHIKARIPALLI, CHHATRAPUR, DIST- GANJAM, ODISHA-761045 have changed my father's name from B KAMA to B KAMA PATRO for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 21/06/1966 instead of his correct date of birth as 02/07/1968 vide Affidavit dated 10/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-14874426N Rank-HAV Name-B PRAKASH PATRA Residing at MAIN ROAD, VILL & POST-BHIKARIPALLI, CHHATRAPUR, DIST- GANJAM, ODISHA-761045, have changed my mother's name from B JANAKEE to B JANAKEE PATRA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 03/07/1972 instead of her correct date of birth as 28/07/1972 vide Affidavit dated 10/11/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Supriya Kujur W/o Mr. Niranjan Ekka H no 57 z block chetan viharg new gopal nagar najafgarh west delhi is urchasing property from Mrs. Milyani Kerketta she is the owner of Plot No. 138, land area measuring 223.24 Sq. meter (Vacant Plot), out of Khasra no. 62/25/1, Situated in Unauthorized Colony Shyam Enclave (Z-Block), Gopal Nagar Extn,..by Authorization Slip dated 01.10.2021 executed by DDA in favor of Mrs. Milyani Kerketta in respect of Plot No. 138, land area measuring 223.24 Sq. meter (Vacant Plot), out of Khasra no. 62/25/1, Situated in Unauthorized Colony Shyam Enclave (Z-Block). Gopal Nagar Extn,, Regn. No. 689 DDA/GIS/16082021111136/33075 7, IN Gopal Nagar, Z-Block Najafgarh, in the area of Village Revenue Estate Mitraon, Delhi-110043, as vide reg. in Doc. No. 901, Book No. 1, Vol No. 90, Pg. No. 126 to 129, dated 12.10.2021, SRO-IX-A (".-now Mrs. Milyani Kerketta is declaring that that any other person does not have any right & undisputed on said property, and same property sold to be Mrs. Supriya Kujur W/o Mr. Niranjan Ekka and same has been financed by Bajaj Housing Finance Company Limited Branch: Gurgaon haryana If any person have any objection or claim with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us with in 007 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

(Mr. Niranjan Ekka)
H no 57 z block chetan Viharg newGopal Nagar
Najafgarh West Delhi, Delhi
8920906721

NAME CHANGE

I, ARATI TRIPATHI W/o AMIT PANDEY R/o H.No. J-471, Sector -23, Sanjay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201002, have changed my name and shall hereafter be known as AARTI PANDEY.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री शहजाद खान पुत्र श्री जफर अहमद, निवासी कच्ची सराय, नजदीक धर्मशाला, आज़ाद मार्केट, मुरादनगर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201206, एक फ्रीहोल्ड आवासीय मकान, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या 93, स्थित बृज विहार, ग्राम सहबिस्वा, परगना जलालाबाद, तहसील मोदीनगर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1421-1426/1427-1432 द्वारा मालिक व काबिज हैं। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती पूजा पत्नी श्री विजय कुमार को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा आर डी सी, राज़ नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE

I, UPENDRA KUMAR SAHOO S/o SUKHARI SAHOO PRESENT Address KHS-985MI SANGAM VIHAR ENCLAVE TUSYANA NOYDA 201306 Permanent Address THARI PANDEYPUR, MURAR THARI PANDEYPUR POST OFFICE-MURAR, THARI, BUXAR, BIHAR-802127, have changed the name of my minor son ANKIT aged 17 years and he shall hereafter be known as AYUSH KUMAR.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ARATI TRIPATHI W/o AMIT PANDEY R/o H.No. J-471, Sector -23, Sanjay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201002, have changed my name and shall hereafter be known as AARTI PANDEY.

PUBLIC NOTICE

I, on behalf of my clients Zarina Khan W/o Noushad Khan Resident of H-189, Gali No.16, Sangam Vihar, New Delhi-110080, hereby inform the general public that my clients have disowned and debarred their son Saif Khan and daughter-in-law Bushra from all their movable and immovable properties, assets, rights, interests and claims, due to their misconduct, misbehavior and disobedience towards my clients. My clients have severed all relations with them and shall not be liable or responsible for any act, deed, omission, debt, liability or transaction, whatsoever, undertaken by the said son and daughter-in-law.

MUKESH KUMAR Advocate
CH. No.484, Saket Court,
New Delhi-110017.

PUBLIC NOTICE

It is a public notice that 1. Anil Tyagi S/o Shri S.S. Tyagi Rio S-531. School Block, Shakarpur, Delhi-110092, (Phone No.:9811075820) intend to purchase a Property i.e. Built up First Floor without roof rights, upto ceiling level, area measuring 50 sq. yds. i.e. 41.8 sq. metes, consisting of two rooms set, a part of Property bearing No.S-553-554, out of Khasra No.118, situated at the abadi of School Block, Shakarpur, in the area of Late Shyam Sunder R/o S-553-554, School Block. Shakarpur, Delhi-110092 Village Shakarur Khas, illaqa Shahdara, Delhi-110092 from its owner Mr. Vishal S/o That Mr. Vishal S/o Late Shyam Sunder became the owner of the said property after the death of his father Shri Shyam Sunder (who expired on 21.02.2026) as a single legal heir and also obtain a Surviving Member Certificate, Certificate No.90660000358398, dated 12.10.2026, issued by Office of The District Magistrate, Gandhi Nagar, Delhi. That all original title documents of the aforesaid property has been lost/misplaced and Mr. Vishal has already lodged a Complaint in respect of article/document lost in Delhi, vide LR No.702108/2026, dated 07.

संक्षिप्त डायरी

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर न्याय को सभी के लिए सुलभ बनाने का संकल्प

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरुक करने और समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष विधिक जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं डीएलएसए के अध्यक्ष नरेंद्र सुरा ने कहा कि न्याय तक समान पहुंच लोकतांत्रिक समाज की महत्वपूर्ण आधारशिला है। विधिक सेवा संस्थाओं का दायित्व है कि वे आम नागरिक और न्याय व्यवस्था के बीच की दूरी को कम करते हुए प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक न्याय एवं कानूनी सहायता पहुंचाएं। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी निशा ने जमीनी स्तर पर विधिक जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कानूनी जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और सशक्त बनाती है। इससे नागरिक समय पर उचित कानूनी सहायता एवं उपचार प्राप्त करने में सक्षम होते हैं। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। यह दिवस विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के लागू होने की स्मृति में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध करवाना और यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अथवा अन्य असमर्थता के कारण न्याय से वंचित न रहे।\

सात माह बाद भी ड्राइवर कल्याण बोर्ड नहीं हुआ लागू: योगेश शर्मा

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक एवं महान राष्ट्रवादी श्रमिक चिंतक दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की जयंती पर बुधवार को हरियाणा ऑटो चालक संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ के कार्यकताओं की बैठक हुई। यहां देवीलाल कॉलोनी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कुलदीप यादव ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। बैठक में बतौर मुख्य वक्ता भारतीय प्राइवेट ट्रांसपोर्ट मजदूर महासंघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष योगेश शर्मा उपस्थित रहे। बैठक का संचालन अनिल कुमार ने किया। अपने संबोधन में योगेश शर्मा ने कहा कि परम श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने भारतीय मजदूर संघ की स्थापना कर देश के श्रमिक आंदोलन को एक नई वैचारिक दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि सात माह बीतने के बाद भी हरियाणा सरकार ने ड्राइवरों के लिए कल्याण बोर्ड को लागू नहीं किया। ऑटो चालकों के लिए स्थाई स्टैंड पिछले सात साल से नहीं बने। उन्होंने कहा कि सरकार घोषणाएं तो करती है, लेकिन जमीन पर उन्हें लागू नहीं करती। इससे ड्राइवरों में भारी रोष है। योगेश शर्मा ने आगामी 19 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले एक दिवसीय राष्ट्रीय महाधरने में हरियाणा से अधिक से अधिक संख्या में ड्राइवरों एवं कार्यकताओं को भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय महाधरने में देश के लगभग 22 प्रदेशों से भारतीय प्राइवेट ट्रांसपोर्ट मजदूर महासंघ के कार्यकर्ता एवं प्रतिनिधि भाग लेंगे तथा केंद्र सरकार को ड्राइवरों की समस्याओं और अधिकारों से संबंधित 11 सूत्रीय मांगपत्र सौंपेंगे।

गुरुग्राम के शीतला माता अस्पताल में आयुष्मान लाभार्थियों को इलाज में मिलेगी सब्सिडी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि गुरुग्राम के सेक्टर-102 स्थित श्री शीतला माता देवी मेडिकल कॉलेज एवं 883 बेड के टीचिंग अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों तथा पांच लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के पात्र मरीजों के लिए उपचार संबंधी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इनके माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को उपचार में सब्सिडी का लाभ मिलेगा और वे किफायती दरों पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को चंडीगढ़ में आयोजित बैठक में मेडिकल कॉलेज एवं टीचिंग अस्पताल के संचालन और रखरखाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों तथा पांच लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के पात्र मरीजों के लिए उपचार में सब्सिडी और अस्पताल में विशेष सुविधाओं से संबंधित प्रावधानों पर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अस्पताल परिसर में अमृत फामेर्सी खोलने के निर्देश भी दिए, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि अस्पताल में उपचार के साथ-साथ मरीजों को दवाइयों की उपलब्धता भी सहज और किफायती होनी चाहिए। बैठक में मेडिकल कॉलेज में विद्यार्थियों के दाखिले के लिए सीटों और फीस से संबंधित प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कॉलेज की शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सीटों तथा फीस संरचना को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए ।

पटौदी जटौली अनाज मंडी में बाजरे की सरकारी खरीद अस्थायी बंद

एजेंसी

गुरुग्राम। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार बाजरे की सरकारी खरीद फिलहाल अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है। बाजरे की खरीद के लिए संचालित ई-खरीद पोर्टल को भी आगामी आदेश तक बंद कर दिया गया है। इसके चलते फिलहाल बाजरे के गेटपास जारी नहीं हो सकेंगे। मुख्य प्रशासक, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएम) पंचकूला द्वारा 10 नवंबर 2026 को जारी पत्र के माध्यम से राज्य की मंडियों में बाजरे की खरीद बंद करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत पटौदी जटौली अनाज मंडी में भी बाजरे की खरीद प्रक्रिया फिलहाल स्थगित रहेगी। मार्केट कमेटी पटौदी के चेयरमैन मनोज मोकलवास ने बताया कि यदि कोई वास्तविक किसान किसी कारणवश अपनी बाजरा फसल बेचने से वंचित रह गया है, तो ऐसे मामलों का सत्यापन उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा किया जाएगा। सत्यापन के उपरांत अनुमोदित किसानों की सूची हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड मुख्यालय एवं खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को भेजी जाएगी, ताकि पात्र किसानों को ई-खरीद पोर्टल के माध्यम से बाजरा बेचने की अनुमति मिल सके।मार्केट कमेटी सचिव विपिन यादव ने बताया कि किसानों को खरीद प्रक्रिया से संबंधित जानकारी के लिए मार्केट कमेटी कार्यालय से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पोर्टल दोबारा शुरू होने और खरीद संबंधी आगामी दिशा-निर्देश जारी होने पर किसानों को इसकी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि बिना पुष्टि किए बाजरा मंडी में न लाएं, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

धूल नियंत्रण नियमों की अनदेखी पर पांच निर्माण स्थल सील

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, गुरुग्राम (उत्तर) की टीम ने धूल नियंत्रण से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने वाले पांच प्रमुख निर्माण स्थलों को सील कर दिया। बोर्ड की कार्रवाई से शहर के बिल्डर्स और निर्माणकताओं में हड़कंप मच गया है। हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, औचक निरीक्षण के दौरान इन निर्माण स्थलों पर प्रदूषण रोकने के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं पाए गए। इसके अलावा, ये सभी साइटें प्रदूषण बोर्ड के आधिकारिक डस्ट पोर्टल पर पंजीकरण और उससे जुड़े मानकों के अनुपालन की अनिवार्य शर्तों को पूरा करने में भी पूरी तरह विफल रहीं। कार्रवाई के तहत सील किए गए पांच निर्माण स्थलों में से तीन अकेले उद्योग विहार क्षेत्र में स्थित हैं, जहां व्यावसायिक निर्माण कार्यों के दौरान खुले में धूल उड़ाई जा रही थी और पर्यावरण नियमों की खुली अनदेखी हो रही थी। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि पर्यावरण सुरक्षा और जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी संस्थान या बिल्डर को बख्शा नहीं जाएगा। महज एक सप्ताह के भीतर दूसरी बड़ी कार्रवाई प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह ताबड़तोड़ कार्रवाई दिखाती है

भाइयों के माथे पर सजेगा तिलक, बाजारों में उमड़ी भीड़

एजेंसी



नोएडा। दीपावली के बाद अब भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक भाई दूज पर्व मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बुधवार को मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर मंगलवार को नोएडा के बाजारों में दिनभर रौनक बनी रही। बहनों ने भाइयों के स्वागत और पूजन की तैयारियों के लिए मिठाइयों, नारियल, रोली, चावल, पूजा सामग्री और उपहारों की खरीदारी की। बाजारों में मिठाई की दुकानों से लेकर सौंदर्य प्रसाधन और उपहार की दुकानों तक ग्राहकों की भीड़ दिखाई दी। भाई दूज को लेकर भंगेल, सेक्टर-59 के मामूरा, सेक्टर-27 की इंदिरा मार्केट और सेक्टर-18 की अट्टा मार्केट सहित शहर के प्रमुख बाजारों में सुबह से ही खरीदारी का सिलसिला शुरू हो गया। बहनें अपने भाइयों की पसंद के अनुसार मिठाइयां और उपहार खरीदती नजर आईं। मिठाई की दुकानों पर बर्फी और अन्य पारंपरिक मिठाइयों की मांग रही। इसके साथ ही पूजा की थाली सजाने के लिए रोली, चावल और नारियल की भी खरीदारी की गई। मेहंदी और उपहारों की खरीदारी में दिखा उत्साह पर्व को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई महिलाओं ने खरीदारी के साथ बाजारों में हाथों पर मेहंदी भी लगवाई। बहनें भाइयों के लिए पसंदीदा मिठाइयां और उपहार चुनने के साथ पूजा की थाली सजाने की तैयारियों में जुटी रहीं। बाजारों में उपहारों की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। वहीं, घरों में भी भाई दूज के पूजन और पारिवारिक मिलन की तैयारियां की गईं। बहनें भाइयों के स्वागत के लिए विशेष पकवान बनाने और पूजा की सामग्री व्यवस्थित करने में जुटी रहीं। इस पर्व पर कई परिवारों में एक साथ बैठकर भोजन करने और उपहारों का आदान-प्रदान करने की परंपरा भी निभाई जाती है। भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है पर्व भाई दूज का पर्व भाई-बहन के बीच स्नेह, विश्वास और पारिवारिक संबंधों की मजबूती का प्रतीक माना जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। इसके बाद आरती उतारकर उन्हें मिठाई खिलाई जाती है। भाई भी बहनों को उपहार देकर उनकी खुशहाली की कामना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्यदेव के पुत्र यमराज एक बार अपनी बहन यमुना के घर गए थे। यमुना ने उनका आदर-सत्कार किया, माथे पर तिलक लगाया और भोजन कराया। बहन के स्नेह और आतिथ्य से प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान दिया। इसी मान्यता के आधार पर कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज मनाने की परंपरा शुरू हुई। इस पर्व को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। दोपहर 1:09 से 3:19 बजे तक रहेगा शुभ मुहूर्त ज्योतिषाचार्य आदित्य द्विवेदी के अनुसार, इस वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर लगभग 2 बजे शुरू होकर 11 नवंबर को दोपहर 3:54 बजे तक रहेगी। बुधवार को भाई दूज के अवसर पर तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त दोपहर 1:09 बजे से 3:19 बजे तक निर्धारित है। इस दौरान बहनें विधि-विधान से पूजा कर भाइयों के माथे पर तिलक लगाएंगी, आरती उतारेंगी और मिठाई खिलाकर उनके सुखी, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करेंगी।

ई-रिक्शा की टक्कर से पैदल जा रहे युवक की मौत



एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-65 में ई-रिक्शा की टक्कर से पैदल जा रहे युवक की मौत हो गई। उसके चचेरे भाई ने ई-रिक्शा चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बिहार के जिला पूर्वी चंपारण निवासी तवारक अंसारी ने पुलिस को बताया कि उनका चचेरा भाई 39 वर्षीय गयाश अंसारी नोएडा में रहकर करता था। वह छह नवंबर की रात करीब नौ बजे सेक्टर-65 में सड़क किनारे पैदल जा रहा था। इसी दौरान एक ई-रिक्शा के चालक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे स्थानीय लोगों ने उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल भेज दिया गया, जहां नवंबर की शाम उपचार के दौरान सात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर ई-रिक्शा चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। नंबर के आधार पर ई-रिक्शा चालक की पहचान की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल



एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक बाइक सवार व्यक्ति को अज्ञात वाहन के चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। घायल की पत्नी ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-34 स्थित उदयगिरी अपार्टमेंट में रहने वाली शानू पटनी ने पुलिस को बताया कि उनके पति नौ नवंबर को अपनी बाइक से नोएडा सिटी सेंटर से अपने घर आ रहे थे। जब वह सुरभि अस्पताल के सामने नाले के पुल के पास पहुंचे तो पीछे से एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इसके चलते उन्हें गंभीर चोट आई। बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने उन्हें फौरन ही सुरभि अस्पताल पहुंचाया और प्राथमिक उपचार दिलाया। इसके बाद उन्हें सेक्टर-71 स्थित कैलाश अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उनके पति की हालत गंभीर है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से वाहन चालक की पहचान की जा रही है। जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदूषण फैलाने वालों पर 17 दिन में लगाया 45.82 लाख रुपये जुमार्ना

एजेंसी



गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम की प्रवर्तन टीमें प्रदूषण और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही हैं। इसी कड़ी में 24 अक्टूबर से 10 नवंबर 2026 तक 17 दिन में विभिन्न प्रकार के उल्लंघनों पर कुल 634 चालान जारी किए गए। चालान काटकर 45,82,300 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। यह कार्रवाई शहर में स्वच्छता नियमों का पालन सुनिश्चित कराने और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की गई। नगर निगम की प्रवर्तन टीमों ने प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग के मामलों में 177 चालान जारी किए। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने के 88 और डस्ट मिटिगेशन नियमों की अवहेलना के 85 मामलों में कार्रवाई की गई। इसके अलावा कूड़ेदान उपलब्ध नहीं होने पर 80 चालान किए गए। खुले में कचरा जलाने के 54 मामलों में कार्रवाई की गई, जबकि पानी की बबार्दी करने वालों के खिलाफ भी 54 चालान जारी किए गए। निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) वेस्ट के नियमों का उल्लंघन करने पर 22 तथा निर्माण कार्य बंद करने के आदेशों की अवहेलना करने पर 11 चालान किए गए। निगम की कार्रवाई में बिना ढके निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहन, अवैध रूप से कचरा डालने, स्टॉर्म वाटर ड्रेन में अवैध कनेक्शन, खुले में शौच, सेप्टेज संबंधी उल्लंघन और अन्य स्वच्छता नियमों के मामले भी शामिल रहे। एमसीजी की ओर से दावा किया गया है कि सडकों को धूल मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नियमित रोड स्वीपिंग, प्रमुख सडकों पर पानी का छिडकाव, सडक किनारों पर जमा मिट्टी को हटाने और धूल नियंत्रण के अन्य उपायों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शहर में प्रदूषण नियंत्रण के लिए एंटी-स्मॉग गन भी तैनात की गई हैं। इनके माध्यम से धूल कणों को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। निगम की टीमें सडकों और आसपास के क्षेत्रों की नियमित सफाई कर रही हैं, ताकि धूल के स्रोतों को कम किया जा सके और नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। धूल नियंत्रण अभियान की जमीनी स्तर पर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम की अतिरिक्त आयुक्त अंकिता चौधरी ने जोन-3 में डस्ट एक्शन प्लान के तहत चिन्हित सडकों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर धूल नियंत्रण के उपायों की स्थिति का जायजा लिया और अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की।

गुरुग्राम में अब हर 60 दिन में होगा ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का तबादला

एजेंसी



गुरुग्राम। भ्रष्टाचार के विरुद्ध गुरुग्राम पुलिस ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए बड़े और सख्त कदम उठाए हैं। ट्रैफिक ड्यूटी के दौरान किसी भी ट्रैफिक पुलिस कर्मी, होमगार्ड या एसपीओ की संलिप्तता पाए जाने पर अब जोनल ऑफिसर (जेडओ) और ट्रैफिक इंस्पेक्टर (टीआई) की भी जिम्मेदारी तय होगी। साथ ही बॉडी वार्न कैमरा के बिना वाहन रुकवाने पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी। इस तरह के आदेश पुलिस आयुक्त शिवास कविराज की ओर से दिए गए हैं। पुलिस आयुक्त शिबास कबिराज ने भ्रष्टाचार, लापरवाही, अवैध वसूली, अनुचित व्यवहार सहित किसी भी प्रकार के भ्रष्ट आचरण के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। अधिकारियों को आदेश देते हुए पुलिस आयुक्त शिवास कविराज ने कहा कि एसीपी स्तर के अधिकारी सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से भ्रष्टाचार निरोधी निगरानी करेंगे। साथ ही प्रत्येक 60 दिन के बाद स्वचालित कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का तबादला होगा। सोशल मीडिया पर होमगार्ड द्वारा उपहार के नाम पर अवैध वसूली करने के संबंध में वायरल हुई वीडियो के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी होमगार्ड को गिरफ्तार करने के साथ ही गुरुग्राम पुलिस के सभी डीसीपी, एसीपी के माध्यम से ग्राउंड लेवल के पुलिसकर्मियों को सख्त आदेश दिए हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की किसी भी घटना की पुनरावृत्ति होने पर संबंधित क्षेत्र के जेडओ एवं टीआई की जवाबदेही भी निर्धारित की जाएगी। पुलिस कंट्रोल रूम में एसीपी रैंक के अधिकारी सभी सीसीटीवी कैमरों की नियमित रूप से जांच एवं निगरानी सुनिश्चित करेंगे, ताकि ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली पर प्रभावी नजर रखी जा सके। यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान की कार्यवाही बॉडी वार्न कैमरे की निगरानी में करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे तथा वाहनं चालकों एवं पुलिसकर्मियों दोनों के हित सुरक्षित रहें। सीपी शिवास कविराज ने ड्यूटी में पारदर्शिता बनाए रखने, किसी एक स्थान पर लंबे समय तक तैनाती से उत्पन्न होने वाली अनियमितताओं की संभावनाओं को कम करने तथा निष्पक्ष व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक 60 दिन में रैंडम कंप्यूटरीकृत ट्रांसफर की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित अधिकारियों को सीसीटीवी फुटेज का नियमित विश्लेषण करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अनियमितता के सामने आने पर तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए

छठ घाटों पर साफ-सफाई शुरू, तीन दिन बाद भरे जाएंगे पानी

एजेंसी

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी में लोक आस्था का पर्व छठ शुक्रवार को संकल्प व्रत से आरंभ होगा। इसको लेकर छठ घाटों पर साफ सफाई शुरू हो गई। तीन दिन बाद इनमें पानी भरा जाएगा। वहीं छठ पर्व को लेकर सजे बाजार में बांस निर्मित सूप-दउरा की खरीदारी शुरू हो गई है। छठ पूजा की तैयारियां और बाजार सदर बाजार के सब्जी मंडी में सूप, छांटी टोकरी, डगरा और दउरा की दुकानें सजने लगी है। बाजार में बांस से बने सूप, दउरी, नारियल, गन्ना, फलों की दुकानें सजने लगीं है। दुकानदार राम कुमार ने कहा कि गुरुग्राम में छठ के मिट्टी के चूल्हे का प्रयोग नहीं होते है। सिर्फ मिट्टी के दीये, सूप, दउरा, टोकरी ज्यादा बिकते है। उन्होंने छठ के बाजार में दूसरे राज्यों से आने वाले उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ी है। उत्तर प्रदेश के मेरठ, अलीगढ़, आगरा समेत अन्य जिलों से बास के बने सामान आते है। लोग खरीदारी करने के लिए आने शुरू हो गए हैं। घाट पर अलग-अलग शौचालय शहर में छठ पूजा के आयोजन को लेकर समितियां सक्रिय हो गई हैं। चार दिवसीय अनुष्ठान शुक्रवार 13 नवंबर को नहाय-खाय से शुरू होगा। यह 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ पूरा होगा। गुरुग्राम में कुल 31 पक्के और 60 से अधिक कच्चे स्थानों पर छठ पूजा के सामूहिक और बड़े आयोजन होंगे। सोमवार को बसई तालाब छठ पूजा समिति की बैठक हुई। समिति अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्रा ने कहा कि बैठक में महापर्व को भव्य और व्यवस्थित बनाने पर चर्चा हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई। श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना था। महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग शौचालय होते है, पेयजल और रोशनी के इंतजाम किए जाएंगे। घाट पर सुरक्षा, बैरिकेडिंग, गोताखोर, नाव और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था होगी। इन स्थानों पर बनाए जा रहे छठ घाट शीतला माता मंदिर पार्किंग एरिया, सेक्टर पांच लेबर चौक, न्यू पालम विहार, शक्ति पार्क, सूरत नगर फेज-2, कादीपुर सामुदायिक भवन सेक्टर-10, सरस्वती एन्क्लेव, चकरपुर गांव, कन्हई गांव, ओम विहार, राजेंद्रा पार्क, देवीलाल कॉलोनी और सेक्टर-15 पार्ट-2 में प्रमुख रूप से छठ घाट बनाए जाते हैं। इन स्थानों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटकर विधि-विधान से पूजा करते हैं। इसके अलावा शहर के अन्य आवासीय क्षेत्रों में भी अस्थायी घाट तैयार किए जा रहे हैं। निजी कोष से तालाब की खुदाई कराई राजेन्द्रा पार्क स्थित धर्म कांटे वाली गली मे छठ पूजा कमेटी ने अपने निजी कोष से तालाब की खुदाई व इस जगह-जगह की साफ-सफाई कराया है। अभी केवल तालाब की खुदाई हो चुकी है। 14 नवंबर से तालाब में टैंकर से पानी भरा जाएगा। पूजा कमेटी अध्यक्ष राजेश पटेल ने बताया कि गत 2011 से राजेन्द्रा पार्क में छठ पूजा होता आ रहा है। यहां पर लगभग एक हजार श्रद्धालुओं की संख्या होती है। जल्द ही हेल्पलाइन नंबर जारी होंगे अध्यक्ष ने कहा कि किसी श्रद्धालु को कोई दिक्कत न हो, पूरा ध्यान रखा जाता है। जो व्रती पूजा के लिए सहयोग चाहिए तो कमेटी से संपर्क सकती है। जरूरमंद को सहयोग राशि 1100 रुपये दिया जाता है। इसके लिए कुछ छठ हेल्पलाइन नंबर जारी किए जाते है, जो किसी आपात स्थिति में छठ पूजा के दौरान एम्बुलेंस निःशुल्क होते है।

नोएडा में धूमधाम से मनाया गया गोवर्धन पर्व: इस्कॉन मंदिर में खाद्य सामग्रियों से सजा 20 फीट लंबा गोवर्धन पर्वत, उमड़े श्रद्धालु

एजेंसी



नोएडा। नोएडा दीपावली के ठीक अगले दिन नोएडा शहर में गोवर्धन पर्व पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न सेक्टरों के मंदिरों और ग्रामीण अंचलों में श्रद्धालुओं ने भगवान गोवर्धन की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंदिरों और घरों में अनूठे आयोजन देखने को मिले, जहां कहीं गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर पूजा की गई, तो कहीं अनगिनत खाद्य सामग्रियों से भव्य झांकियां सजाई गईं। दिनभर मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा और पूरा शहर भक्तिमय नजर आया। इस्कॉन मंदिर में सजा 20 फीट लंबा गोवर्धन पर्वत सेक्टर-33 स्थित प्रसिद्ध इस्कॉन मंदिर में गोवर्धन पूजा का एक विशेष और भव्य आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में करीब 20 फीट लंबा, सात फीट चौड़ा और तीन फीट ऊंचा विशाल गोवर्धन पर्वत तैयार किया गया था। इस पर्वत को बनाने के लिए चीनी, मिश्री, सूजी का हलवा, चावल और अन्य लजीज खाद्य सामग्रियों का उपयोग किया गया, जिससे इसकी छटा देखते ही बन रही थी। इस्कॉन मंदिर में इस दौरान विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुए: भव्य झांकी और दर्शनः श्रद्धालुओं ने गिरिराज के अलौकिक दर्शन किए और मंदिर परिसर में ही परिक्रमा लगाई। कीर्तन और कथाः भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का गुणगान करते हुए मंत्रमुग्ध कर देने वाले संकीर्तन और गोवर्धन कथा का आयोजन हुआ। 56 भोग और महाआरतीः भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए, जिसके बाद भव्य महाआरती संपन्न हुई। प्रसाद वितरणः पूजा के उपरांत गोवर्धन पर्वत के निर्माण में प्रयुक्त की गई पवित्र खाद्य सामग्रियों का महाप्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। विभिन्न सेक्टरों के मंदिरों में रही धूम इस्कॉन मंदिर के अलावा नोएडा के अन्य प्रमुख मंदिरों में भी गोवर्धन पूजा का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया गया। श्रीसिद्ध शनि मंदिरः इन मंदिरों में भी बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने गोबर से बने गोवर्धन पर्वत की पूजा-अर्चना कर परिक्रमा की और सुख-शांति का आशीर्वाद मांगा। ग्रामीण इलाकों और घरों में भी गूंजे जयकारे केवल मंदिरों तक ही यह उत्सव सीमित नहीं रहा, बल्कि नोएडा के विभिन्न गांवों और सोसाइटियों में भी लोगों ने पारंपरिक उल्लास के साथ गोवर्धन पूजा की। घरों में महिलाओं ने आंगन या छत पर गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर उनका श्रृंगार किया और दीप प्रज्वलित किए। भगवान गोवर्धन को अन्नकूट और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। दीपावली के बाद आए इस पर्व पर दिनभर मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। चारों तरफ 'गोवर्धन महाराज की जय' के जयकारों से वातावरण गूंज उठा, जिससे पूरे शहर में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उल्लास का माहौल देखने को मिला।

होम लोन,पर्सनल लोन और अन्य प्रकार के ऋण अब हो जाएंगे महंगे

एचडीएफसी बैंक ने की एमसीएलआर की दरें बढ़ाने की घोषणा

नई दिल्ली।

एचडीएफसी बैंक ने अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट में बढ़ोतरी की घोषणा की है, जिससे बैंक से जुड़े होम लोन, पर्सनल लोन और अन्य प्रकार के ऋण अब महंगे हो जाएंगे। यह वृद्धि 7 नवंबर से प्रभावी हो चुकी है। बैंक ने अलग-अलग अवधियों के लिए एमसीएलआर में 5 से 15 बेसिस प्वाइंट तक की बढ़ोतरी की है। इस बदलाव के बाद, एचडीएफसी बैंक की नई एमसीएलआर दरें अब 7.85फीसदी से बढ़कर 8.70फीसदी के दायरे में आ गई हैं, जो पहले 7.75फीसदी से 8.55फीसदी के बीच थीं। उदाहरण के लिए ओवरनाइट दर में 5 बीपीएस की वृद्धि हुई है, जबकि 1 साल, 2 साल और 3 साल की अवधि के लिए दरें 15 बीपीएस तक बढ़ी हैं। एमसीएलआर वह न्यूनतम ब्याज दर होती है जिससे कम पर कोई भी बैंक किसी ग्राहक को ऋण नहीं दे सकता। यह बैंकों के लिए ऋण देने की एक आधार दर होती है। यदि आपका होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन एमसीएलआर से जुड़ा है, तो इसका सीधा असर ईएमआई पर पड़ता है। हालांकि फ्लोटिंग रेट वाले एमसीएलआर ऋणों में ब्याज दर रीसेट तारीख तय होती है, इसलिए आपकी अगली रीसेट तारीख आने पर ही आपकी ईएमआई बढ़ेगी। यदि आपका ऋण सीधे भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो रेट से जुड़ा है, तो इस एमसीएलआर बढ़ोतरी का आप पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एमसीएलआर पूरी तरह से बैंक के आंतरिक खर्चों पर आधारित होता है। अगर बैंक को फंड जुटाने की लागत बढ़ती है, तो वह इसकी भरपाई के लिए एमसीएलआर बढ़ा सकता है। वहीं, रेपो रेट वह दर होती है जिस पर आरबीआई देश के अन्य बैंकों को कर्ज देता है, और यह देश की मौद्रिक नीति का हिस्सा होता है।

तेल कंपनियों ने गैस सिलेंडर की कीमतों में नहीं की बढ़ोतरी, उपभोक्ताओं को राहत

नई दिल्ली।

देश में सरकारी तेल कंपनियां ने बुधवार को गैस सिलेंडर की नई कीमतें जारी कर दी हैं। उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वे जून से स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में बुधवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपए पर बनी हुई है। वहीं, कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 1 नवंबर को 10 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी, जिसके बाद यह 2,820 रुपए प्रति सिलेंडर पर है। इसके अलावा, 5 किलोग्राम वाले छोटू सिलेंडर की कीमत 349 रुपए है। मुंबई में घरेलू सिलेंडर 941.50 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 2,774.50 रुपए में मिल रहा है, जबकि कोलकाता में घरेलू सिलेंडर 968 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 2,964 रुपए का है। रिपोर्ट के मुताबिक तेल कंपनियों द्वारा घरेलू गैस की कीमतों को स्थिर रखने के फैसले से आम उपभोक्ताओं को राहत मिली है। हालांकि लगातार तीन महीने से कमर्शियल गैस की बढ़ती कीमतें कारोबारी खर्चों पर असर डाल रही हैं। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों की समीक्षा करती हैं। इस समीक्षा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों के साथ-साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की विनिमय दर जैसे अहम कारकों को ध्यान में रखा जाता है। चूंकि भारत अपनी एलपीजी की जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए वैश्विक बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ता है।

ट्रायम्फ की नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 मोटरसाइकिल प्रदर्शित

नई दिल्ली ।

ट्रायम्फ ने ईआईसीएमए 2026 में अपनी नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 मोटरसाइकिल प्रदर्शित की। इस मोटरसाइकिल की प्रदर्शन क्षमता और इंजन की प्रतिक्रिया बेहतर होने की उम्मीद है। इस मॉडल में 798 सीसी का नया तीन-सिलेंडर इंजन दिया जाएगा। कंपनी ने इस इंजन को अपने मोटो2 रेसिंग कार्यक्रम के अनुभव के आधार पर विकसित किया है।

स्ट्रीट ट्रिपल श्रृंखला अपनी स्पोर्टी बनावट और तेज रफ्तार के लिए जानी जाती है। नया मॉडल इसी पहचान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 में इंजन के अलावा फ्रेम में भी बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने नया फ्रेम विकसित किया है, जिसका उद्देश्य मोटरसाइकिल की मजबूती और हैंडलिंग को बेहतर बनाना है। इसके साथ डबल-साइडेड स्विंगआर्म दिया गया है। बाइक में अंडरबेली एग्जॉस्ट भी मिलता है, जो इसके डिजाइन को आधुनिक और स्पोर्टी रूप देता है। इन बदलावों से मोटरसाइकिल के संतुलन और नियंत्रण में सुधार की उम्मीद है। 798 सीसी का तीन-सिलेंडर इंजन इस मॉडल की सबसे अहम विशेषता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 772, निफ्टी 210 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 772.75 अंक उछलकर 81,879.40 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 210.40 अंक बढ़कर 25,255.05 पर बंद हुआ। आज बाजार में हर ओर तेजी रही, बैंकिंग शेयरों में सबसे अधिक बढ़त रही। सत्र में निफ्टी बैंक मजबूती के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक में और निफ्टी प्राइवेट बैंक में भी बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो , निफ्टी कंजप्शन , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग , निफ्टी एनर्जी , निफ्टी और निफ्टी मेटल के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर निफ्टी आईटी , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर गिरे हैं। आज लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 496.55 अंक बढकर 519.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 304.30 अंक उछलकर मजबूती के साथ 19,489.35 पर बंद हुा था। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, इंडिगो, ट्रेंट, टाटा स्टील, बीएसई, पावर ग्रिड, आईटीसी, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एसबीआई, भारती



एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, एनटीपीसी, इटरनल, सम फार्मा, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 1,142.03 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,248.68 पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 293.15 अंक उछलकर 25,337.80 पर आ गया।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली।

सोने और चांदी दोनों की कीमतों में बुधवार को तेजी आई। इसी कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर 2026 के वायदा अनुबंध में सोने का भाव 1,41,385 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया, जबकि चांदी की कीमतों में भी तेजी आईई। यह तेजी एक दिन पहले दर्ज की गई गिरावट के विपरीत है, और बाजार में नई हलचल पैदा कर रही है। आज एमसीएक्स पर, सोने के वायदा अनुबंध में 860 रुपये की जोरदार तेजी आई, जिससे इसका भाव 41,385 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसी तरह, चांदी ने भी निवेशकों को आकर्षित किया, जहां एक किलो चांदी का भाव 3,780 रुपये बढ़कर 1,86,356 रुपये पर पहुंच गया। यह वृद्धि घरेलू बाजार में कीमती धातुओं के प्रति मजबूत रुझान को दिखाती है, खासकर वायदा कारोबार में।

दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी बरकारार है। वैश्विक स्तर पर, सोना 21.30 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 4,051.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 1.105 डॉलर की तेजी के साथ 52.33 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वैश्विक स्तर पर बढ़ती कीमतें अक्सर घरेलू बाजार पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। इसके विपरीत राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को सोने का भाव 500 रुपये फिसलकर 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया था। सोमवार को 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस गिरावट ने बाजार में थोड़ी चिंता पैदा की थी, जबकि चांदी की कीमत लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में 1,92,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही थी।

व्हर्लपूल ने अपने घरेलू उपकरणों की कीमतों में की 5 फीसदी की बढ़ोतरी

फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन और अन्य उपकरण खरीदने चुकाने होंगे ज्यादा पैसे

नई दिल्ली।

यदि आप अपने घर के लिए नए घरेलू उपकरण खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपको ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। प्रमुख घरेलू उपकरण निर्माता कंपनी व्हर्लपूल ने अपने सभी उत्पादों की कीमतों में 5 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा की है, जो 1 नवंबर, 2026 से लागू हो चुकी हैं। कंपनी ने इस वृद्धि के पीछे कई प्रमुख कारण बताए हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भू-राजनीतिक तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जिसने कच्चे माल की लागत बढ़ा दी है। इसके अलावा, कमोडिटी की महंगाई, भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट और बढ़ती उत्पादन लागत ने भी कंपनी के मार्जिन पर दबाव डाला है।

व्हर्लपूल ने बताया कि रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर से जुड़े नए ऊर्जा नियमों के कारण भी खर्च में वृद्धि हुई है, साथ ही लक्जरी प्रोडक्ट रेंज की लॉन्चिंग पर किए गए निवेश का असर भी कीमतों पर पड़ा है। इस बढ़ोतरी का मतलब है व्हर्लपूल के फ्रिज, एयर कंडीशनर, वॉशिंग मशीन और अन्य घरेलू उपकरण खरीदने के लिए ग्राहकों को अब पहले की तुलना में ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के दौरान घरेलू उपकरणों की खरीदारी बढ़ने की उम्मीद रहती है, जिससे उपभोक्ताओं के बजट पर सीधा असर पड़ेगा। यह केवल व्हर्लपूल तक ही सीमित नहीं है।

दिग्गज वैश्विक बैंक बांग्लादेश से समेट रहे अपना रिटेल कारोबार

देश में बैंकिंग ऋणों का करीब एक-तिहाई हिस्सा नॉन-परफॉर्मिंग लोन बन चुका

ढाका।

एचएसबीसी के बाद अब स्टैंडर्ड चार्टर्ड जैसे दिग्गज वैश्विक बैंकों ने बांग्लादेश से अपना रिटेल कारोबार समेटने का फैसला लिया है। यह कदम देश के बैंकिंग क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है, जहां विदेशी बैंक छोटे ऋण और क्रेडिट कार्ड जैसे उच्च-लागत, कम-लाभ वाले व्यवसायों से पीछे हट रहे हैं। बांग्लादेश का बैंकिंग सेक्टर इस समय गहरे संकट से जूझ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह क्षेत्र नॉन-परफॉर्मिंग लोन (एनपीए), पूंजी की कमी, कमजोर कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कई अनियमितताओं की समस्याओं से घिरा हुआ है।

साल 2026 में देश के कुल बैंकिंग ऋणों का करीब एक-तिहाई हिस्सा नॉन-परफॉर्मिंग लोन बन चुका है, जिसका अर्थ है कि बैंकों द्वारा दिया गया लगभग 33फीसदी कर्ज वापस मिलने की कगार पर नहीं है। देश के बैंकिंग सिस्टम में राजनीतिक प्रभाव में बांटे गए असुरक्षित लोन, भाई-भतीजावाद और बड़े डिफाल्टरों पर सख्त कार्रवाई न होने जैसे मामलों के कारण विश्वसनीयता में कमी आई है। ऐसे अस्थिर और जोखिम भरे माहौल में वैश्विक बैंक काम करने से बचते हैं। जानकारों के मुताबिक यह सिर्फ बांग्लादेश तक सीमित नहीं है, बल्कि ये बैंक वैश्विक स्तर पर अपनी पूंजी उन चुनिंदा बाजारों में लगा रहे हैं जहां उन्हें कम जोखिम में ज्यादा रिटर्न मिले।



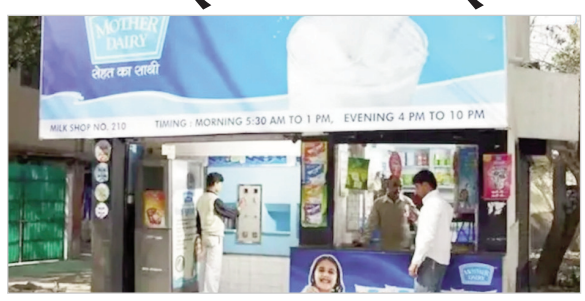
अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने बांग्लादेश को अपनी बैंकिंग व्यवस्था में पारदर्शिता और वित्तीय स्थिरता में सुधार करने की सलाह दी है। दो बड़े अंतर्राष्ट्रीय बैंकों का एक साथ देश के रिटेल सेक्टर से हटना विदेशी निवेशकों और वैश्विक बाजारों में गलत मैसेज जाता है, जिससे बांग्लादेश की साख को नुकसान पहुंच सकता है। हालांकि जानकारों का मानना है कि इन विदेशी बैंकों के पीछे हटने से बांग्लादेश के मजबूत स्थानीय बैंक रिटेल ग्राहकों और क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो को खरीदकर अपना दायरा बढ़ा सकते हैं।

मदर डेयरी के दूध की कीमतें बढ़ीं, उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ

नई दिल्ली ।

देश की राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्रों में दूध की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने बढ़ती लागत का हवाला देकर अपने विभिन्न प्रकार के दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की घोषणा की है। ये नई दरें 12 नवंबर, गुरुवार से प्रभावी होंगी। कंपनी ने कदम किसानों से दूध की खरीद कीमतों में हुई वृद्धि के कारण उठाया है, जिसका कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है। सूत्रों ने जानकारी दी कि मदर डेयरी अपनी बिक्री आय का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 75-80 प्रतिशत, दूध उत्पादक किसानों को देती है। यह बढ़ोतरी कंपनी द्वारा पहले मई 2026 और अप्रैल 2025 में की गई मूल्य वृद्धि के बाद हुई है।

मदर डेयरी के प्रवक्ता ने हालांकि इस मामले पर टिप्पणी करने से इंकार किया है। ताजा संशोधन के बाद, प्रमुख किस्मों की कीमतें इस प्रकार होंगी- टोंड दूध (थोक वितरण) 58 रुपए से बढ़कर 60 रुपए प्रति लीटर, फुल क्रीम दूध (पाउच) 72 रुपए से



बढ़कर 76 रुपए प्रति लीटर, टोंड दूध (पाउच) 60 रुपए से बढ़कर 62 रुपए प्रति लीटर, डबल टोंड दूध 54 से बढ़कर 56 रुपए प्रति लीटर और गाय का दूध 62 से बढ़कर 65 रुपए प्रति लीटर हो जाएगा। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रतिदिन करीब 35 लाख लीटर दूध की आपूर्ति करती है, जबकि देश भर में इसकी कुल दैनिक बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है।

दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में गिरावट, भारत में नहीं आया बदलाव

मुम्बई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में जमकर गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के बेहद करीब आ गया है, जिससे दुनिया भर में पेट्रोल की औसत कीमतें 150 रुपये प्रति लीटर से नीचे आ गई हैं। वहीं इसके विपरीत डीजल की कीमतों में बढ़त आई है। दूसरी ओर भारत की बात करें तो कीमतों में बदलाव नहीं आया है। आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया में पेट्रोल की औसत कीमत जहां 150 रुपये प्रति लीटर से नीचे आ गई है, वहीं डीजल की औसत कीमत 158.73 रुपये से बढ़कर 159.05 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके मुकाबले, भारत में पेट्रोल का औसत रेट लगभग 108 रुपये प्रति लीटर और डीजल का 98.10 रुपये प्रति लीटर है।दुनिया भर के विभिन्न देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी अंतर देखने को मिलता है। वेनेजुएला में एक लीटर डीजल लगभग 40 पैसे और पेट्रोल 3.31 रुपये में उपलब्ध है। लीबिया में 2.21 रुपये प्रति लीटर के साथ दुनिया का सबसे सस्ता पेट्रोल मिलता है। वहीं, हांगकांग में 419.25 रुपये प्रति लीटर के साथ दुनिया का सबसे महंगा पेट्रोल बिकता है, जबकि डीजल 458 रुपये प्रति लीटर है।

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स की बंपर कमाई, वित्तीय साल 26 में कमीशन 16,551 करोड़

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स की कमीशन से होने वाली कमाई में वृद्धि जारी है, भले ही शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा हो और निवेशकों के बीच डायरेक्ट म्यूचुअल फंड प्लान की लोकप्रियता बढ़ी हो। वित्त वर्ष 2025-26 (वित्तीय साल 26) में, देश की शीर्ष 10 म्यूचुअल फंड कंपनियों ने डिस्ट्रीब्यूटर्स को कुल 16,551 करोड़ रुपये का कमीशन दिया। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष (वित्तीय साल 25) के 14,797 करोड़ रुपये के मुकाबले 12 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दिखाता है, जो एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) की वृद्धि पर दबाव के बावजूद दर्ज किया गया।

म्यूचुअल फंड कंपनियां अपने डिस्ट्रीब्यूटर्स को उनके द्वारा जुटाए गए और फंड में बने रहने वाले निवेश के आधार पर कमीशन देती हैं, जिसकी दरें विभिन्न स्कीमों के अनुसार अलग-अलग होती हैं। देश की सबसे बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनियों में से एक, एसबीआई म्यूचुअल फंड ने वित्त वर्ष 2026 में कुल 3,159 करोड़ रुपये का कमीशन दिया, जो बीते वित्त वर्ष के मुकाबले 10.7 फीसदी अधिक है। इसमें से 1,605 करोड का कमीशन उसकी स्पॉन्सर बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का कुल कमीशन भुगतान 17.5 फीसदी बढ़कर 2,783 करोड़ हो गया, जबकि उसकी स्पॉन्सर बैंक आईसीआईसीआई बैंक को मिलने वाले कमीशन में 9.1 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 379 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने वित्त वर्ष 2026 में डिस्ट्रीब्यूटर्स को कुल 2,471 करोड़ रुपये का कमीशन दिया।

संतुलित निवेश रणनीति हाइब्रिड,सोना और किस्तों में निवेश

नई दिल्ली ।

वैश्विक अनिश्चितता, बढ़ती तेल कीमतों और बॉन्ड यील्ड में उछाल के मौजूदा दौर में, प्राइवेट वेल्थ ने निवेशकों के लिए संतुलित निवेश रणनीति पेश की है। अपनी रिपोर्ट में, कंपनी ने इक्विटी पोर्टफोलियो में विविधता लाने का सुझाव दिया है। इसके तहत, निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का 40 फीसदी हिस्सा हाइब्रिड और लार्ज कैप रणनीतियों में, 50 फीसदी मिड और स्मॉल कैप शेयरों में, और शेष 10 फीसदी विदेशी शेयरों में लगाने की सलाह दी गई है। बाजार पर न्यूट्रल रुख के बावजूद, कंपनी मिड और स्मॉल कैप शेयरों को प्राथमिकता देना जारी रखेगी है।

निवेश के तरीके पर, रिपोर्ट हाइब्रिड रणनीतियों में एकमुश्त निवेश करने और शुद्ध इक्विटी आधारित योजनाओं में धीरे-धीरे किस्तों (एसआईपी) में निवेश करने की सलाह देती है। यह रणनीति बाजार के ऊंचे स्तरों पर पैसा लगाने के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकती है। जानकारों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। हालांकि, भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी हुई है, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही और निफ्टी 50 कंपनियों का शुद्ध मुनाफा भी सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़ा।

माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ समय के लिए एनवीडिया को पछाड़ा, कारोबार बंद होने तक स्थिति बदली

एआई क्षेत्र में भारी निवेश से मिलने वाले मुनाफे को लेकर निवेशकों में चिंताएं

नई दिल्ली।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े जासूसी विवाद और एआई कारोबार को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार में एनवीडिया का शेयर छह फीसदी से ज्यादा टूट गया, जिसके चलते अमेरिकी तकनीकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए बाजार पूंजीकरण में उसे पीछे छोड़ दिया।

इस दौरान माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। हालांकि, कारोबार बंद होने तक एनवीडिया ने अपनी दूसरी स्थिति वापस हासिल कर ली। जानकारों के मुताबिक निवेशक इस बात को लेकर चिंतित हैं कि जेनसन हुआंग, जो 33 सालों से एनवीडिया का नेतृत्व कर रहे हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में इस्तेमाल होने वाली उन्नत चिप बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है, उनसे जुड़ी यह जांच कंपनी के नेतृत्व और भविष्य की कारोबारी रणनीति पर क्या असर डालेगी। इसके अतिरिक्त, एआई क्षेत्र में भारी निवेश से मिलने वाले भविष्य के मुनाफे को लेकर भी निवेशकों में चिंताएं बनी हुई हैं। इन कारणों से एनवीडिया के शेयरों में बिकवाली तेज हुई है।कारोबार के दौरान एनवीडिया का शेयर छह फीसदी से ज्यादा गिरकर करीब 167.11 डॉलर पर आ गया था। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट का शेयर महज 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ 543.25 डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जिससे वह एनवीडिया से आगे निकल गया। कारोबार खत्म होने पर एनवीडिया का शेयर 5.47 फीसदी की गिरावट के साथ 168.89 डॉलर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, माइक्रोसॉफ्ट का शेयर 2.20 फीसदी गिरकर 533.16 डॉलर पर बंद हुआ। दिन के अंत में, एनवीडिया का बाजार पूंजीकरण करीब 4.07 लाख करोड़ डॉलर रहा, जबकि माइक्रोसॉफ्ट का 3.96 लाख करोड़ डॉलर था।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन के विवाद से कंपनी के शेयरों में आई भारी गिरावट

गिरावट का फायदा माइक्रोसॉफ्ट को मिला, बनी दूसरी सबसे बड़ी वैल्युएबल कंपनी

वाशिंगटन।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के व्यक्तिगत संबंधों की खबरों के बीच कंपनी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार को एनवीडिया के शेयर 6फीसदी से ज्यादा टूट गए, जिससे महज दो कारोबारी सत्रों में कंपनी की मार्केट कैप से करीब 470 अरब डॉलर कम हो गए। शेयरों में इस बड़ी गिरावट का फायदा उठाते हुए माइक्रोसॉफ्ट ने बाजी मार ली और एनवीडिया को पीछे छोड़कर दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई। यह जून 2025 के बाद पहली बार है जब माइक्रोसॉफ्ट ने यह उपलब्धि हासिल की है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जेनसन हुआंग के एक चीनी कारोबारी महिला, एलिस हुआंग के साथ संबंधों ने चीन में एनवीडिया के चिप्स की आपूर्ति को आसान बनाने में भूमिका निभाई। एलिस पर चीन के लिए जासूसी करने के आरोप भी लगे हैं। इस पूरे मामले ने एनवीडिया की कारोबारी साख, अमेरिकी निर्यात नियमों के पालन और कंपनी के नेतृत्व को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एनवीडिया के बोर्ड ने इस विवाद के सामने आने के बाद रविवार को जांच शुरू कर दी है। वहीं, अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या जेनसन हुआंग को किसी विदेशी खुफिया एजेंसी ने निशाना बनाया था। मीडिया रिपोर्ट में जानकारों के मुताबिक फिलहाल निवेशकों की चिंता सिर्फ सीईओ से जुड़े विवाद तक सीमित नहीं है। उन्हें यह भी डर है कि अगर इस मामले में अमेरिकी नियमों के उल्लंघन की बात सामने आती है, तो एनवीडिया के कारोबार पर और प्रतिबंध लग सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जेनसन हुआंग और एलिस हुआंग के संबंधों से चीन में करीब 7.5 अरब डॉलर के एनवीडिया चिप्स की आपूर्ति को मदद मिली।

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी



प्रहलाद सबनानी

भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है।

हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी। इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है।

भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है।

एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है।



केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है।

देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छत्तीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है। जिस प्रदेश की व्यापार एवं उद्योगों की नीतियां, व्यापारियों एवं उद्योगों के अधिक हित में हैं, उन प्रदेशों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित हो रहे हैं। आज भारत का युवा वर्ग अच्छी सरकारी नौकरी की तलाश में अधिक समय व्यतीत करने लगा है इसके कारण 18 से 30 वर्षों की उम्र के युवाओं में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है जबकि 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर बहुत कम है। 30 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही युवाओं को आभास होने लगता है कि अब तो जो भी रोजगार मिले उसे प्राप्त करना ही बेहतर है। इसी प्रकार, लगभग 10वीं कक्षा तक शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है परंतु स्नातक एवं स्नात्तकोतर तक की शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है। क्योंकि, अधिक पढ़ा लिखा वर्ग सरकारी नौकरी ढूंढने में अपना अधिक समय बर्बाद कर देता है। जबकि कम पढ़ा लिखा युवा सरकारी नौकरी के चक्कर से अपने आप को दूर रखते हुए जो भी रोजगार के अवसर उसे प्राप्त होता है उसे स्वीकार कर लेता है। केरल, पंजाब एवं गोवा राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में सरकारी नीतियां ही इसके लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। जबकि, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित हो रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में वातावरण व्यापार एवं उद्योगों के लिए सहायक है। उक्त कारणों के चलते ही भारत का पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग, उत्तरी एवं पूर्वी भाग की तुलना में अधिक तेजी से विकास कर रहा है। भारत की कुल जनसंख्या में से लगभग 60 प्रतिशत नागरिक ही श्रम के रूप में अपनी भागीदारी प्रदान कर रहे हैं जबकि वियतनाम में 70 प्रतिशत, बांग्लादेश में 67 प्रतिशत है। अर्थात, जितने अधिक नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होगा देश के आर्थिक विकास में नागरिकों की भागीदारी उतनी अधिक होगी। हर्ष का विषय है कि भारत के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की श्रम में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। भारत में वर्ष 2011 से वर्ष 2023 के बीच 49.6 करोड़ नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सका है एवं रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं यथा, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण स्वच्छ भारत मिशन, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना, जल जीवन मिशन, दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना, आदि के सफल क्रियान्वयन से यह सम्भव हो सका है। वित्तीय समावेशन की सफलता ने भी इतनी बड़ी संख्या में गरीब नागरिकों को गरीबी रेखा के ऊपर लाए जाने ने अपना योगदान प्रदान किया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने भी इस संदर्भ में गरीब वर्ग की बहुत मदद की है क्योंकि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता राशि अब सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है जिससे इस क्षेत्र में होने वाले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सकी है। भारत में आज, पिछले 12 वर्ष पूर्व की तुलना में, अधिक शांति दिखाई देती है। देश में नागरिकों के बीच अशांति एवं दंगे आदि जैसी कुरीतियां कम हुई हैं। इन परिस्थितियों ने भारत में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। पूरे विश्व में भारत आज सबसे अधिक शांति प्रिय देश माना जा रहा है। इसी का परिणाम है कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष भारत में धन तेरस के पावन पर्व पर कुल 1.2 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्भव हो सका है। देश में एक दिन में ही 50 टन सोने का व्यापार हुआ है। 20,000 करोड़ रुपए की चांदी खरीदी गई है। सोना-चांदी मिलाकर 66,000 करोड़ रुपए की खरीदारी की गई है। एक दिन में ही 5 लाख स्कूटर बिके हैं एवं लगभग एक लाख कारें बिकीं हैं। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष धन तेरस के दिन 20 प्रतिशत अधिक व्यापार हुआ है। दिवाली के पूरे मौसम में इस वर्ष कुल 6 लाख रुपए से 7 लाख करोड़ रुपए के बीच व्यापार होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत में छोटे छोटे अंतराल के बाद एक ऐसा त्यौहार मनाया जाता है जिसके चलते अर्थव्यवस्था में गति आ जाती है। जैसे, त्यौहारों का मौसम नवरात्रि से प्रारम्भ होता है, फिर दीपावली आती है इसके बाद होली आती है, प्रत्येक 3 माह के बाद कोई न कोई बड़ा त्यौहार आता है। इसी कारण से भारतीय अर्थव्यवस्था को त्यौहारी अर्थव्यवस्था का नाम भी दिया जाता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता है। धार्मिक पर्यटन उद्योग भी भारत में तेजी से आगे बढ़ रहा है जो अंततः भारतीय अर्थव्यवस्था को बल दे रहा है। कुछ विशिष्ट नगरों में निर्मित बड़े-बड़े मंदिर उस नगर की पूरी अर्थव्यवस्था को सम्हाल रहे हैं जिससे रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं गरीब नागरिकों की संख्या में लगातार कमी हो रही है।

संपादकीय

आत्मघाती हरकतें

जैसा कि पहले से ही डर भी था दिवाली के बाद देश की राजधानी ही नहीं, दिल्ली से लगते हरियाणा- उत्तर प्रदेश स्थित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में शहरों के गैस चैंबर बनने की खबरें मीडिया में आई हैं। जिसमें सत्ताधीशों की काहिली और नागरिकों के गैर-जिम्मेदार व्यवहार की बराबर की भूमिका रही है। जब वायु प्रदूषण की बात होती है तो सिर्फ दिल्ली की बात होती है, जबकि शेष देश में भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। हमारा गैर जिम्मेदार व्यवहार केवल दिवाली के समय ही नजर नहीं आता, हम चुनाव के दौरान भी स्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मसलों को मुद्दा बनाने की कोशिश नहीं करते। सर्दियों की शुरुआत में मौसमी बदलाव, हवा के प्रवाह में कमी, बढ़ते वाहनों का प्रदूषण, निर्माण कार्य में धूल को लेकर लापरवाही व उद्योगों द्वारा पैदा प्रदूषण मिलकर स्थिति को जानलेवा बना देते हैं। एक बार फिर साबित हुआ कि सत्ताधीश जहरीली हवा से अपने नागरिकों को बचाने में नाकाम रहे हैं। अब तो सवाल प्रदूषण को लेकर सामने आने वाले आंकड़ों की हकीकत को लेकर भी उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पिछले पांच सालों में इस बार सबसे ज्यादा प्रदूषित दिवाली रही है। लेकिन वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आए हैं। कहा गया कि प्रदूषण के चरम समय के दौरान दिल्ली के बीस से अधिक मॉनिटरिंग स्टेशनों से डेटा भेजना बंद कर दिया गया। जिससे सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठे हैं। बताया गया कि प्रदूषण मापने वाले काफी स्टेशन काम नहीं कर रहे थे। ऐसे में जब लाखों लोग अपने सेहत को लेकर इन आंकड़ों पर निर्भर रहते हैं, तो सरकारी-निजी प्लेटफॉर्मों के आंकड़ों के अंतर ने जनता के संदेह को गहरा किया है। इसकी जवाबदेही के लिए जांच जरूरी है। विडंबना यह है कि इस आपात स्थिति में राजनीतिक दल बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। फलतः इस जहरीली हवा में लोगों का दम घुटता है।

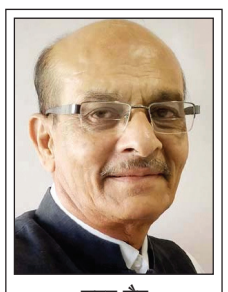
एक ओर जहां 'आप' दिल्ली की भाजपा सरकार पर नियमों को ठीक से लागू न करने व प्रदूषण आंकड़ों में हेराफेरी का आरोप लगा रही है। वहीं भाजपा 'आप' शासित पंजाब में पराली जलाने को प्रदूषण का कारण बता रही है। तात्कालिक कारकों को नजरअंदाज कर भी दें, लेकिन वाहनों, उद्योगों और कृषि से होने वाले उत्सर्जन की पारदर्शी-नियमित निगरानी जरूरी है। प्रशासन स्वास्थ्य से जुड़ी सलाहों को प्रभावी बनाए ताकि बच्चों-बुजुर्गों और श्वसनतंत्र से जुड़े रोगों से जूझ रहे लोगों को राहत मिले । सालों से हम राजनीतिक नौटंकी, बहानेबाजी व कामचलाऊ उपायों को देख रहे हैं। लेकिन मिलजुलकर ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। आखिर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बावजूद प्रशासनिक तंत्र क्यों नहीं जागता? नागरिक भी पर्यावरण रक्षा के लिये अपनी हिस्से की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाते? बेहतर हो कि हम पर्व पर पटाखे प्रतीकात्मक रूप में ही जलायें। किसी उत्सव को मनाने के तौर-तरीके समाज ही बनाता है। जिसमें समय-हालात के हिसाब से बदलाव भी होता है। लेकिन हम आतिशी जिद में अपने व लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। विदेशों में भारत की छवि खराब कर रहे हैं। फिर यह आत्मघाती कवायद क्यों? चिकित्सा विशेषज्ञ बताते हैं कि यदि एक्यूआई तीन सौ होता है तो हमारी उम्र साढ़े तीन साल तक घट सकती है। जिन बच्चों के फेफड़े विकसित हो रहे हैं और बुजुर्गों के लिये यह स्थिति चिंताजनक है। सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों और कमजोर फेफड़ों वाले मरीजों के लिये यह स्थिति बेहद घातक हो जाती है। सरकारों की तरफ से स्पष्ट गाइडलाइन्स होनी चाहिए कि ऐसे में लोगों को क्या करना चाहिए, कहां रहना चाहिए, बाहर निकलने पर कौन सा मास्क पहनना चाहिए। लेकिन ध्यान रहे मास्क या प्यूरीफायर भी बेहद खराब स्थिति में काम नहीं करते। यही वजह है कि सांस व फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों वाले मरीजों की संख्या ओपीडी में तेजी से बढ़ रही है। शिकागो यूनिवर्सिटी के ईपीआईसी के शोधकर्ताओं ने चेताया है कि भारत में प्रदूषण के कारण लोगों की उम्र नौ साल तक घट सकती है। सही मायने में सरकार ही नहीं, हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिये अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

सूक्ति

स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है।
- विनोबा भावे

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।
- कहावत

संविधान से ऊपर कोई नहीं, नियम और कानून चुनाव आयोग पर भी लागू



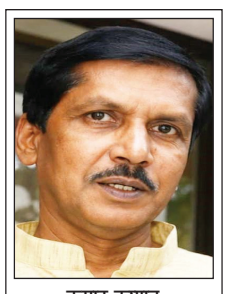
सनत जैन

लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील होती है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराना उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। चुनाव आयोग को यह अधिकार इसलिए दिया गया है, वह सरकार, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के दबाव से मुक्त रहकर चुनाव प्रक्रिया संचालित करे। जब कोई संवैधानिक संस्था अपनी शक्तियों की सीमाओं को भूलकर स्वयं ही नियम बनाने, बदलने और लागू करने लगे, तब उसके अधिकारों और जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अगले वर्ष पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले केंद्रीय चुनाव आयोग ने गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के आचार संहिता नियमों में परिवर्तन किया है। नियमों में जो परिवर्तन किया गया है, उसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गये हैं। सेवानिवृत्ति के बाद दोबारा नियुक्त सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के राजनीतिक दलों अथवा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने तथा चुनाव अधिकारियों के साथ बैठकों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लेने पर रोक लगाई गई है। इस आदेश ने एक नई संवैधानिक बहस तेजी से शुरू कर दी है। सरकार के विभिन्न विभागों, आयोगों और संस्थानों में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को दोबारा नियुक्त किया जाता है। इस सरकार में सेवानिवृत्ति के बाद सबसे ज्यादा कर्मचारियों की फौज है। सेवानिवृत्ति के बाद उनकी राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों पर कौन-सी कानूनी पाबंदियां लागू होंगी, यह संबंधित सेवा नियमों और कानूनों से निर्धारित होता है। चुनाव आयोग चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए निर्देश अवश्य दे सकता है, क्या उसे मौजूदा कानूनों और सेवा नियमों से आगे जाकर नई पाबंदियां लगाने का अधिकार है? इसको लेकर नया बवाल शुरू हो गया है।

संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत चुनाव आयोग को चुनावों के संचालन और नियंत्रण की जिम्मेदारी दी गई है। इसका अर्थ यह नहीं है, आयोग संसद द्वारा बनाए गए कानूनों और संविधान की सीमाओं से स्वतंत्र होकर मनमाने तरीके से काम का अधिकार रखता है। चुनाव आयोग की शक्तियां भी संवैधानिक और कानूनी मर्यादाओं के अधीन हैं। यदि किसी नए प्रतिबंध के लिए कानून या नियम में संशोधन आवश्यक है, तो निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन चुनाव आयोग द्वारा किया जाना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव प्रक्रिया, निर्वाचन अधिकारियों के अधिकारों, चुनावी आंकड़ों और आयोग के पोर्टल तथा सॉफ्टवेयर के संचालन को लेकर भी अनेक सवाल उठे हैं। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग व्यवस्थाओं और नियमों को लेकर पारदर्शिता की मांग सभी राजनीतिक दलों द्वारा की जा रही है। ऐसे समय में आयोग की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। वह प्रत्येक निर्णय का कानूनी आधार सार्वजनिक करे, उठाए गए सवालों का तथ्यों के साथ जवाब दे। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता लोकतंत्र की ताकत है। स्वतंत्रता का अर्थ जवाबदेही से मुक्ति नहीं है। यदि किसी संवैधानिक संस्था के निर्णयों की समीक्षा और उनके औचित्य पर सवाल उठने लगे तो लोकतंत्र की व्यवस्था कमजोर होना तय है। लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कम या खत्म होने लगता है।

आज सबसे बड़ा सवाल यही है, चुनाव आयोग को नियमों का पालन कराने वाली संस्था बने रहना है, या स्वयं नियमों से ऊपर समझने वाली संस्था बनना है। गणेश भगवान की तरह प्रथम पूजनीय होने का अर्थ यह नहीं है, कोई संस्था संविधान से ऊपर जाकर अपनी पूजा कराने लगे। लोकतंत्र में संसद, न्यायपालिका, कार्यपालिका और चुनाव आयोग सभी की अपनी-अपनी संवैधानिक सीमाएं हैं। इन सीमाओं का सम्मान, एवं जवाबदेही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है। चुनाव आयोग को अपने प्रत्येक आदेश का कानूनी आधार लागू करने के पहले स्पष्ट करना चाहिए। राजनीतिक दलों, सरकार और आम जनता को हर फैसले में विश्वास में लिए जाने की जरूरत है। निष्पक्ष चुनाव केवल मतदान कराने से सुनिश्चित नहीं होते, बल्कि निष्पक्षता, पारदर्शिता, समान नियम और जवाबदेही से सुनिश्चित होते हैं। चुनाव में सभी पक्षों का विश्वास चुनाव आयोग के ऊपर हो। संविधान सर्वोच्च है और उसकी मर्यादा का पालन करना चुनाव आयोग सहित प्रत्येक संवैधानिक संस्था की अनिवार्य जिम्मेदारी है। आश्चर्य होता है कि इतने बड़े विवाद के बाद भी चुनाव आयोग अभी भी अपनी मन मर्जी से नियम, कानून और संविधान की अनदेखी करके मनमाने निर्णय ले रहा है। चुनाव आयोग के कारण अब न्यायपालिका से भी लोगों का विश्वास घटने लगा है। चुनाव आयोग ने अभी शपथ पत्र के जरिए जो जवाब दिया है वह अपने आप में विरोधाभासी है, जिसके कारण न्यायपालिका की छवि भी प्रभावित हो रही है।

जलवायु संकट का असली चेहरा : किसकी जिंदगी, किसकी आजीविका?



कुमार कृष्णन

जलवायु परिवर्तन की सबसे भयावह तस्वीर केवल पिघलते हिमखंडों, सूखती नदियों या जंगलों में लगी आग में नहीं दिखती। वह उस मजदूर के शरीर पर भी दर्ज होती है, जो दोपहर की झुलसाती धूप में काम करने को मजबूर है; उस किसान की चिंता में भी, जिसकी फसल मौसम की अनिश्चितता से जूझ रही है; और उस बुजुर्ग की सांसों में भी, जिसके लिए बढ़ती गर्मी अब महज असुविधा नहीं, जानलेवा खतरा बनती जा रही है। धरती का बढ़ता तापमान अब केवल पर्यावरण का सवाल नहीं है। यह स्वास्थ्य, रोजगार, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक न्याय का संकट है। असली सवाल है कि गर्म होती धरती पर सबसे पहले किसका जीवन और किसकी आजीविका संकट में पड़ रही है?

तुर्किये के अंताल्या में 9 से 20 नवंबर 2026 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-31 इसी सवाल की कसौटी है। दुनिया के देश इस सम्मेलन में उत्सर्जन में कटौती, जलवायु अनुकूलन, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग पर विचार कर रहे हैं। जलवायु अनुकूल शहर, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और आपदाओं का सामना करने में सक्षम स्वास्थ्य प्रणालियां भी इसकी प्राथमिकताओं में हैं। लेकिन इस वैश्विक विमर्श की सबसे बड़ी चुनौती है कि जलवायु परिवर्तन से प्रभावित आम लोगों की जिंदगी को नीतियों और समझौतों के केंद्र में कैसे लाया जाए।

कॉप-31 में भारत का उद्घाटन वक्तव्य इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत ने जलवायु बहुपक्षवाद और समानता तथा साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों एवं संबंधित क्षमताओं यानी सीबीडीआर-आरसी के सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव नरेंद्र भूषण ने भारत का पक्ष रखते हुए निष्पक्ष, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी परिणाम का आह्वान किया। भारत ने जी-77 और चीन, एलएमडीसी तथा बेसिक समूहों के वक्तव्यों के साथ अपनी सहमति जताई। उसने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय और पेरिस समझौते को ऐसा समावेशी मंच बताया, जहां प्रत्येक देश की आवाज सुनी जा सकती है।

भारत ने सम्मेलन की अध्यक्षता के लिए तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया के प्रयासों की सराहना करते हुए संवाद, आम सहमति और कार्रवाई पर आधारित कार्यान्वयन-केंद्रित दृष्टिकोण का स्वागत किया। यह दृष्टिकोण इसलिए महत्वपूर्ण है कि जलवायु वार्ताओं में घोषणाओं और जमीन पर वास्तविक कार्रवाई के बीच अक्सर लंबी दूरी दिखाई देती है। संवाद से विश्वास पैदा होता है, आम सहमति से सामूहिक जिम्मेदारी तय होती है और कार्रवाई से वादे वास्तविक प्रगति में बदलते हैं। लेकिन इनकी सार्थकता तभी है, जब जलवायु संकट का सामना कर रहे कमजोर समुदायों तक उसका लाभ पहुंचे।

वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य गंभीर दबाव में है। इसके पार जाने की आशंका केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत नहीं है। इससे गर्मी, सूखा, बाढ़ और चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ेगा। ऐसे में समानता का महत्व और बढ़ जाता है। जिन देशों का ऐतिहासिक उत्सर्जन में योगदान अपेक्षाकृत कम रहा है, वे अक्सर जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम झेल रहे हैं। इसलिए सभी देशों से समान प्रकार की जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा न्यायसंगत नहीं हो सकती। जलवायु न्याय का तकाजा है कि जिम्मेदारियों का निर्धारण ऐतिहासिक उत्सर्जन, आर्थिक क्षमता और विकास संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर हो।

लैंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट संकट की मानवीय कीमत सामने रखती है। इसके अनुसार, 2016 से 2025 के दौरान गर्मी से संबंधित वार्षिक मौतों में लगभग 36 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2023 में दुनिया भर में गर्मी से जुड़ी करीब 7.1 लाख मौतों का अनुमान लगाया गया, जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक मौतें मानवजनित जलवायु परिवर्तन से बढ़े तापमान से जुड़ी थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में दुनिया की 60.7 प्रतिशत भूमि पर कम-से-कम एक महीने तक अत्यधिक सूखे की स्थिति रही। यह 1951-1960 के औसत से 299 प्रतिशत अधिक थी। सूखा केवल पानी की कमी नहीं पैदा करता, बल्कि खेती, पेयजल, पोषण और ग्रामीण आजीविका को भी प्रभावित करता है।

भारत में इस संकट की आर्थिक और सामाजिक कीमत विशेष रूप से गंभीर है। लैंसेट काउंटडाउन की 2025 की भारत-विशिष्ट रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में अत्यधिक गर्मी के कारण देश में 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट हुए। इनमें लगभग दो-तिहाई नुकसान कृषि क्षेत्र और करीब पांचवां हिस्सा निर्माण क्षेत्र से जुड़ा था। गर्मी के कारण काम करने की क्षमता में आई कमी से संभावित आय का नुकसान 194 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया। यह वास्तविक वेतन कटौती नहीं, बल्कि प्रभावित श्रम क्षमता की अनुमानित आर्थिक कीमत है। फिर भी यह आंकड़ा बताता है कि गर्मी का संकट अर्थव्यवस्था के सबसे कमजोर श्रम समूहों को किस हद तक प्रभावित कर रहा है।

इन आंकड़ों के पीछे उन परिवारों की कहानी है, जिनकी आमदनी घटती है, बचत इलाज में खर्च होती है और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। दिहाड़ी मजदूर के लिए तेज गर्मी में काम रोकना आसान नहीं है। काम छोड़े तो कमाई बंद, जारी रखे तो निर्जलीकरण, लू और तापाघात का खतरा। उसके सामने कई बार स्वास्थ्य और भूख के बीच चुनाव करने की मजबूरी होती है। वातानुकूलित दफ्तर में काम करने वाले व्यक्ति और खुले आसमान के नीचे सड़क बनाने वाले मजदूर के लिए एक ही तापमान का अर्थ अलग-अलग है। रिक्शा चालक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, निर्माण मजदूर और खेतिहर श्रमिकों के पास गर्मी से बचने के पर्याप्त साधन नहीं होते। जलवायु संकट पहले से मौजूद आर्थिक असमानता को और गहरा करता है।

बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों के लिए अत्यधिक गर्मी विशेष खतरा पैदा करती है। लैंसेट काउंटडाउन के अनुसार, 2021 से 2025 के दौरान भारत में 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मौतों का वार्षिक आर्थिक मूल्य 33.8 अरब डॉलर आंका गया। यह 2000-2004 की तुलना में 205 प्रतिशत अधिक था। जीवन और मानवीय पीड़ा को आर्थिक मूल्य में पूरी तरह नहीं आंका जा सकता, लेकिन ये आंकड़े स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने खड़ी चुनौती का पैमाना जरूर बताते हैं।

जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण का संबंध भी गंभीर है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल से हरितगृह गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है और वायु प्रदूषण भी पैदा होता है। इसका असर सांस संबंधी बीमारियों और हृदय रोगों के रूप में सामने आता है। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव केवल जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने का उपाय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरत भी है। हालांकि ऊर्जा परिवर्तन की कीमत गरीब और विकासशील देशों पर डालना उचित नहीं होगा। उन्हें आवश्यक वित्तीय और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराना विकसित देशों की जिम्मेदारी है। भारत ने कॉप-31 में जलवायु वित्त के इसी पक्ष को प्रमुखता दी है। उसका कहना है कि विकासशील देशों में जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देने और उनकी कमजोरियों को दूर करने के लिए विकसित देशों से मिलने वाला सार्वजनिक वित्त केंद्रीय भूमिका निभाता है। पेरिस समझौते का अनुच्छेद 9.1 विकसित देशों पर यह दायित्व निर्धारित करता है कि वे विकासशील देशों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराएं। यह प्रावधान महज कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जलवायु न्याय की बुनियादी शर्त है। अनुकूलन, आपदा प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए विकासशील देशों को पर्याप्त, सुलभ और पूर्वानुमेय वित्त की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये की स्टील फैक्ट्री में धमाका, 17 मजदूरों की मौत: 12 घायल

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये के इजमिर शहर के पास सोमवार को एक स्टील फैक्ट्री में धमाका हुआ। इसमें 17 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। हादसे के समय फैक्ट्री में काम चल रहा था। बीबीसीके मुताबिक, बॉयलर ले जा रही एक क्रेन गैस लाइन से टकरा गई। इसके बाद सामान नीचे लगी भट्ठी में गिरा और जोरदार विस्फोट हो गया। मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय गवर्नर सुलेमान एल्बान ने बताया कि हादसा दोपहर के आसपास हुआ। उस समय क्रेन से एक नया बॉयलर ले जाया जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है। फैक्ट्री चलाने वाली कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि हादसा प्लांट की एक इलेक्ट्रिक आर्क भट्ठी में तय रखरखाव के काम के दौरान हुआ। यह फैक्ट्री हबास डेमिर सेलिक कंपनी की है, जो तुर्किये की बड़ी स्टील कंपनियों में शामिल है। राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने सोमवार को कैबिनेट बैठक के बाद हादसे में हुई मौतों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और बचाव दल लगातार राहत और बचाव के काम में जुटे हैं। तुर्किये में काम के दौरान होने वाले हादसे लंबे समय से चिंता का विषय बने हुए हैं। स्वतंत्र सामाजिक संगठन तुर्किश हेल्थ एंड सेफ्टी लेबर वॉच ने भी इसे देश की एक बड़ी समस्या बताया है। जिस फैक्ट्री में हादसा हुआ, वह इजमिर के अलियागा इलाके में है। यह इलाका बड़े बंदरगाह के लिए जाना जाता है। यहां पुराने जहाजों को काटकर कबाड़ में बदलने का काम भी होता है।

मुश्किलों में जेन्सेन हुआंग: एक दिन में 69.5 हजार करोड़ रुपये घटी दौलत

वॉशिंगटन , एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग की संपत्ति में एक ही दिन में 7.4 अरब डॉलर (69.5 हजार करोड़ रुपये) की गिरावट आई है। कंपनी के शेयरों में दबाव के बीच उनकी कुल संपत्ति घटकर 154.7 अरब डॉलर (14.53 लाख करोड़ रुपये) रह गई। इसके साथ ही वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में आठवें स्थान से फिसलकर दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस गिरावट के पीछे कंपनी के सीईओ की निजी जिंदगी से जुड़ा विवाद भी चर्चा में है। हुआंग ने अपनी पत्नी लोरी हुआंग के प्रति बेवफाई की बात स्वीकार की है। हाल ही में एक कारोबारी अधिकारी के साथ उनके संबंधों को लेकर खबरें सामने आई थीं। बताया गया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को संदेह था कि वह अधिकारी चीन के लिए सूचनाएं जुटा रही थी। फोर्ब्स के मुताबिक, नौ नवंबर को कारोबार शुरू होने के शुरुआती आधे घंटे में ही हुआंग की संपत्ति 7.4 अरब डॉलर घटकर 154.7 अरब डॉलर रह गई। इसके बाद वह बर्कशायर हैथवे के प्रमुख वॉरेन बफेट और ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन से भी नीचे आ गए। इससे पहले छह नवंबर को ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स ने हुआंग की संपत्ति 150.9 अरब डॉलर बताई थी। व्यापक तकनीकी शेयरों में बिकवाली के दौरान उनकी संपत्ति में 15.1 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई थी। एनवीडिया ने हुआंग के साथ कथित विदेशी खुफिया गतिविधि से जुड़े मामले की खबरों के बाद स्वतंत्र जांच कराने की घोषणा की है। हुआंग ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में अपनी पत्नी और बच्चों को दुख पहुंचाने के लिए माफी मांगी और जांच में सहयोग करने की बात कही। हालांकि, एनवीडिया के बोर्ड ने कहा है कि उसके पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि कंपनी की गोपनीय जानकारी या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सूचनाओं से समझौता हुआ है। हुआंग फिलहाल कंपनी के प्रमुख बने हुए हैं। एनवीडिया में 3.5 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हुआंग के पास एनवीडिया की 3.5 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। वह कंपनी के सबसे बड़े व्यक्तिगत शेयरधारक हैं। उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा वेतन के बजाय कंपनी में उनकी हिस्सेदारी के मूल्य से जुड़ा है। यही वजह है कि एनवीडिया के शेयरों में उतार-चढ़ाव का असर उनकी कुल संपत्ति पर तेजी से पड़ता है। शेयरों की कीमत बढ़ने पर उनकी संपत्ति में फिर इजाफा हो सकता है, जबकि गिरावट जारी रहने पर उन्हें और नुकसान उठाना पड़ सकता है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जेन्सेन हुआंग के खिलाफ प्रस्तावित क्लास एक्शन मुकदमा दायर किया गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी और हुआंग ने शेयरधारकों को गुमराह किया।

मिडटर्म के झटके के बाद ट्रंप का बड़ा एक्शन, सीनेट से 161 पेंडिंग नियुक्तियों को दी हरी झंडी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सीनेट से 161 पेंडिंग एडमिनिस्ट्रेशन अपॉइंटमेंट्स को कन्फर्म करने में तेजी लाने को कहा है और ऊपरी सदन में क्लीयरेंस का इंतजार कर रहे 25 फेडरल जजों को मंजूरी देने पर खास जोर दिया है. ट्रुथ सोशल पर शेयर की गई एक अपील में ट्रंप ने सांसदों से कहा कि वे एग्जीक्यूटिव और ज्यूडिशियल नॉमिनेशन के बैकलॉग को जल्दी से पूरा करें, ताकि फेडरल एजेंसियों और ज्यूडिशियरी में पूरी ऑपरेशनल कैपेसिटी पक्की हो सके. ट्रंप ने पोस्ट किया, 'अमेरिकी सीनेट के लिए हमारे सभी पेंडिंग 161 नॉमिनेशन, जिसमें 25 फेडरल जज शामिल हैं, को कन्फर्म करना बहुत जरूरी है.

अमेरिकी संविधान के आर्टिकल ढ्ढढ्ढ के तहत कैबिनेट पदों, राजदूतों और फेडरल बेंच के लिए राष्ट्रपति के नॉमिनेशन के लिए उम्मीदवारों को पद



संभालने से पहले सीनेट की सलाह और सहमति की जरूरत होती है. यह तब हुआ जब डेमोक्रेट्स ने हाउस ऑफ रिप्रेज़ेंटेटिव्स और सीनेट दोनों पर फिर से कंट्रोल कर लिया, जिसे बड़े पैमाने पर एक ऐतिहासिक 'ब्लू वेव' कहा गया है, जिसमें लेजिस्लेटिव पावर का बैलेंस पूरी तरह से बदल गया है.

ये नुकसानदायक हार ट्रंप के बाकी प्रेसिडेंशियल टर्म के लिए एक बड़ी रुकावट बन गई है, जिससे पूरी तरह से डेमोक्रेटिक कंट्रोल वाली कांग्रेस एग्जीक्यूटिव ब्रांच को चुनौती देने के लिए तैयार है. रिपब्लिकन को चुनावों में भारी नुकसान होने के साथ कांग्रेस के डेमोक्रेट बड़े पॉलिसी प्रपोजल को आगे बढ़ाने, पिछले एग्जीक्यूटिव एक्शन को वापस लेने और एडमिनिस्ट्रेशन में कड़ी निगरानी जांच शुरू करने के लिए कमर कस रहे हैं.

फिर भी उनकी नई मिली मेजॉरिटी उन्हें बिना किसी रुकावट के लेजिस्लेटिव कंट्रोल नहीं देती है, क्योंकि प्रेसिडेंट के पास एक मजबूत कॉन्स्टिट्यूशनल सेफगार्ड है और वो है वीटो करने की पावर. अमेरिकी संविधान के आर्टिकल ढ्ढ, सेक्शन 7 के तहत, हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट से पास हुए हर लेजिस्लेटिव मेज़र को लागू होने से पहले प्रेसिडेंट के डेस्क तक पहुंचना चाहिए. एग्जीक्यूटिव ब्रांच के पास रविवार को छोड़कर किसी बिल पर साइन करने, फॉर्मल ऑब्जेक्शन के साथ उसे वापस करने या बिना साइन के उसे लागू करने की इजाज़त देने के लिए दस दिन का टाइम होता है. अगर रेगुलर वीटो जारी किया जाता है, तो विवादित बिल राष्ट्रपति की आपत्तियों के साथ अपने मूल सदन में वापस चला जाता है.

रूस: 'यूरोपीय देशों पर हमला का हमारा कोई इरादा नहीं', उप-विदेश मंत्री बोले- हमला हुआ तो जवाब देंगे

मॉस्को , एजेंसी। रूस के उप-विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा है कि रूस का यूरोपीय देशों पर हमला करने का न तो कोई इरादा है, न योजना और न ही इसकी कोई वजह है। यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) द्वारा आयोजित 'यूरोप का सैन्यीकरण : अब आगे क्या?' विषय पर एक गोलमेज चर्चा में



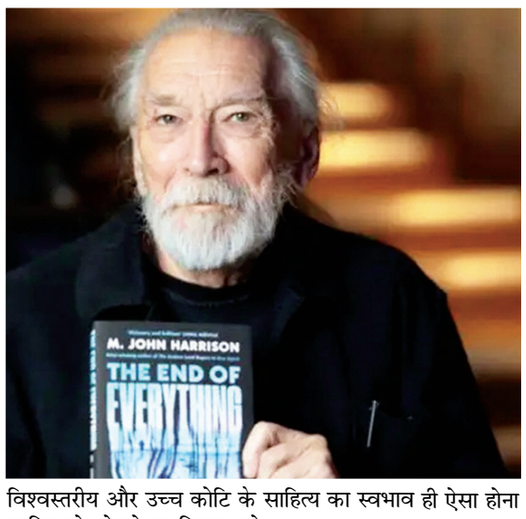
रयाबकोव ने कहा कि पश्चिमी देश यूरोप में सैन्य संघर्ष की आशंका पर इस तरह चर्चा कर रहे हैं, जैसे यह लगभग तय हो और इसे टाला नहीं जा सकता। 'यूरोप को रूस से कोई खतरा नहीं' रूस के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी बयान के मुताबिक, उप-विदेश मंत्री ने कहा कि रूस किसी के लिए खतरा नहीं है और निकट भविष्य या लंबे समय में किसी भी देश पर हमला करने की उसकी कोई योजना नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर रूस पर हमला किया जाता है तो मॉस्को को जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। रयाबकोव ने यह भी कहा कि कुछ यूरोपीय सरकारें रूस-यूक्रेन संघर्ष खत्म करने को लेकर गंभीर नहीं हैं। देशों ने यूक्रेन को उचित समाधान छोड़कर युद्ध का रास्ता चुनने के लिए प्रेरित किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, रूस और यूरोप के संबंधों के भविष्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मॉस्को को उम्मीद है कि देर-सवेर यूरोपीय देश समानता, साझा सुरक्षा, व्यावहारिक सोच और एक-दूसरे के हितों का सम्मान करने के आधार पर रूस के साथ बातचीत के लिए तैयार होंगे।

81 साल के एम. जॉन हैरिसन ने जीता बुकर प्राइज : द एंड ऑफ एवरीथिंग के लिए मिला सम्मान, उम्रदराज विजेता बने

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश साहित्य के जाने-माने लेखक एम. जॉन हैरिसन ने अपने उपन्यास 'द एंड ऑफ एवरीथिंग' (ञ्जद्धद्ब श्वठ्ठस्र श्रद्ध श्व1द्दह4ह्लद्धद्बठ्ठद्द) के लिए प्रतिष्ठित बुकर प्राइज जीत लिया है। 81 वर्ष की उम्र में यह ऐतिहासिक सम्मान हासिल करने के साथ ही हैरिसन बुकर प्राइज के इतिहास में सबसे उम्रदराज विजेता बन गए हैं। सोमवार को लंदन में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें ट्रॉफी और 50 हजार पाउंड (लगभग 53 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। हैरिसन पिछले करीब छह दशकों से साहित्य सृजन में सक्रिय हैं और वैश्विक स्तर पर गंभीर पाठकों के बीच उनका एक खास मुकाम रहा है। 'द एंड ऑफ एवरीथिंग': रहस्यमयी आपदा के बाद बदलते समाज का ताना-बानाकथानक का दायरा: यह उपन्यास एक ऐसे काल्पनिक और झकझोर देने वाले ब्रिटिश समाज की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो एक अज्ञात व रहस्यमयी आपदा के बाद पूरी तरह बदल चुका है। समीक्षकों की रायः किताब को लेकर पाठकों और आलोचकों के बीच रोचक बहस देखने को मिली है। एक प्रमुख समीक्षक ने इसे 'उदास लेकिन बेहद शानदार' और 'सपने जैसा उलझाने वाला' करार दिया है।

जूरी चेयर डेम मैरी बियर्ड की टिप्पणी: 'चुनौतीपूर्ण मगर उम्मीद जगाती किताब'बुकर प्राइज के निर्णायक मंडल (जूरी) की अध्यक्ष डेम मैरी बियर्ड ने पुस्तक के चयन पर प्रकाश डालते हुए कहा:

साहित्यिक गहराई: उन्होंने स्वीकार किया कि यह उपन्यास पाठकों के लिए मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण है, लेकिन



विश्वस्तरीय और उच्च कोटि के साहित्य का स्वभाव ही ऐसा होना चाहिए जो सोचने पर विवश करे।

उम्मीद का संदेश: डेम मैरी ने कहा कि गंभीर और उदास विषय-वस्तु के बावजूद यह किताब पाठक को जीवन को देखने का एक नया नजरिया देती है, चेहरे पर हल्की मुस्कुराहट लाती है और अंत में मन में उम्मीद की एक पुख्ता किरण छोड़ जाती है।

कैलिफोर्निया नाव हादसा: दो मैक्सिकन पायलटों को 70-70 महीने की जेल, दो भारतीय बच्चों समेत 4 की हुई थी मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। दो मैक्सिकन बोट पायलटों को मानव तस्करी के मामले में 70-70 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। इस तस्करी में मई 2025 में कैलिफोर्निया के पास एक नाव पलटने से दो भारतीय बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। 28 साल के जीसस इवान रोड्रिगेज लेवा और 32 साल के जूलियो सीजर जुनिगा लूना को डेल मार के पास



पलटी हुई नाव को चलाने के लिए फेडरल कोर्ट ने सजा सुनाई। मारे गए भारतीय बच्चों की उम्र 14 और 10 साल थी। कैलिफोर्निया के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, बाकी दो मृतक मैक्सिकन वयस्क थे। पायलटों ने माना कि नाव में सुरक्षित क्षमता से कहीं अधिक यात्री सवार थे। नाव में न तो कोई लाइट थी और न ही रेडियो। खतरनाक सफर शुरू करने से पहले ही नाव की मोटर में खराबी आ गई थी, जिससे उन्हें मेक्सिको में अपनी लॉन्च साइट पर लौटना पड़ा। अमेरिकी अटॉर्नी एडम गॉर्डन ने कहा, 'आज की सजा इंसानी जिंदगी से ऊपर लालच को रखने के गंभीर नतीजे दिखाती है।' रोड्रिगेज और जुनिगा ने 14 अप्रैल को अपना अपराध कबूल किया था। उन पर अवैध रूप से लोगों को लाने की कोशिश करने के आरोप थे, जिसके कारण मौतें हुईं।

ट्रंप ने हेगसेथ का किया बचाव, कहा- ईरान और वेनेजुएला में जीते दो युद्ध, अब महाभियोग की बात क्यों?

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ का आलोचना और महाभियोग की बातों के खिलाफ बचाव किया। उन्होंने ईरान और वेनेजुएला में सैन्य जीत का दावा किया, साथ ही यह भी माना कि ऊर्जा की कीमतों को लेकर चिंता उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। व्हाइट हाउस में एक अचानक बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने हेगसेथ को अभियानों का निर्देशन करने का श्रेय दिया और तर्क दिया कि उन्हें उन अभियानों पर कार्रवाई का सामना नहीं करना चाहिए, जिन्हें राष्ट्रपति ने सफल बताया। ट्रंप ने कहा, 'मैं यह कहता हूं, पीट हेगसेथ ने दो युद्ध जीते, और अब लोग कह रहे हैं कि चलो उन पर महाभियोग लगाते हैं।' ट्रंप ने वेनेजुएला ऑपरेशन को 48 मिनट तक चलने वाला बताया और दावा किया कि इसमें कोई मारा नहीं गया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को वहां से बड़ी मात्रा में तेल आपूर्ति मिल रही है और वहां अपनी भागीदारी से पैसा कमा रहा है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि हेगसेथ ने युद्ध जीत लिया है, फिर बाद में कहा कि अभियान अभी भी जीत की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप ने कहा कि ईरान एक समझौता चाहता है और दावा किया कि उसकी नौसेना और वायु सेना नष्ट हो गई है। उन्होंने किसी समझौते के लिए प्रस्तावित शर्तें नहीं बताईं और न ही बातचीत के लिए कोई समय-सीमा दी। उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने को अभियान का मुख्य लाभ बताया। लेकिन उन्होंने माना कि मतदाताओं की ऊर्जा की कीमतों को लेकर चिंता राजनीतिक कीमत वसूल सकती है। ट्रंप ने कहा, 'अब, अल्पावधि में, शायद मेरे लिए बुरा है क्योंकि लोग थोड़ी कम ऊर्जा लागत चाहते हैं। हम इसे वापस नीचे ले आएंगे।' ट्रंप ने यह नहीं बताया कि कीमतें कब गिरेंगी या उनकी सरकार उन्हें नीचे लाने के लिए क्या कदम उठाएगी। हेगसेथ का उनका बचाव काफी हद तक पहले के अमेरिकी युद्धों से तुलना पर आधारित था। उन्होंने वियतनाम, अफगानिस्तान और इराक में परिणामों की आलोचना की और तर्क दिया कि उन संघर्षों में बिना कोई सार्थक लाभ हासिल किए भारी नुकसान हुआ था। ट्रंप ने यह भी सवाल उठाया कि पिछली सैन्य विफलताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को जवाबदेही की समान मांगों का सामना क्यों नहीं करना पड़ा। उन्होंने बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी का जिक्र किया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे गायब हो गए थे।

ईयू रिपोर्ट- फ्रांस प्रदर्शनों में रूस-इजराइल-अमेरिका का दखल

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में महंगाई और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के बीच सोशल मीडिया पर फर्जी पोस्ट और वीडियो फैलाए गए। यूरोपीय संघ की एक आंतरिक रिपोर्ट के मुताबिक, रूस से जुड़े नेटवर्क ने प्रवासियों के खिलाफ नफरत फैलाकर लोगों को भड़काने की कोशिश की। इसके अलावा इजराइल और अमेरिका के 'मागा' (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन से जुड़े अकाउंट्स ने भी प्रदर्शन से जुड़ी गलत जानकारियां फैलाईं।

इनका मकसद फ्रांस सरकार को कमजोर दिखाना था। हालांकि, इन नेटवर्क ने प्रदर्शन शुरू नहीं कराए, बल्कि पहले से चल रहे विरोध का फायदा उठाया। देश में आतंकी हमले होने के झूठे दावे फैलाए रूस से जुड़े नेटवर्क ने सोशल मीडिया पर कई झूठे दावे फैलाए। इनमें कहा गया कि प्रवासी प्रदर्शनकारियों के साथ दुष्कर्म कर रहे हैं और देश में आतंकी हमले हो सकते हैं। इन पोस्ट के जरिए लोगों में डर और प्रवासियों के खिलाफ गुस्सा पैदा करने की कोशिश की गई। फ्रांस के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 16 से 18 अक्टूबर के बीच रूस समर्थक समूहों के सबसे ज्यादा देखे गए 10 पोस्ट को 28 लाख बार देखा गया।

इसी दौरान अमेरिका के 'मागा' आंदोलन से जुड़े लोगों के 10 सबसे ज्यादा देखे गए पोस्ट को 4.9 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया। वहीं, इजराइली अधिकारियों, सरकारी अकाउंट्स और प्रभावशाली लोगों के ऐसे ही 10 पोस्ट को 3.5 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया।

मागा यानी 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अमेरिका का दक्षिणपंथी आंदोलन है, जो राष्ट्रपति ट्रम्प और उनकी राजनीति का समर्थन करता है।

फ्रांस के पीएम ने श्रमिक संगठनों के साथ बैठक की फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने लगातार हो रहे प्रदर्शनों के बीच सोमवार को



उद्योग संगठनों और श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बैठक में लोगों की खरीदने की ताकत बढ़ाने और वेतन से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हुई। सरकार न्यूनतम वेतन में एक बार फिर बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। इसका मकसद महंगाई से परेशान लोगों को राहत देना है। फ्रांस से शुरू हुए प्रदर्शन 31 देशों तक पहुंचे दुनिया भर में हिंसा और विरोध प्रदर्शनों पर नजर रखने वाली संस्था एक्लेड के आंकड़ों के मुताबिक, 15 सितंबर से 30 अक्टूबर के बीच यूरोप के 31 देशों में महंगाई और शिक्षा व्यवस्था को लेकर 1700 से ज्यादा प्रदर्शन हुए। इनकी शुरुआत फ्रांस से हुई थी। फ्रांस में महंगाई और शिक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों का गुस्सा सड़कों पर उतरा। इसके बाद यह विरोध स्पेन और इटली जैसे देशों में भी फैल गया। यहां हजारों लोगों ने महंगे घरों और रोजमर्रा की चीजों की बढ़ती कीमतों के खिलाफ प्रदर्शन किया। यानी लोगों की आर्थिक परेशानियां अब कई देशों में सरकारों के लिए चुनौती बन रही हैं। स्पेन समेत 5 देशों में और तेज हो सकते हैं प्रदर्शन यूरोप के कई देशों में आने वाले दिनों में विरोध बढ़ने के आसार हैं। स्पेन में ट्रेड यूनियनों ने 11 नवंबर को हड़ताल रखी है। वहीं, इटली के सबसे बड़े श्रमिक संगठन ने महंगाई के खिलाफ 20 नवंबर को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। इसके अलावा जर्मनी, पुर्तगाल और अल्बानिया में भी प्रदर्शन तेज हो सकते हैं।

अमेरिका को मजबूत औद्योगिक आधार की जरूरत, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम हो: जेडी वेंस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने महत्वपूर्ण पुर्जों के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) को मजबूत करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी ने आपूर्ति से जुड़े जोखिमों को बढ़ाया था। साथ ही, उन्होंने पूर्व सैनिकों के स्वामित्व वाले अमेरिकी व्यवसायों के लिए अधिक फंडिंग देने का वादा किया। 'नेशनल वेटरन्स स्मॉल बिजनेस वीक' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेडी वेंस ने छोटे उद्यमों के समर्थन को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को एक ऐसे औद्योगिक आधार की जरूरत है, जो उसके सैनिकों को जरूरी चीजें मुहैया करा सके और आर्थिक विकास को बनाए रख सके। वेंस ने कहा कि देश ने दशकों तक इस बात पर बहुत कम ध्यान दिया कि सामान कहां बन रहा है। उन्होंने कहा कि व्यवसायों और नीति-निर्माताओं ने उत्पादों को उनके बनने की जगह से अधिक जरूरी समझा।

उपराष्ट्रपति ने मेक्सिको, चीन और अपने गृहनगर मिडिलटाउन, ओहियो का उदाहरण देते हुए बताया कि इस तरीके में घरेलू उत्पादन के महत्व को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कोविड के दौरान हम सभी ने यह सबक सीखा और सच कहूं तो, हमें यह सबक उससे बहुत पहले ही सीख लेना चाहिए था कि कभी-कभी जब आप महत्वपूर्ण पुर्जों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर होते हैं, तो जरूरत के समय वे हमेशा उपलब्ध नहीं होते। '

वेंस ने कहा कि प्रशासन इस साल पूर्व सैनिकों के स्वामित्व वाले छोटे व्यवसायों को समर्थन देने के लिए करोड़ों डॉलर देगा और आने वाले कुछ वर्षों में यह मदद अरबों डॉलर तक पहुंच सकती है। वेंस ने कहा, 'उनका मानना ??है कि केली लोफ्लर के नेतृत्व में 'स्मॉल बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन' के जरिए पूर्व सैनिकों से जुड़े छोटे व्यवसायों को पहले ही 1.3 अरब डॉलर दिए जा चुके हैं।' हालांकि, उन्होंने इस आंकड़े के लिए कोई समय-सीमा या विस्तृत विवरण नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि इस मदद से व्यवसायों के पास कर्मचारियों को काम पर रखने, उन्हें प्रशिक्षित करने और अपने उत्पादों का विस्तार करने के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा। वेंस ने कहा, 'आप लोग कई मायनों में अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। '

वेंस ने सैन्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में छोटे व्यवसायों के योगदान का जिक्र किया और 'पैट्रियट मिसाइलों' में उनकी भागीदारी का उदाहरण दिया। उन्होंने यह भी बताया कि 1,200 छोटे व्यवसायों ने अमेरिकी सैनिकों के लिए 'साइडआर्म्स' विकसित करने में मदद की है।

उन्होंने तर्क दिया कि ये कंपनियां यह सुनिश्चित करने में मदद करती हैं कि सैन्य कर्मियों के पास ऐसे भरोसेमंद हथियार हों, जिन्हें उनके ही देशवासियों, जिनमें पूर्व सैनिक भी शामिल हैं, ने बनाया हो। उन्होंने कहा कि इन व्यवसायों का समर्थन करना सिर्फ नौकरियों



या आर्थिक उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उससे कहीं बढ़कर है।

वेंस ने पूर्व सैनिकों के स्वामित्व वाले व्यवसायों का समर्थन करने के लिए लोफ्लर और जेपी मॉर्गन चेस को धन्यवाद दिया। उनका परिचय देते हुए, लोफ्लर ने मरीन कॉर्प्स में उनकी सेवा और व्यावसायिक अनुभव का जिक्र किया।

इसी अनुभव का हवाला देते हुए, वेंस ने बताया कि राजनीति में आने से पहले उन्होंने सिनसिनाटी में एक टेक्नोलॉजी इन्वेस्टर के तौर पर काम किया था। उनकी फर्म ने युवा टेक्नोलॉजी कंपनियों को सपोर्ट किया, जिनमें अनुभवी लोगों के स्वामित्व वाले व्यवसाय और हथियारों की सप्लाई चेन में योगदान देने वाली कंपनियां शामिल थीं।

उन्होंने छोटे व्यवसायों के लिए दी जाने वाली सहायता में होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए लोफ्लर के प्रयासों की भी तारीफ की। वेंस ने दावा किया कि महामारी के दौर में फंड जारी होने के बाद धोखाधड़ी में भारी बढ़ोतरी हुई, जिससे असली कंपनियों का पैसा गलत हाथों में चला गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन जांच प्रक्रिया को सख्त कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एसबीए लोन के लिए आवेदन करने वाले लोग इसके योग्य हैं। उन्होंने इन प्रयासों से हुई रिकवरी या बचत के बारे में कोई आंकड़े नहीं दिए।

वेंस ने व्यवसाय मालिकों और कांग्रेस के नेताओं से आग्रह किया कि वे सरकारी सहायता में मौजूद कमियों की पहचान करने में मदद करें। उन्होंने कहा, 'हमें बताएं कि हम अपने समुदायों में पूर्व सैनिकों की ओर से संचालित छोटे व्यवसायों को बेहतर तरीके से कैसे सपोर्ट कर सकते हैं। ' इसके साथ ही, उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रशासन चाहता है कि कंपनियां अपना विस्तार करें, नए लोगों को काम पर रखें और नए उत्पाद विकसित करें, साथ ही देश की आवश्यक वस्तुओं के निर्माण की क्षमता को भी मजबूत करें।

होने वाले बच्चे के विकास पर असर डालता है सीलिएक रोग



सिलिएक रोग एक अनुवांशिक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो बच्चे के विकास को प्रभावित करता है। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं हाई फाइबर का सेवन करें और ग्लूटेन खाने से परहेज करें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को इस रोग का खतरा कम हो सकता है।

सीलिएक छोटी आंत की बीमारी है या कहा जा सकता है कि यह कुछ खानपान से होने वाली एलर्जी है। जब खाना ग्लूटेन से निकलता है, तो यह आपके पाचन तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। सीलिएक रोग एक ऑटोइम्यून रोग है। सीलिएक रोग एक गंभीर रोग है। सीलिएक रोग गर्भवती महिलाओं से उनके होने वाले बच्चे के विकास पर भी असर डालता है। सिलिएक रोग के कारण बच्चे की ग्रोथ रूक जाती है, जैसे बच्चे की लंबाई पर इसका असर देखने को मिलता है। आइए जानते हैं कि क्या है सिलिएक रोग और इसके प्रमुख लक्षण।

क्या है सिलिएक रोग



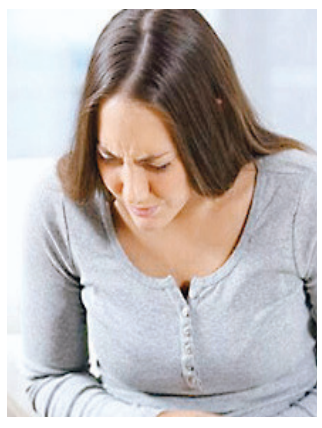
सिलिएक रोग एक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो कि छोटी आंत से जुड़ा रोग है। सीलिएक रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की वजह से होने वाली बीमारी है, जो कि ग्लूटेन खाने की वजह से होती है, जिसमें कि शरीर की रोग प्रतिरोधक्षमता अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ने लगती है और यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह बीमारी गेहूं, जौ, ओट्स और अन्य साबुत अनाजों से होने वाली बीमारी है, क्योंकि गेहूं, जौ एवं ओट्स में ग्लूटेन नामक प्रोटीन पाया जाता है। सिलिएक रोग व्यक्ति की छोटी आंत को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि कई शारीरिक विकार भी पैदा करता है।

गर्भवती महिलाएं बरतें सावधानियां

सिलिएक रोग के लक्षण

सिलिएक रोग मुख्यत: पेट की समस्याओं से जुड़ा है, लेकिन बच्चों में यह रोग उनके शारीरिक विकास पर भी बाधा डालता है। इस रोग के कुछ मुख्य लक्षण हैं जैसे- कब्ज, दस्त, पेट में दर्द या पेट का फूलना, थकान, सिर दर्द, उल्टी आना, बाल झड़ना या शरीर में निशान व दानें आना। इसके अलावा शरीर का वजन कम होना, हड्डियों की बीमारी, खून की कमी और बार-बार गर्भपात भी हो सकता है।

अपने आहार में अनाज के साथ ही फल और सब्जियों को करें शामिल



- गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं यह सावधानी बरतें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से दूर रख, इसके खतरे को कम कर सकती हैं। अध्ययन बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान यदि महिला फाइबर युक्त आहार का सेवन करती है तो वह उसके एवं आने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद होता है।
- गर्भवती महिलाओं को गेहूं के आटे के बजाय बेसन का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ऐसे में आपको अपने आहार में चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, दूध व दूध से बने उत्पाद और फल-सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आप स्वयं व अपने आने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से बचाव कर सकते हैं।
- इसके अलावा साबुदाना की खिचड़ी, सिंगाड़े के आटे से बनने वाली रोटी, चिड़वा, मूंग दाल का हलवा और चीला खा सकते हैं, क्योंकि कई बार गर्भावस्था के दौरान कई कुछ खाने का मन होता है, तो आप चटपटी आलू की टिक्की या घर में बनी मावे की मिठाई व हलवा ले सकते हैं।
- अधिकतर प्रोस्टेट फूड्स में गेहूं, जौ या राई शामिल होता है। इसलिए इस पर लगे लेबल को जरूर देखें कि इसमें ग्लूटेन मात्रा शामिल है या नहीं।

इसके अलावा बियर से भी परहेज बरतें, क्योंकि इसमें भी गेहूं, जौ एवं राई शामिल होता है।

रेसिपी



वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- आलू: 3 (उबले और मैश किए हुए)
- गाजर: 1/2 कप (बारीक कटी हुई)
- मेथी: 1/4 कप
- बीन्स: 3-4 कप (बारीक कटी)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार
- ब्रेड क्रम्स: 1 कप
- तेल: तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार हैं वेजिटेबल फिंगर्स।



हांडी पनीर

सामग्री

- पनीर: 200 ग्राम
- अदरक घिसा हुआ
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- टमाटर:1
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/2 छोटा चम्मच
- काली मिर्च: चुटकीभर
- पानी: 1/2 कप
- प्याज: 3 बारीक कटे
- दही: 1/2 कप
- धनिया: बारीक कटी
- तेल: आवश्यकता के अनुसार
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

हांडी में तेल गर्म होने के लिए रख दें, अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर भुनें। इसके बाद इसमें अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला डाल दें। थोड़ी देर भुनने के बाद इसमें टमाटर, हरी मिर्च डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें दही डालें और उसे तब तक सूखने तक चलाते रहें, इसके बाद इसमें नमक और पानी डालकर उबाल आने तक और पकाएं। अब बारी है इसमें पनीर मिक्स करने की। इसके बाद हरी धनिया डाल दें। सबसे बाद में काली मिर्च डालें और तैयार है आपका हांडी पनीर।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

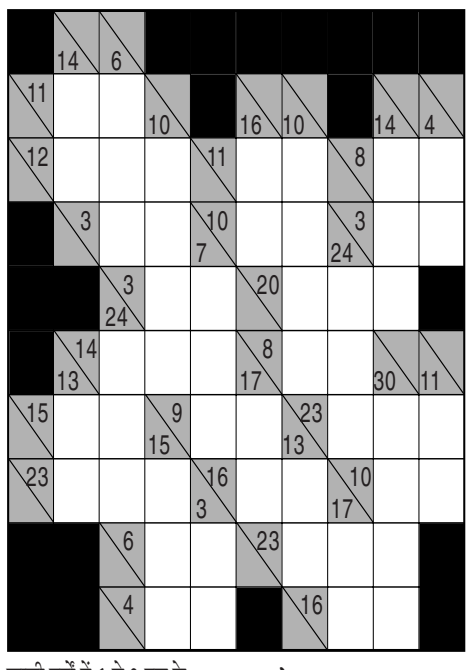
कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

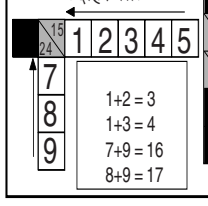
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 2633

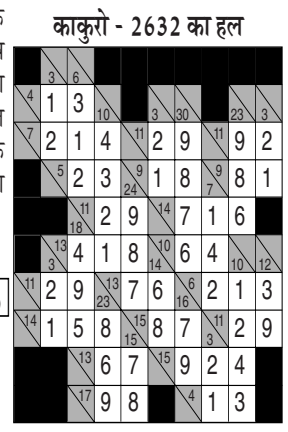


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 2632 का हल



हंसी के फव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

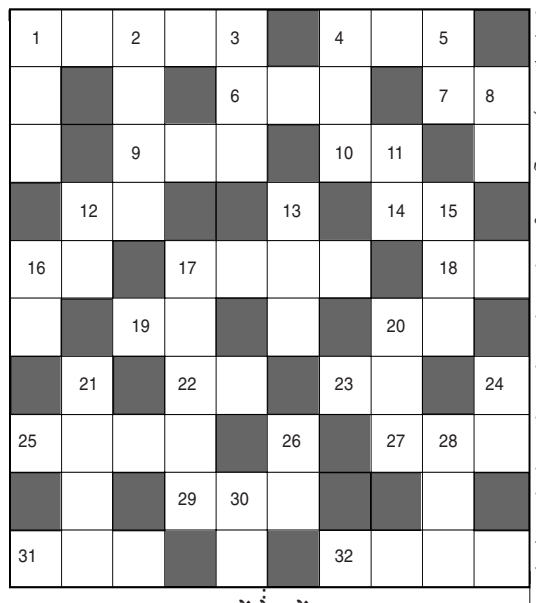
महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2633



ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-३
१६.फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०.संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 2632

ए	क	रि	श्ता		जा	न	की	बा	जी
क		श्ते		आ	न		र्ति		व
बे	या		ल		व	ध		कौ	न
चा		अ	व	ता	र		माँ		यु
रा	जा	जी		ल		रा		यु	द्ध
	नू	त	न		स	नी		गां	
क			म	ह	ल		अ	ध	र्म
वि	ना	श	क		मा	या		र	
ता		मिं		शा		रा	ज		धुं
	मे	ला		दी	वा	ना		क्रो	ध

सूडोकु -2633

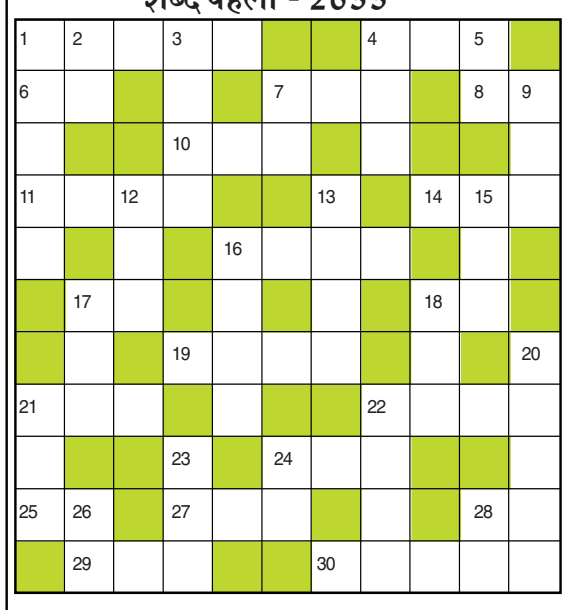
4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2632 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 2633



बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -2632 का हल

	रा	ह	ज	नी		फि	स	ल	ना					
अ		क	हा	र		त	न	य		बु				
ह	क		न	व		र	म		फ	न				
म	म	ता		ता	क	त		चा	त	क				
क	र	त	ब		म		त	ल	वा	र				
			ल	ह	र	दा	र							
ला	व	ज	मा		बं		स	ह	ल	ज				
ज	त	न		म	द	द		म	ग	न				
वा	न		क	न		ह	म		न	म				
ब		त	म	स		ली	ट	र		त				
	मे	ह	रा	ब		ज	र	ब	फ्त					

गुवाहाटी के पास रेल हादसा : इंजन समेत कई डिब्बे पटरी से उतरे

गुवाहाटी, एजेंसी। दिगारू के पास एक बड़ा रेल हादसा हो गया। कोलकाता से सैरंग जा रही कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस (13125) का इंजन समेत कई डिब्बे पटरी से उतर गए। यह घटना सुबह करीब 6:54 बजे हुई, जब ट्रेन के इंजन के साथ लगभग 6 से 7 डिब्बे एक-दूसरे से टकराकर बिखर गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, हालांकि अच्छी खबर यह है कि इस घटना में किसी भी यात्री के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है और रेलवे ने एक रिलीफ ट्रेन भी दुर्घटनास्थल पर भेजी है। पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय प्रशासन की टीमें भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था कर दूसरी ट्रेन से आगे भेजा जा रहा है। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने पुष्टि की कि अभी तक किसी हताहत की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन हादसे के कारण रेल यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है, जिसके चलते कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से लेट चल रही हैं और कुछ ट्रेनों को दूसरे मार्गों पर डायवर्ट किया गया है।

सोनिया गांधी की किताब ने हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया

- वीएचपी ने लगाया आरोप, कांग्रेस नेतृत्व से की माफी मांगने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब बिलोंगिंग-ए जर्नी ऑफ लव के विमोचन के बाद से राजनीतिक गलियारों में विवाद गहरा गया है। विश्व हिंदू परिषद ने सोनिया गांधी से माफी की मांग की है, आरोप है कि उनकी किताब ने हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि कांग्रेस नेतृत्व माफी मांगे, क्योंकि हिंदू समाज अब इस तरह के हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा। वीएचपी के केंद्रीय संयुक्त महासचिव ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी मुसलमानों से जुड़ी घटनाओं पर विशेष चिंता जताती हैं, जबकि हिंदुओं के साथ होने वाली हिंसा पर वह चुप रहती हैं। उन्होंने बाबरी ढांचे के गिराए जाने पर सोनिया गांधी की प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि उस वक्त उनकी आंखों में आंसू थे। हालांकि, उन्होंने कश्मीर में हिंदुओं की हत्याओं और घाटी में मंदिरों को गिराए जाने पर चुप्पी साध रखी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या दिल्ली में गोहत्या-विरोधी आंदोलन के दौरान संतों की हत्या और निहत्थे कार सेवकों की हत्या पर सोनिया गांधी ने दुख जताया था? उन्होंने पूछा कि जब बस्तर में नक्सलियों ने उनकी अपनी ही पार्टी के नेताओं की हत्या कर दी थी, तब क्या उनकी आंखों से आंसू निकले थे? जब पहलगाम में पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, तब क्या वह रोई थीं? ये सवाल सोनिया गांधी की पुस्तक के जरिए हिंदू समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल उठाते हैं।

केरलम में विशेष विधानसभा सत्र की सिफारिश

तिरुवंतनमपुरम, एजेंसी। केरलम सरकार ने 30 नवंबर से 10 दिसंबर तक विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल से सिफारिश करने का फैसला किया है। केरलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने साप्ताहिक मंत्रिमंडल बैठक के बाद बताया कि इस सत्र में लंबित विधेयकों पर विचार किया जाएगा और नए विधेयक पेश किए जाएंगे। मंत्रिमंडल ने कासरगोड और वायनाड जिलों में 400 किलोवोल्ट (केवी) क्षमता वाली बिजली पारेषण लाइनों के निर्माण के संबंध में संशोधित मुआवजा पैकेज पेश करने का भी निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त, अगड़ी जातियों में आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईडब्लूएस) के लिए केरल राज्य आयोग द्वारा सरकार को सौंपी गई सिफारिशों पर तैयार एक रिपोर्ट को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस रिपोर्ट में आयोग की उन सिफारिशों का विवरण है, जिन पर कार्रवाई की जा सकती है या जिन्हें लागू करने की योजना है, साथ ही कुछ सिफारिशों को लागू न कर पाने के कारण भी बताए गए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के बाद भी पटाखों का शोर जारी, एक्यूआई 1000 के पार

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया त्योहार के नाम पर नियमों की अनदेखी नहीं की जा सकती



नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के बाद भी पटाखे चलाने का शोर जारी है, जिससे एक्यूआई कई इलाकों में 1000 से ऊपर पहुंच गया है। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि राजधानी में पटाखे जलाने की तय समय-सीमा अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है और अब पटाखे पूरी तरह बैन हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में केवल 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे के बीच सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी थी, जिसे धार्मिक प्रथा बताया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और किसी भी साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर तब भी पूर्ण प्रतिबंध था। अब हवा जहरीली होती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ देर रात तक और सुबह-सुबह भी पटाखों के फूटने की आवाजें आ रही हैं। इससे उन लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है, जिन्हें सुबह जल्दी काम पर जाना होता है। बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों के लिए यह शोर और भी मुश्किल पैदा कर सकता है। सामान्य नियम के मुताबिक, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है कि त्योहार के नाम पर इन नियमों की अनदेखी नहीं की जा सकती है।

अगर आपके आसपास रात 10 बजे के बाद भी तेज आवाज वाले पटाखे फोड़े जा रहे हैं, तो आप पुलिस की मदद ले सकते हैं। इसके लिए 112 नंबर पर कॉल करें। आप अपनी परेशानी बताएं और उस जगह का पूरा पता दें जहां आतिशबाजी हो रही है। इसके अलावा आप नजदीकी पुलिस स्टेशन में फोन करके सूचना दे सकते हैं या वहां जाकर लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कई शहरों में जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी एजेंसियां भी विशेष हेल्पलाइन या कंट्रोल रूम चलाती हैं। यदि पड़ोसियों से विवाद का डर हो, तो पुलिस को यह बात बताकर अपनी पहचान गोपनीय रखने का अनुरोध कर सकते हैं।

एयर इंडिया की फ्लाइट हाईजैक की धमकी से कोलकाता एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप

- -विमान के वॉशरूम में मिला धमकी भरा नोट, सुबह 11:10 बजे हाईजैक करने की लिखी थी बात; सभी यात्री सुरक्षित

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता से मुंबई जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट में बुधवार को हाईजैक की धमकी मिलने से नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। विमान के वॉशरूम में धमकी भरा नोट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एहतियात के तौर पर विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान के वॉशरूम में मिले नोट में कथित तौर पर लिखा था कि सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर विमान का अपहरण कर लिया जाएगा। उड़ान भरने से पहले ही पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को दे दी। इसके बाद विमान को सामान्य संचालन से अलग कर आइसोलेशन बे में पहुंचाया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर विमान की गहन तलाशी शुरू की गई। अधिकारियों ने सुरक्षा संबंधी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू कर दी है।



अक्टूबर में भी मिला था हाईजैक अलर्ट- एयर इंडिया के विमान को धमकी मिलने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले अक्टूबर में फ्रैंकफर्ट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2030 को भी हाईजैक अलर्ट के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर उतारा गया था। बोइंग 787-9 विमान में उस समय 293 यात्री और चालक दल के 13 सदस्य सवार थे।

सीजेपी नेता दीपके को मिली राहत, व्यक्तिगत पेशी से मिली छूट

नई दिल्ली , एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके को एक महत्वपूर्ण राहत मिली है। उन्हें एक विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने चल रही जांच के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी गई है। यह मामला 16 अक्टूबर को हुए एक विरोध प्रदर्शन से संबंधित है। दीपके मंगलवार को मंदिर मार्ग थाने में पेश नहीं हुए। उनके वकील अभिक चिमनी ने बताया कि खराब स्वास्थ्य के कारण वह व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सके, जिसके बाद मजिस्ट्रेट ने उन्हें यह छूट प्रदान की। इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को निर्धारित की गई है। पिछली सुनवाई के दौरान दीपके के वकील को पुलिस की रिपोर्ट और कानूनी दस्तावेजों की प्रतियां दी गई थीं। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने दीपके को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और उनसे शांति बनाए रखने के लिए एक बॉन्ड भरने को कहा गया था। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कुछ हफ्ते पहले ही दीपके को एक मजिस्ट्रेट द्वारा सशर्त जमानत दी गई थी। उन्हें यह जमानत तब मिली थी जब उन पर पहले भरे गए शांति बॉन्ड का उल्लंघन करने का आरोप लगा था। इस जमानत की एक मुख्य शर्त यह थी कि उन्हें एक साल तक शांति बनाए रखनी होगी और ऐसा कोई काम नहीं करना होगा जिससे शांति भंग हो। अभिजीत दीपके को 16 अक्टूबर को उस समय हिरासत में लिया गया था जब वे लहरा दो तिरंगा अभियान के दौरान मार्च में शामिल होने के लिए कनॉट प्लेस जा रहे थे। दिल्ली पुलिस ने उन्हें इस मार्च में शामिल नहीं होने का नोटिस दिया था, जिसमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा का हवाला दिया गया था। शांति बॉन्ड का उल्लंघन करने के आरोप में उन्हें 17 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी। सूत्रों का कहना है कि दीपके अगली निर्धारित तारीख पर पुलिस के सामने पेश हो सकते हैं।



फोटो खिंचाने में आगे रहने वाले चढ़ावा चोरी पर चुप क्यों?

जयराम ने श्रीराम मंदिर ट्रस्ट, निर्माण और चढ़ावे की व्यवस्था से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच की मांग की



नई दिल्ली , एजेंसी। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मंदिर से जुड़ी व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आरोप लगाया कि मंदिर ट्रस्ट के गठन से लेकर निर्माण, चंदे और चढ़ावे की गिनती तथा उसे बैंक में जमा कराने तक की व्यवस्था में भाजपा, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े लोग प्रभावी भूमिका में रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में चढ़ावे की कथित चोरी की जिम्मेदारी से संबंधित लोग पीछे नहीं हट सकते।

कांग्रेस नेता जयराम ने दावा किया कि वर्ष 2021 में आरएसएस से जुड़े पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह ने चढ़ावे में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। उनके अनुसार, महिपाल सिंह ने कथित चोरी की जानकारी ट्रस्ट से जुड़े चंपत राय और गोपाल राव को दी थी, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय उन्हें ही हटा दिया गया। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि यदि शिकायत पहले ही सामने आ गई थी तो अब तक जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच क्यों नहीं हुई। उन्होंने मंदिर निर्माण से जुड़े इंजीनियर दीनानाथ वर्मा के कथित आरोपों का भी उल्लेख किया। वर्मा ने ट्रस्ट कार्यालय के काम में 40 प्रतिशत कमीशन मांगे जाने का आरोप लगाया था। रमेश ने सवाल किया कि इस मामले में चंपत राय से पूछताछ हुई या नहीं और जिन लोगों पर आरोप लगे, उनमें से कुछ को आरोपी के बजाय गवाह क्यों बनाया गया।

कांग्रेस नेता ने चढ़ावे की गिनती से जुड़े कर्मचारियों और अन्य आरोपियों के कथित राजनीतिक-संगठनात्मक संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच केवल गिरफ्तार कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसी के साथ ही कांग्रेस ने मांग की है कि मंदिर के निर्माण, संचालन और चढ़ावे की पूरी व्यवस्था से जुड़े सभी जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जाए। साथ ही मंदिर के वित्तीय रिकॉर्ड सार्वजनिक करने और दोषी पाए जाने वालों पर कानून के अनुसार कार्रवाई की मांग की गई है। रमेश ने प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की कथित चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि राम मंदिर के नाम पर मिले दान और चढ़ावे का पूरा हिसाब देश के सामने आना चाहिए।

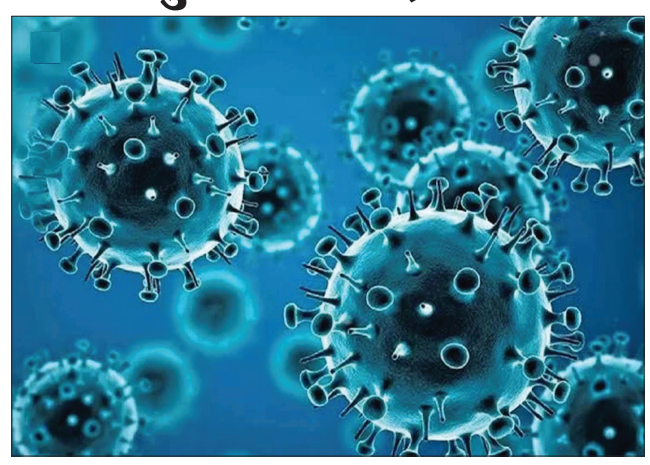
सीएम योगी का विरोधियों पर तंज....पूरे सिस्टम को भ्रष्ट कारनामों से प्रदूषित किया, उनका क्या

लखनऊ,एजेंसी। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवाली पर आतिशबाजी के कारण होने वाले प्रदूषण पर उठ रहे सवालों पर कड़ा रुख दिखाया है। उन्होंने साफ कहा कि दीपावली का प्रदूषण अपने आप समाप्त हो जाएगा, लेकिन जिन्होंने पूरे सिस्टम को भ्रष्ट कारनामों से प्रदूषित किया, उन्हें कोई नहीं पूछता। मुख्यमंत्री राजस्व विभाग के चयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र और मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को 215 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरण समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब लोग पर्व और त्यौहार मनाते हैं, तभी कुछ लोगों को प्रदूषण दिखने लगता है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर जनता एक दिन आतिशबाजी कर ले प्रदूषण हो गया, जबकि जिन लोगों ने अपने भ्रष्ट आचरण से पूरे तंत्र को दूषित किया, उनका क्या? उन्होंने कहा, प्रदूषण हुआ है, तब समाप्त भी हो जाएगा, यह कोई समस्या नहीं है। सीएम योगी ने देखकर संतोष व्यक्त किया कि लोगों ने धूम-धड़ाके के साथ दीपावली मनाई, क्योंकि उनकी सरकार ने इस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया। उन्होंने खुद अयोध्या में आतिशबाजी में शामिल होने की बात कही। इस मौके पर सीएम योगी ने पिछली सरकारों, विशेषकर समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के कार्यकाल में भर्ती आयोगों और बोर्डों में भाई-भतीजावाद हावी था, जिससे युवाओं को उनका हक नहीं मिलता था। उन्होंने याद दिलाया कि सपा सरकार ने दंगाइयों का काल मानी जाने वाली यूपीपीएसी की 34 कंपनियों को खत्म किया था, जिसके परिणामस्वरूप उनके चार कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में 1500 से अधिक दंगे हुए और महीनों-महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। उन्होंने मौजूदा धनतेरस पर बाजारों में शांतिपूर्ण चहल-पहल की तुलना पिछली स्थिति से की।

अब नए वेरियंट वाले कोरोना को लेकर भारत सतर्क- पीजे.2.1 की दस्तक से दुनिया के कई देश चिंतित

नई दिल्ली , एजेंसी। ठंड के मौसम की शुरुआत के साथ ही कोरोना वायरस के एक नए और चिंताजनक वेरिएंट पीजे.2.1 ने दुनिया भर के देशों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। दुनिया के कई देश इस नए वेरियंट को लेकर काफी चिंतित है। भारत ने भी ऐतिहात के तौर पर कई कदम उठाए गए है। बताया जा रहा है कि भारत इस नए कोरोना पर नजर रखे हुए है। जैसे ही खतरे की संभावना रहेगी भारत तत्तकाल कदम उठाएगा। इस बीच, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह नया वेरिएंट भारत पहुंच चुका है, लेकिन फिलहाल देश में इसकी मौजूदगी की पुष्टि करने वाले कोई भी ठोस सबूत सामने नहीं आए हैं। भारत में इनास्कोच (जीनोमिक्स कंसोर्टियम) जैसी संस्थाएं जीनोम सीक्वेंसिंग के जरिए कोरोना वायरस के अलग-अलग स्ट्रेन में होने वाले बदलावों पर लगातार पैनी नजर रखे हुए हैं ताकि नए वेरिएंट के प्रसार का समय रहते पता लगाया जा सके।

इस नए स्ट्रेन की पहचान सबसे पहले मई 2026 में कनाडा के ओंटारियो प्रांत में हुई थी और अब यह उत्तरी अमेरिका, यूरोप, एशिया तथा ओशिनिया के कई हिस्सों में फैल चुका है। कनाडा के अलावा सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इजरायल, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में इसके स्थानीय स्तर पर फैलने के संकेत मिले हैं। शुरुआती रिसर्च के अनुसार, इस नए वेरिएंट के स्पाइक प्रोटीन में कई आनुवंशिक बदलाव देखे गए हैं, जिससे इसकी मानव कोशिकाओं में प्रवेश करने की क्षमता बढ़ सकती है, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पिछले स्ट्रेन के मुकाबले ज्यादा खतरनाक है या नहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, इस नए वेरिएंट के लक्षण भी आम सर्दी-जुकाम और इन्फ्लूएंजा (फ्लू) जैसे ही हैं, जिसमें बुखार, ठंड लगना, गले में खराश, खांसी, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। राहत की बात यह है कि शोधकर्ताओं ने संकेत दिया है कि पीजे.2.1 में इम्युनिटी को बहुत ज्यादा चकमा देने की क्षमता नहीं है और जिन लोगों ने कोविड-वैक्सीन लगवाई है, उनके शरीर की एंटीबॉडीज इस नए वेरिएंट को बेअसर करने में पूरी तरह सक्षम पाई गई हैं, जो टीकाकरण के महत्व को रेखांकित करता है।



कृष्णा नदी जल पर तेलंगाना का कड़ा रुख, रेवंत रेड्डी ने की बैठक

ट्रिब्यूनल के सामने मजबूत पक्ष रखने की तैयारी, टेलीमेट्री सिस्टम से पानी की रियल-टाइम निगरानी पर जोर



हैदराबाद, एजेंसी । कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के हिस्से को लेकर राज्य सरकार ने अपना रुख और कड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर राज्य के हिस्से को सुरक्षित करने की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में आगामी कानूनी प्रक्रिया और कृष्णा नदी के जल बंटवारे से जुड़े मामलों में तेलंगाना का पक्ष मजबूती से रखने के लिए दस्तावेज तैयार करने पर जोर दिया गया।

बैठक ऐसे समय में हुई है जब तेलंगाना सरकार कृष्णा नदी के जल बंटवारे से जुड़े मामले में ब्रजेश कुमार ट्रिब्यूनल के समक्ष अपना पक्ष रखने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से पुराने फैसलों, जल परियोजनाओं से जुड़ी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य के हितों की रक्षा के लिए ठोस तथ्यों और दस्तावेजों के साथ अपना पक्ष रखना जरूरी है। रेवंत रेड्डी पहले भी यह मुद्दा उठाते रहे हैं कि कृष्णा बेसिन का बड़ा हिस्सा तेलंगाना में होने के बावजूद राज्य के गठन के बाद से उसे पानी का उचित हिस्सा नहीं मिला। उन्होंने कृष्णा और गोदावरी दोनों नदियों के पानी में तेलंगाना के अधिकार को लेकर कड़ा रुख अपनाने की बात कही है। बैठक में कृष्णा और गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड के हस्तक्षेपों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जल बंटवारे का अंतिम फैसला आने तक बोर्ड के फैसलों का विरोध करने और जरूरत पड़ने पर मामला सुप्रीम कोर्ट ले जाने का सुझाव दिया। उन्होंने पानी के बहाव और उपयोग की रियल-टाइम निगरानी के लिए टेलीमेट्री सिस्टम लगाने पर भी जोर दिया। सिंचाई विभाग को अब एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसमें राज्य को अब तक हुए कथित नुकसान और जल हिस्सेदारी से जुड़े आंकड़ों को शामिल किया जाएगा। सरकार का मानना है कि यह रिपोर्ट ट्रिब्यूनल और अन्य कानूनी मंचों पर तेलंगाना का पक्ष मजबूत करने में मदद करेगी। राज्य के किसानों और कृषि क्षेत्र की पानी पर निर्भरता को देखते हुए यह मामला सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भगवान सभी के हैं, केदारेश्वर से मथुरा-वृंदावन तक जाएंगे दर्शन करने: अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने धर्म, आस्था, नोटबंदी और आर्थिक मुद्दों को लेकर बीजेपी पर तीखा हमला बोला। अयोध्या यात्रा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि भगवान सबके हैं और वह केदारेश्वर के साथ मथुरा-वृंदावन भी दर्शन करने जाएंगे। अपने पीडीए का जिक्र कर अखिलेश ने कहा, पहले दर्शन, फिर आशीर्वाद। उन्होंने कहा कि अलग-अलग धर्मों में लोग अपनी आस्था के अनुसार भगवान को याद करते हैं। अखिलेश ने परिवार और पार्टी के नेताओं का जिक्र कर शिवपाल और रामगोपाल यादव पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि उनके साथ अवधेश और पवन जैसे लोग हैं, इसलिए उन्हें किसी अन्य बात की चिंता नहीं है। इस दौरान उन्होंने बीजेपी से कथित आर्थिक लूट और लाखों-लाख करोड़ रुपये की बर्बादी का हिसाब भी मांगा।

एनसीपी विलय पर फडणवीस ने कहा- बगैर भाजपा के कोई विलय नहीं होगा

मुंबई, एजेंसी । महाराष्ट्र की राजनीति में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। इन चर्चाओं के बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के एक बयान ने सबको चौंका दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भाजपा की भागीदारी के बिना ऐसा कोई विलय संभव नहीं है। अपने सरकारी आवास पर आयोजित दिवाली मिलन समारोह के दौरान फडणवीस ने यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते प्रफुल्ल पटेल और पार्थ पवार सहित सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के कई नेताओं ने एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की थी, जिसके बाद से विलय की बातें तेज हो गई थीं।



पत्रकारों द्वारा सुनेत्रा पवार के नेतृत्व की तुलना उनके दिवंगत पति अजीत पवार के नेतृत्व से करने पर फडणवीस ने इसे अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि अजीत पवार के पास दशकों का राजनीतिक अनुभव और महाराष्ट्र की गहरी समझ थी, जबकि सुनेत्रा पवार अभी हालात के हिसाब से खुद को ढाल रही हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी तुलना अजीत दादा से करना सही नहीं होगा। उन्होंने यह भी बताया कि एनसीपी के अन्य वरिष्ठ नेता मिलकर पार्टी का कामकाज संभाल रहे हैं। विलय के मामले पर टिप्पणी करते हुए, देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केवल शरद पवार या उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ही इस पर स्पष्ट जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने दोनों ही गुटों के अन्य नेताओं के बयानों को महत्वहीन बताते हुए खारिज कर दिया। वहीं, एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय की अटकलों के बीच, शिवसेना (शिंदे गुट) के मंत्री संजय शिरसाट ने एक नया विकल्प सुझाया है। शिरसाट ने कहा कि विलय के बजाय दोनों गुटों को मिलकर बिल्कुल नया तीसरा गुट बनाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दोनों गुटों के नेता एक-दूसरे पर लगातार आरोप लगाने में व्यस्त हैं, तो विलय कैसे संभव हो सकता है? शिरसाट ने कहा कि अगर नेता एक-दूसरे पर तीखे और आक्रामक हमले कर रहे हैं, तो विलय की संभावना न के बराबर है। उन्होंने स्थिति पर हैरानी जताते हुए कहा कि सुबह भले ही विलय की बात हो, लेकिन दोपहर तक वही नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आते हैं, जिससे असल स्थिति को समझना मुश्किल हो जाता है।

पूर्व हेड कोच का टीम पर तंज

खिलाड़ियों की फिटनेस और अनुशासन को लेकर इमरान ने सवाल उठाए

नई दिल्ली। बांग्लादेश महिला टीम के पूर्व हेड कोच सरोवर इमरान ने टीम के फिटनेस स्तर और ट्रेनिंग कल्चर पर सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि खिलाड़ियों को उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकालने और ज्यादा अनुशासन लाने की उनकी कोशिशों की वजह से उन्हें अपनी भूमिका से अलग होना पड़ा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एशियन गेम्स के बाद अक्टूबर में सरोवर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने दिया और बाद में उनकी जगह डेविड हेम्प को नियुक्त किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीबी से सरोवर इमरान की शिकायत की थी और उनके तरीकों पर सवाल उठाया था। सरोवर ने पहले बांग्लादेश के एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद ड्रेसिंग रूम में अशांति की बात कही थी, जिसके बाद बोर्ड ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने पर विचार किया। प्रस्तावित कार्रवाई को आखिरकार वापस ले लिया गया, जिसमें बीसीबी ने बांग्लादेश क्रिकेट के साथ उनके लंबे जुड़ाव को ध्यान में रखा।



सरोवर ने कहा कि बोर्ड ने उन्हें जारी रखने का फैसला करने से पहले कभी उनसे सफाई नहीं मांगी। उन्होंने कहा, एशियन गेम्स और एशिया कप के बाद बीसीबी ने मुझसे कोई बातचीत नहीं की। मुझे एक पत्र मिला कि मैं ऑस्ट्रेलिया टूर पर नहीं जा रहा हूं क्योंकि कोई दूसरा कोच जाएगा। बीसीबी के साथ मेरी बस इतनी ही बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कोचिंग का माहौल बहुत ज्यादा संतुलन बनाने वाला हो गया था, जिससे सुधार की बहुत कम गुंजाइश बची थी।महिला टीम में शामिल होने के बाद अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, जहां तक मेरे गुस्से की बात है, जब मैं महिला टीम में आया, तो मैंने देखा कि गेंदबाजी कोच से लेकर स्पिन बॉलिंग कोच, बैटिंग कोच, ट्रेनर और फिजियो सभी बहुत शांत थे। वे महिला क्रिकेटरों की हर बात सुनते हैं और इस कम्फर्ट जोन में रहकर वे सुधार नहीं कर सकते। यही वजह है कि हमारी टीम आज भी वैसी ही है जैसी पांच साल पहले थी।

मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश क्रिकेट सुधर सकता है

इमरान ने कहा, एक स्पिनर 30 गेंदें फेंकने के बाद कोच से कहती है कि वह अब और गेंदबाजी नहीं करेगी और कोच मान जाता है। एक या दो बल्लेबाज पूरे दिन बल्लेबाजी करते हैं। यह सब देखने के बाद मैंने दखल देना शुरू कर दिया। मैंने उनकी फिटनेस को लेकर भी दखल दिया। उन्होंने कहा, जब मुझे उन्हें डांटने की जरूरत थी तो मैंने वैसा ही किया और अगर आप कहते हैं कि यह गुस्सा है तो मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश क्रिकेट सुधर सकता है। मुझे लगा कि मैं उन्हें सुधार सकता हूं और मैंने सात से आठ टूर किए और सब कुछ सिर्फ एक या दो टूर में फेल होने की वजह से खत्म हो गया। सरोवर ने इस बात को मना कर दिया कि उनकी कोचिंग स्टाइल उनके गुस्से को कंट्रोल करने में नाकामयाबी दिखाती है।

गेंद से धमाल... मिला इनाम, गुरनूर 60 स्थान चढ़े

दुबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन का असर आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भी दिखाई दिया है। तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने 60 स्थानों की लंबी छलांग लगाकर वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 48वां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। अक्षर 23 और अर्शदीप 11 स्थान ऊपर चढ़े हैं। दूसरी ओर, अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह ने टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष-10 में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के बाद भारतीय गेंदबाजों को फायदा हुआ है। इसमें सबसे बड़ी छलांग गुरनूर बराड़ ने लगाई। वह सात विकेट लेकर सीरीज में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके इस प्रदर्शन का असर रैंकिंग में भी दिखा और वह शीर्ष-100 से बाहर रहने के बाद 48वें स्थान पर पहुंच गए। उन्हें कुल 60 स्थानों का फायदा हुआ है।

अक्षर और अर्शदीप की रैंकिंग में भी सुधार

भारतीय स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 23 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में दूसरे वनडे में 28 रन देकर दो विकेट लेने का फायदा मिला। वहीं, अर्शदीप सिंह ने पहले वनडे में चार विकेट लेकर रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाई। वह संयुक्त रूप से 31वें नंबर पर पहुंच गए हैं। विश्व कप शुरू होने में एक साल से भी कम समय बचा है और ऐसे में भारतीय गेंदबाजों के लिए रैंकिंग में यह सुधार अहम है। 2027 का वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। जैकब डफी आठ स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 43वें और काइल जैमीसन 24 स्थान की छलांग के साथ 60वें नंबर पर पहुंच गए हैं।



आईसीसी रैंकिंग... अक्षर और अर्शदीप को भी फायदा

रहमत शाह ने रचा इतिहास, टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष-10 में पहुंचे

अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग की किसी भी श्रेणी के शीर्ष-10 में जगह बनाने वाले अपने देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह में खेले गए पहले टेस्ट में 173 रन की पारी खेलने का उन्हें फायदा मिला। वह टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में छह स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। 33 वर्षीय रहमत का यह पांचवां टेस्ट शतक था। इस साल उन्होंने दूसरी बार शतक लगाया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारतीय कप्तान शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस को पीछे छोड़ दिया। अफगानिस्तान के लिए यह पखवाड़ा खास रहा है। इससे पहले टीम जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज जीतने के बाद आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंची थी। यह वनडे रैंकिंग में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्थान है।

एर्विन और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को भी फायदा

जिम्बाब्वे के अनुभवी बल्लेबाज क्रेग एर्विन को भी टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है। शारजाह टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद दोहरा शतक लगाने के बाद वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 48वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के समापन के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ। वेस्टइंडीज के केवम हॉज 12 स्थान ऊपर चढ़कर 52वें और अमीर जांगू 28 स्थान की छलांग के साथ 62वें नंबर पर पहुंच गए। बांग्लादेश के तौहीद हृदोय शीर्ष-100 से बाहर रहने के बाद अब 60वें स्थान पर आ गए हैं।वेस्टइंडीज के जोमेल वॉरिकन को टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान का फायदा हुआ है। वह संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। सीरीज में शानदार प्रदर्शन के कारण टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में भी वह चार स्थान ऊपर चढ़कर 31वें नंबर पर आ गए। उनके साथी जस्टिन ग्रीव्स एक स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

नोस्कोवा ने गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन वेल्स लिंडा नोस्कोवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। नोस्कोवा ने कोको गॉफ को 75 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। नोस्कोवा 2011 में पेट्रा क्वितोवा के बाद अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, वह 2024 में गॉफ के बाद अपने पहले दो राउंड-रॉबिन मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं और 2021 में एनेट कोंटावेइट के बाद ऐसा करने वाली पहली नंबर 8 सीड हैं। लिंडा नोस्कोवा ने पत्रकारों से कहा, मुझे तो यह भी नहीं पता था कि मैं सेमीफाइनल में हूं।



अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में नंदिनी का चयन

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ की तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा को दिसंबर में होने वाले भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम इस दौरे पर एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। दौरे की शुरुआत 9 दिसंबर को गेकेबरहा में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद तीन वनडे मुकाबले पार्ल, केपटाउन और ब्लोमफोंटेन में खेले जाएंगे। दौरे का समापन बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम में होने वाली तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के साथ होगा। इस साल की शुरुआत में भी नंदिनी शर्मा ने इतिहास रचा था। वह यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) की पहली खिलाड़ी बनी थीं, जिन्हें ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारत की टेस्ट टीम में जगह मिली थी।



सहवाग गाते थे गाने, बेटा करता है 'सीता राम' का जाप

आर्यवीर ने बताया शतक का राज, यूएई के खिलाफ बनाए थे 160 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। *वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने भारत के लिए यूथ वनडे में अपना पहला शतक जड़कर खास उपलब्धि हासिल की। अंडर-19 एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ उन्होंने 160 रन की शानदार पारी खेली और भारत को जीत दिलाई। इस पारी के बाद आर्यवीर ने बताया कि बल्लेबाजी के दौरान वह अपना ध्यान भटकने से बचाने के लिए मन ही मन 'सीता राम' का जाप करते हैं।आर्यवीर ने बताया कि उनके पिता विरेंद्र सहवाग अक्सर उनसे बल्लेबाजी के मानसिक पहलुओं पर बात करते हैं। वह उन्हें वर्तमान में रहने और पारी के नतीजे के बारे में ज्यादा नहीं सोचने की सलाह देते हैं। आर्यवीर के मुताबिक, उनके पिता बल्लेबाजी करते समय गाने गुनगुनाया करते थे। इसी से उन्हें भी अपना ध्यान केंद्रित रखने का एक तरीका मिला। उन्होंने कहा, 'जब मैं अपने पिता से बल्लेबाजी के मानसिक पहलू के बारे में बात करता हूं, तो वह मुझे ऐसी बातें बताते हैं, जो वर्तमान में रहने में मदद करती हैं। वह अक्सर गाने गुनगुनाते हैं। इसलिए ध्यान को वर्तमान में बनाए रखने के लिए किसी रीसेट बटन की तरह कुछ होना चाहिए।'उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं बल्लेबाजी कर रहा होता हूं, तो मन ही मन 'सीता राम' दोहराता रहता हूं, ताकि दूसरे विचार दिमाग में न आएं। मेरा ध्यान सिर्फ गेंद पर रहता है। गेंद जहां पड़ती है, उसके हिसाब से शॉट खेलता हूं। मैं यह सोचने के बजाय गेंद पर प्रतिक्रिया देने की कोशिश करता हूं कि किसी खास स्थिति में मुझे क्या करना चाहिए या मुझे अर्धशतक बनाना है या शतक।'*

45 ओवर तक बल्लेबाजी करना था लक्ष्य

यूएई के खिलाफ मुकाबले में आर्यवीर ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की। उन्होंने नई गेंद का सामना किया और धीरे-धीरे अपनी पारी को आगे बढ़ाया। बाद में उन्होंने तेजी से रन बनाते हुए 160 रन की पारी खेली, जो इस सीजन टूर्नामेंट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है।आर्यवीर ने बताया कि मैच से एक रात पहले भी उनकी अपने पिता से बात हुई थी और उन्होंने टूर्नामेंट में बड़ा स्कोर बनाने का वादा किया था। उन्होंने कहा, 'योजना सिर्फ 45 ओवर तक बल्लेबाजी करने की थी। कोच ने भी मुझसे कहा था कि जितनी देर हो सके क्रीज पर टिके रहना। शुरुआत में जब मैंने डॉट गेंदें खेलीं, तो मुझे कोई परेशानी नहीं हुई, क्योंकि मुझे भरोसा था कि बाद में इसकी भरपाई कर लूंगा। खुशी है कि मैं बड़ा स्कोर बना सका और भारत को जीत दिलाने में मदद की।'

पिता से तारीफ मिलना बड़ी बात

आर्यवीर ने यह भी बताया कि उनके पिता आमतौर पर उनकी बल्लेबाजी की ज्यादा तारीफ नहीं करते। ऐसे में अच्छी पारी के बाद उनका 'वेल प्लेड' संदेश भी उनके लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा, 'जब भी अच्छी पारी के बाद उनका मैसेज आता है और वह 'वेल प्लेड' कहते हैं, तो मेरे लिए इससे बढ़कर कुछ नहीं होता। यह मेरे लिए बड़ा पल है। मुझे हमेशा अच्छा लगता है जब मेरे पिता मेरी बल्लेबाजी की तारीफ करते हैं, क्योंकि वह ऐसा बहुत कम करते हैं। मैं शतक बनाऊं या नहीं, वह ज्यादा तारीफ नहीं करते।' आर्यवीर ने उम्मीद जताई कि उनकी मां भी इस पारी से खुश होंगी। उन्होंने कहा कि उनकी मां अपनी भावनाएं खुलकर जाहिर करती हैं और उन्हें उम्मीद है कि उनके पिता भी उन पर गर्व महसूस कर रहे होंगे।



रायन बोले- न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच मजेदार होंगे

ऑकलैंड । भारत के फॉरवर्ड रायन विलियम्स न्यूजीलैंड में खेलने के अपने पिछले अनुभव का इस्तेमाल भारतीय पुरुषों के देश के पहले दौरे की तैयारी के लिए कर रहे हैं, क्योंकि नेशनल टीम गुरुवार को ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से पहले मैच में ऑल व्हाइट्स का सामना करने के लिए तैयार है। यह दोनों टीमों के बीच तीसरा अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। इससे पहले 1981 और 2018 में दोनों टीमें आमने-सामने हुई हैं। यह दौरा भारतीय टीम के ज्यादातर सदस्यों के लिए नया है। विलियम्स ऑस्ट्रेलियाई क्लब पर्थ ग्लोरी के साथ अपने समय के दौरान न्यूजीलैंड में खेल चुके हैं। 33 साल के इस खिलाड़ी ने जनवरी 2023 में पामर्स्टन नॉर्थ में वेलिंगटन फीनिक्स के खिलाफ ग्लोरी के 2-2 से ड्रॉ मैच में हिस्सा लिया था, जिसे 'डिस्टेंस डर्बी' के नाम से जाना जाता है। तस्मान में यात्रा करने की जरूरतों का अनुभव होने के कारण, वह लंबी यात्रा और समय के अंतर से आने वाली चुनौतियों को जानते हैं।



आईपीएल में बड़ा बदलाव... हार्दिक पंजाब किंग्स में गए, अर्शदीप मुंबई इंडियंस से जुड़े



मेरे कप्तान श्रेयस! मैं आपके पीछे खड़ा हूं

पंजाब से जुड़ने के बाद हार्दिक पंड्या का पहला बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 के लिए पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के बाद हार्दिक पंड्या का पहला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि श्रेयस अय्यर उनके कप्तान हैं। रिकी पोंटिंग उनके कोच है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा है कि वह अपने कोच और कप्तान के साथ खड़े हैं। हार्दिक इससे पहले मुंबई के कप्तान थे और अब पंजाब के साथ जुड़े हैं। उन्हें पंजाब की कप्तानी मिलने की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वह श्रेयस की कप्तानी में खेलने के लिए तैयार हैं।

श्रेयस की कप्तानी में खेलने से हार्दिक को टीम इंडिया में भी उनके साथ खेलने में आसानी होगी, क्योंकि भारतीय टी20 टीम की कमान भी श्रेयस के हाथों में ही है। हार्दिक जब भी फिट होंगे, वह भारतीय टी20 टीम का हिस्सा होंगे, क्योंकि अब तक कोई भी खिलाड़ी खुद को उनकी जगह पर स्थापित नहीं कर पाया है।

पंजाब में बढ़ी हार्दिक की सैलरी

हार्दिक पंड्या भले ही मुंबई इंडियंस के कप्तान थे, लेकिन उनकी सैलरी 16.5 करोड़ रुपये ही थी। वहीं, पंजाब किंग्स में उन्हें 18 करोड़ रुपये मिलेंगे। ऐसे में उन्हें सीधे 1.5 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। हालांकि, वह पंजाब की टीम के कप्तान नहीं होंगे। श्रेयस के साथ खेलने से उनके लिए टीम इंडिया में वापसी की राह भी आसान होगी, क्योंकि कप्तान के साथ ही उनका बॉन्ड अच्छा बनेगा।

हार्दिक ने ये लिखा...

हार्दिक पंड्या ने पंजाब किंग्स की जर्सी में अपनी फोटो शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, 'सत श्री अकाल, पंजाब। मेरे कैप्टन श्रेयस। मेरे कोच रिकी। मेरी टीम पूरा पंजाब। मैं आपके पीछे खड़ा हूं।' इसके साथ ही हार्दिक ने पंजाब के लिए हार्ट का इमोजी भी शेयर किया। इससे साफ है कि वह पंजाबी रंग में रंग चुके हैं और अगले सीजन में वह इस टीम को ट्रॉफी दिलाने की पूरी कोशिश करेंगे।

डंडे उड़ा देंगे! मुंबई के लिए अर्शदीप लाएंगे तबाही

आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस के ग्रैंड वेलकम ने मचाया गदर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी स्वैप डील पर अब आधिकारिक मुहर लग चुकी है। पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस ने स्टार भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अपनी पलटन में शामिल कर लिया है। 18 करोड़ रुपये की फीस पर मुंबई आए अर्शदीप का फ्रेंचाइजी ने बेहद ही अनोखे और धमाकेदार अंदाज में स्वागत किया है। मुंबई की टीम ने अर्शदीप को लेकर एक बेहद ही प्यारा और जोश से भरा हुआ वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। दूसरी ओर मुंबई के पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या अब 18 करोड़ रुपये में पंजाब किंग्स की जर्सी पहनते नजर आएंगे। मुंबई इंडियंस ने जहां अर्शदीप की एंट्री पर तूफानी वीडियो शेयर किया। वहीं हार्दिक पंड्या के लिए एक खास ट्रिब्यूट वीडियो के साथ उन्हें भावुक विदाई दी।

पेस अटैक हुआ और खतरनाक

मुंबई इंडियंस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर अर्शदीप सिंह का एक पावरफुल वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, हम डंडे उड़ा देंगे! फ्रेंचाइजी ने साफ कर दिया है कि बाएं हाथ का यह खतरनाक भारतीय पेसर अब वानखेड़े स्टेडियम में बल्लेबाजों की गिल्लियां उखाड़ने के लिए तैयार है। आईपीएल अर्शदीप की एंट्री से मुंबई का पेस अटैक अब बहुत ही खतरनाक नजर आ रहा है।

पंड्या को मिला मुंबई का ट्रिब्यूट

दूसरी तरफ हार्दिक पंड्या की मुंबई इंडियंस से विदाई हो गई है। मुंबई ने हार्दिक के लिए एक इमोशनल वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि उतार-चढ़ाव और इस बीच की हर चीज के लिए, मुंबई इंडियंस की कहानी का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया हार्दिक। हार्दिक ने मुंबई के साथ 2015 में अपना सफर शुरू किया था और 2015, 2017, 2019 और 2020 के खिताब जीतने में अहम योगदान दिया था।





खुद को खुशकिस्मत मानते हैं ताहिर राज भसीन

छोटी भूमिकाओं से शुरुआत करने वाले ताहिर राज भसीन ने 'मर्दानी' में मेन विलन बनकर अपनी पहचान बनाई। 'ये काली काली आंखें', 'स्पेशल ऑप्स' और 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' के बाद वे इन दिनों 'शक : ट्रस्ट नो वन' को लेकर चर्चा में हैं। ताहिर खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि कम समय में उन्हें नामचीन निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। कभी सिंगल स्क्रीन थिएटर में दस रुपये का टिकट लेकर सिनेमा देखने वाले ताहिर से एक खास बातचीत।

मेरा सफर खास रहा है

'किस्मत लव पैसा दिल्ली', 'काई पो छे' और 'वन बाय टू' जैसी फिल्मों में छोटी भूमिकाएं निभाने वाले ताहिर राज भसीन को बड़ा ब्रेक 'मर्दानी' से मिला। अपने सफर को खास बताते हुए वह कहते हैं, 'बहुत कम लोगों को इतने कम समय में इतने मशहूर निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिलता है। प्रदीप सरकार के साथ मेरी जर्नी शुरू हुई। उसके बाद नंदिता दास, नितेश तिवारी, कबीर खान, मिलन लुथरिया और नीरज पांडे जैसे निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। मैं जो भी किरदार निभाता हूं, वह दर्शकों के साथ रह जाता है और उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ता है। वेब सीरीज 'शक' में आलोक के किरदार को लेकर भी ऐसा ही फीडबैक मिल रहा है। कुछ दर्शक उससे सहानुभूति रखते हैं, कुछ उससे जुड़ाव महसूस करते हैं, तो कुछ उस पर गुस्सा होते हैं। मेरे लिए एक अभिनेता के तौर पर यही सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उसका किरदार दर्शकों पर असर छोड़े और लंबे समय तक याद रहे।'

चर्चित नहीं यादगार होना जरूरी है

इंडस्ट्री में अच्छा-खासा काम करने के बावजूद ताहिर हमेशा लो-प्रोफाइल रहे हैं। इसकी वजह बताते हुए वह कहते हैं, 'मैं हमेशा लंबी रेस का घोड़ा बनना चाहता था। खुद और अपनी कला पर काम करने के लिए अकेले वक्त बिताना, ट्रैवल करना और परिवार के साथ समय गुजारना भी उतना ही जरूरी है, जितना मीडिया और दर्शकों से जुड़ना। हर वक्त पब्लिक प्रोफाइल बनाए रखना मेरी कोशिश नहीं रही। मैंने सीखा है कि चर्चित होने और यादगार होने में आसमान-जमीन का फर्क है। मेरी कोशिश हमेशा यादगार काम करने की रहती है, चर्चित होना तो उसके बाद अपने आप हो जाएगा।'

लाइफ की हर डीटेल सोशल मीडिया पर डालना जरूरी नहीं

सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज ताहिर के लिए कितने मायने रखते हैं? वह कहते हैं, 'मेरे लिए सोशल मीडिया अहम है, लेकिन एक सीमा तक। फिल्म या ट्रेलर रिलीज होने पर दर्शकों की प्रतिक्रिया जानना अच्छा लगता है। इससे प्रशंसकों से जुड़ने और अपने काम को उन तक पहुंचाने का मौका मिलता है। लेकिन जिंदगी का हर पल सोशल मीडिया पर साझा करना जरूरी नहीं। मैं क्या खा रहा हूं या कहां जा रहा हूं, यह बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। मेरे लिए काम और निजी जिंदगी के बीच संतुलन जरूरी है। लाइक्स और व्यूज से ज्यादा अहम है कि आपका काम लोगों के दिलों में कितनी जगह बनाता है।'

महिलाओं के गुस्से और दर्द को समझता हूं

हाल ही में राजस्थान में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म और नवजात की मौत के भयावह मामले ने देश को झकझोर दिया। महिलाओं की सुरक्षा और पुरुषों के रक्षक से भक्षक बनने के मुद्दे पर ताहिर कहते हैं, 'यह पूरे देश की समस्या है। ऐसी घटनाओं पर अफसोस जताने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। साथ ही, समाज में शिक्षा और जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। जब तक लोगों का नजरिया नहीं बदलेगा, व्यवहार में बदलाव नहीं आएगा।' सोशल मीडिया पर चल रहे एंटी-मैन नारों पर वह कहते हैं, 'मैं महिलाओं के गुस्से और दर्द को सौ फीसदी समझ सकता हूं, लेकिन कुछ लोगों की गलती के लिए पूरे पुरुष समाज को दोषी ठहराना सही नहीं है। इसी समाज में डॉक्टर, वकील, पुलिसकर्मी और परिवार के ऐसे लोग भी हैं, जो महिलाओं का साथ देते हैं। हमें नकारात्मकता बढ़ाने के बजाय एकता और आपसी समझ पर जोर देना चाहिए।'



हॉरर फ्रेंचाइजी 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' में नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर आगामी हॉरर फ्रेंचाइजी 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' में नजर आएंगी। यूनाइटेड किंगडम की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म 'जानी दुश्मन' एक सुपरनैचुरल हॉरर थ्रिलर होने वाली है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'दर्द तो बहुत देखा होगा, लेकिन अब खौफ महसूस करने के लिए तैयार हो जाएं। आपके लिए पेश है, फिल्म 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत'।' फिल्म का निर्देशन अरशद सैयद कर रहे हैं, जबकि इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर रॉबी ग्रेवाल हैं। इसका निर्माण भूषण कुमार (टी-सीरीज) और प्रभलीन संधू की अलमाइटी मोशन पिक्चर मिलकर कर रहे हैं।

इस फ्रेंचाइजी और सहयोग के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने कहा, 'अलमाइटी मोशन पिक्चर एक भरोसेमंद क्रिएटिव पार्टनर रहा है और उनकी टीम के साथ काम करना हमेशा अच्छा लगता है। सीरीज 'मेड इन इंडिया - अ टाइटन स्टोरी' के बाद, हम जानी दुश्मन के लिए उनके साथ फिर से काम करके खुश हैं।' अलमाइटी मोशन पिक्चर की फाउंडर प्रभलीन संधू ने कहा, 'भूषण जी और टी-सीरीज के साथ काम करना हमेशा सुखद रहा है। हमारा जुड़ाव हमेशा खास रहा है और हम एक बिल्कुल अलग सिनेमाई अनुभव के लिए एक बार फिर साथ आने को लेकर उत्साहित हैं। जानी दुश्मन खास तौर पर स्पेशल है क्योंकि यह मुझे रॉबी ग्रेवाल और अरशद सैयद से फिर मिलाती है, जिनके साथ हमने भारत की सबसे पसंदीदा पैरानॉर्मल थ्रिलर सीरीज में से एक बनाई थी।

फिल्म में हाई-ऑक्टेन और रोमांचक एक्शन सीक्वेंस सुनिश्चित करने के लिए हॉलीवुड के मशहूर स्टंट डायरेक्टर पीटर पेड्रेरो भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने हैं, जिन्होंने हैरी पॉटर, फास्ट एंड फ्यूरियस, द एक्सपेंडेबल्स, गेम ऑफ थ्रोन्स और द कॉन्ज्यूरिंग जैसी फिल्मों में काम किया है। फिल्म की कहानी पूरी तरह से यूनाइटेड किंगडम की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। यह एक मां-बेटी की कहानी है, जो पारिवारिक रहस्यों और अलौकिक शक्तियों के इर्द-गिर्द बुनी गई है। इस फिल्म को क्रिएटिव तौर पर रॉबी ग्रेवाल ने प्रोड्यूस किया है। इसके को-प्रोड्यूसर शिव चनाना और सुनीता विनोद व्यास हैं। यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रजनीकांत की फिल्म धर्मन में हुई श्रीलीला की एंट्री



एक्ट्रेस श्रीलीला के हाथ एक और बड़ी तमिल फिल्म लगी है। वह जल्द ही रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अश्वथ मरिमुथु कर रहे हैं, जो 'ओह माय कडवुले' और 'ड्रैगन' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने श्रीलीला के फिल्म से जुड़ने का ऐलान किया। इसके साथ ही वह पहली बार रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

प्रोडक्शन हाउस ने एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए एक वीडियो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'उनमें चमक है, उनमें पटाखा वाली बात है। 'धर्मन' में खूबसूरत श्रीलीला का स्वागत है।' बता दें कि फिल्म में रजनीकांत और श्रीलीला के अलावा सिमरन, नयनतारा, योगी बाबू और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धर्मन' पहली फिल्म है, जिसमें अश्वथ मरिमुथु रजनीकांत को डायरेक्ट कर रहे हैं।

फिल्म में डॉक्टर के किरदार में दिखेंगे रजनीकांत

फिल्म के पहले पोस्टर के मुताबिक, रजनीकांत इसमें एक डॉक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। मेकर्स ने उनके किरदार को 'केट्टा पायन' यानी बुरा लड़का बताया है। यह नाम उनकी 1978 में आई फिल्म 'मुल्लुम मलारुम' के मशहूर किरदार की याद दिलाता है। अब तक सामने आए कुछ पोस्टर्स में रजनीकांत के हाथों पर खून नजर आ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार ग्रे शेड्स वाला हो सकता है। फिल्म की शूटिंग का तीसरा शेड्यूल सितंबर में पूरा हो चुका है। बताया जा रहा है कि अब फिल्म की मुख्य शूटिंग अपने आखिरी चरण में पहुंच रही है। श्रीलीला और नयनतारा फिल्म की कास्ट में हाल ही में शामिल हुई हैं।



तमिल सिनेमा में लगातार बढ़ रहा है श्रीलीला का काम

श्रीलीला ने इसी साल फिल्म 'पराशक्ति' से तमिल सिनेमा में डेब्यू किया था। इस फिल्म में वह शिवकार्तिकेयन, रवि मोहन और अथर्वा के साथ नजर आई थीं। इसके बाद से उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें धनुष और ममूटी की फिल्म 'ओम' भी शामिल है। इस फिल्म में वह रोजा का किरदार निभा रही हैं, जो धनुष की पत्नी है। इसके अलावा वह अजित कुमार की फिल्म 'डेयरडेविल' में भी नजर आएंगी। अब 'धर्मन' के जरिए श्रीलीला को तमिल सिनेमा के एक और बड़े सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने का मौका मिला है। इस फिल्म का निर्माण रजनीकांत और कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के साथ आर महेंद्रन की टर्मरिक मीडिया मिलकर कर रहे हैं।



भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है 'रामायण'

नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर देशभर में उत्साह चरम पर है। ऐसे में सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी भी इस फिल्म के समर्थन में आगे आए हैं। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म के भव्य पैमाने, शानदार स्टारकास्ट और अद्भुत विजुअल्स के अलावा, जो बात इस प्रोजेक्ट को सबसे खास बनाती है, वह है इससे जुड़ी भावनाएं और इसकी आत्मा। शुरुआत से ही फिल्म की टीम ने इस महागाथा को महज एक फिल्म के तौर पर नहीं, बल्कि एक पवित्र जिम्मेदारी के रूप में देखा है। ऐसे दौर में, जब फिल्मी प्रचार अक्सर मार्केटिंग रणनीतियों और तय शेड्यूल तक सीमित रहता है, वहीं 'रामायण' ने भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक महत्व से जुड़ा रास्ता चुना है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियां भी इस भव्य प्रोजेक्ट के समर्थन में आगे आ रही हैं। रिलीज़ से ठीक पहले इस उत्साह को और बढ़ाते हुए सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने x स्टोरी पर एक खास संदेश साझा करते हुए लिखा: 'हमारी कालजयी कहानियों और संस्कृति को इतने भव्य स्तर पर जीवंत होते देखना वाकई बेहद खास है। यह भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है!



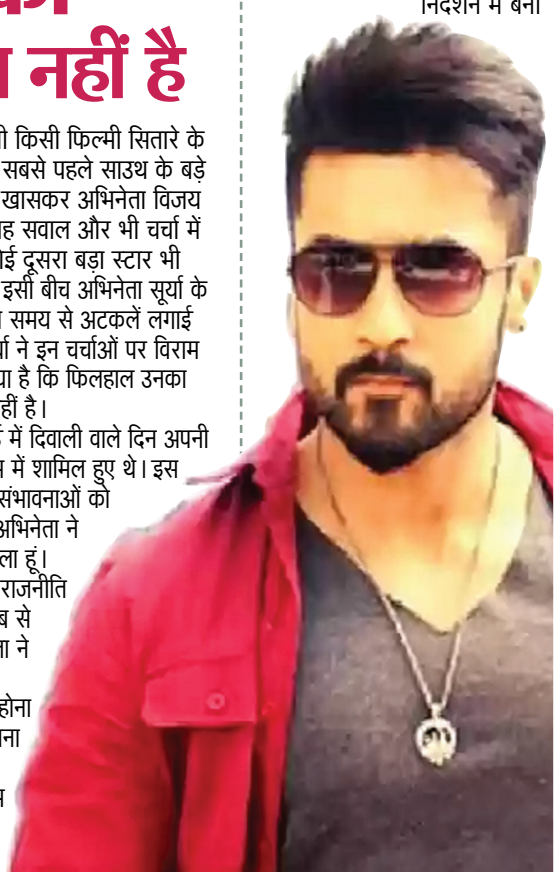
...अब हिंदी फिल्मों में अपनी नई पारी शुरू करने की तैयारी कर रही हैं कीर्ति शेट्टी

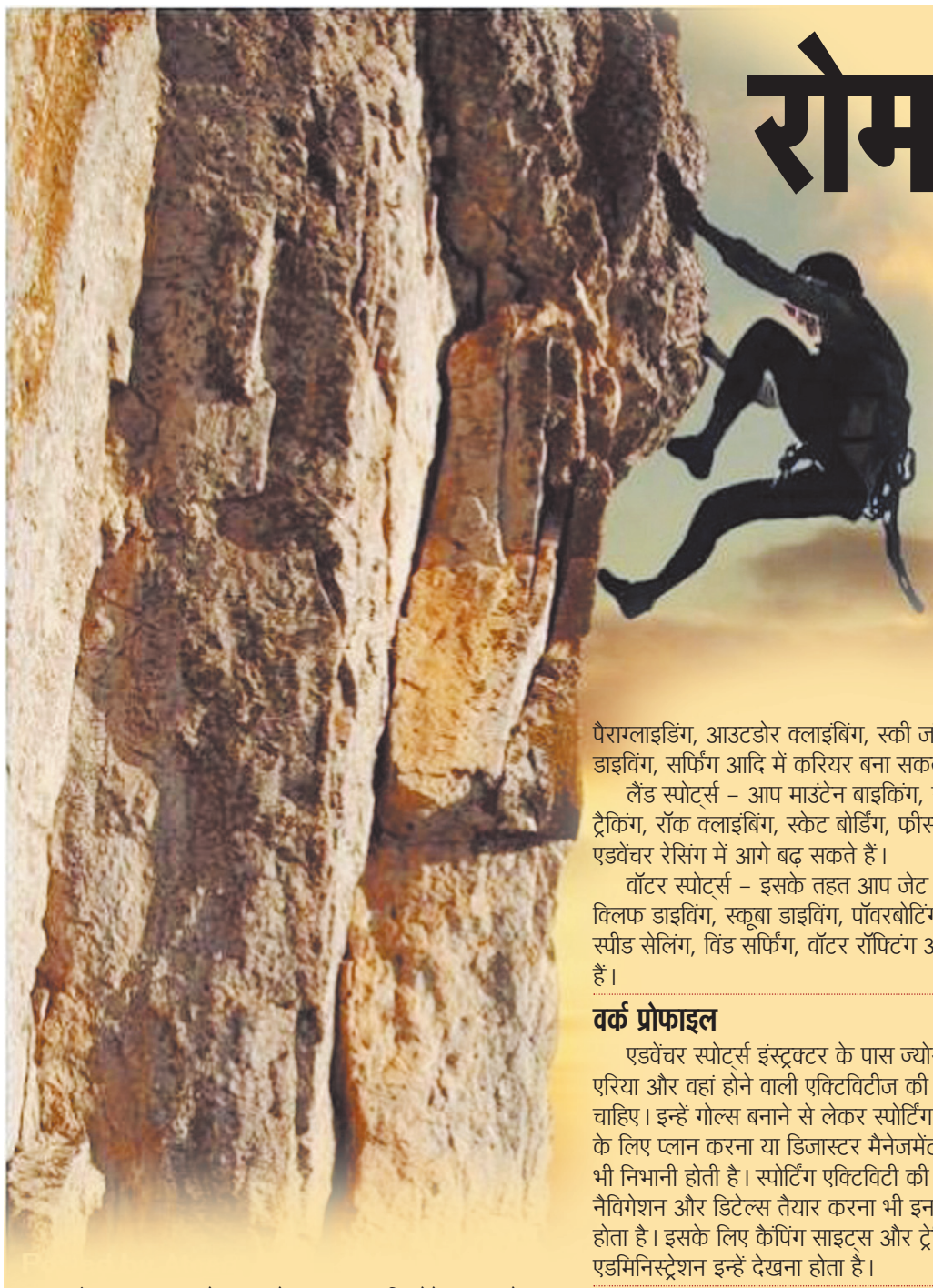
कीर्ति शेट्टी अब हिंदी फिल्मों में अपनी नई पारी शुरू करने की तैयारी कर रही हैं। खबर है कि वह जल्द ही एक प्रेम कहानी के जरिए बॉलीवुड में कदम रखेंगी। इस फिल्म का निर्देशन विधि घोड़गांवकर करेंगी, जो करीब 17 साल से फिल्मकार रोहित शेट्टी के साथ जुड़ी रही हैं। फिल्म का निर्माण अभिषेक एस. व्यास अपनी निर्माण कंपनी एवीएस स्टूडियोज के तहत करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग साल 2026 के आखिर तक शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म का नाम, कहानी और दूसरे कलाकारों के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म का नाम भी अभी तय तौर पर सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसके अलावा कीर्ति के साथ मुख्य भूमिका में कौन सा अभिनेता नजर आएगा, यह भी स्पष्ट नहीं है। कीर्ति को फिल्म 'उप्पेना' से खास पहचान मिली थी। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया और वह साउथ सिनेमा की चर्चित युवा अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

फिलहाल राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है

तमिलनाडु की राजनीति में जब भी किसी फिल्मी सितारे के कदम रखने की चर्चा होती है, तो सबसे पहले साउथ के बड़े सितारों का नाम सामने आता है। खासकर अभिनेता विजय के राजनीति में आने के बाद से यह सवाल और भी चर्चा में है कि क्या आने वाले समय में कोई दूसरा बड़ा स्टार भी सियासी मैदान में उतर सकता है। इसी बीच अभिनेता सूर्या के राजनीति में आने को लेकर भी लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, अब खुद सूर्या ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि फिलहाल उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है।

दरअसल, सूर्या 8 नवंबर को चेन्नई में दिवाली वाले दिन अपनी फिल्म 'सीन' से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उनसे राजनीति में आने की संभावनाओं को लेकर सवाल किया गया। इस पर अभिनेता ने कहा, 'मैं राजनीति में नहीं आने वाला हूं। इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे राजनीति से नफरत है। मैं चुपचाप और करीब से राजनीति को देख रहा हूं।' अभिनेता ने आगे कहा कि राजनीति में आने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना और उसकी जिम्मेदारियों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बिना रास्ता जाने वह राजनीति में कदम नहीं रखेंगे।





रोमांच से भरपूर करियर

एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रति लोगों में बढ़ते क्रेज की वजह से एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर इन दिनों डिमांड में हैं। अगर आप भी मौज-मस्ती भरे इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो जानिए कैसे मिल सकती है एंट्री...

सौरभ का सपना पेंटर बनने का था, जबकि पेरेंट्स चाहते थे कि वह इंजीनियर बने, इसलिए उन्होंने बीटेक किया। लेकिन आज के दौर में सिर्फ डिग्री हासिल कर लेना ही काफी नहीं है। नौकरी तभी मिलेगी, जब आप इंडस्ट्री के पैमाने पर खरा उतरेंगे। कई जगह इंटरव्यू देने के बावजूद सौरभ को जॉब नहीं मिल सकी है। दूसरी ओर उनके दोस्त सुमित ने फोटोग्राफी के अपने पैशन को फॉलो किया और आज उसमें काफी अच्छा कर रहे हैं। अब अगर आप भी ट्रेडिशनल फील्ड्स की जगह, अपने च्वाइस के हिसाब से करियर बनाना चाहते हैं, तो आगे बढ़ें। आज उन युवाओं की संख्या बढ़ रही है, जो रिस्क लेकर चैलेंजिंग और लीक से हटकर करियर विकल्प चुन रहे हैं। मसलन, एडवेंचर स्पोर्ट्स। यहां मौज-मस्ती के साथ भरपूर चैलेंज भी है। एडवेंचर टूरिज्म में बूम आने से एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स की डिमांड बढ़ गई है। नेशनल ज्योग्राफी, डिस्कवरी, एनिमल प्लेनेट जैसे चैनल्स के अलावा, ट्रैवल पोर्टल्स लोगों को एडवेंचर्स हॉलीडे प्लान करने का मौका दे रहे हैं। इस तरह टूरिस्ट्स बढ़ने का मतलब है, जॉब की संख्या बढ़ना। अगर आपको नेचर को एक्सप्लोर करना पसंद है, तो अपनी हॉबी को एक एक्साइटिंग करियर अपॉर्च्युनिटी में तब्दील कर सकते हैं।

स्पेशलाइज्ड फील्ड

अगर आप एडवेंचर स्पोर्ट्स में दिलचस्पी रखते हैं, तो बतौर इंस्ट्रक्टर करियर का आगाज कर सकते हैं। इसमें तीन कैटेगरीज हैं। किसी में भी स्पेशलाइजेशन करना फायदेमंद हो सकता है –

एयर स्पोर्ट्स – आप बंजी जंपिंग, बेस जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, आउटडोर क्लाइंबिंग, स्की जंपिंग, स्काई डाइविंग, सर्फिंग आदि में करियर बना सकते हैं।

लैंड स्पोर्ट्स – आप माउंटेन बाइकिंग, स्पीड बाइकिंग, ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, स्केट बोर्डिंग, फ्रीस्टाइल स्कीइंग, एडवेंचर रेसिंग में आगे बढ़ सकते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स – इसके तहत आप जेट स्कीइंग, क्लिफ डाइविंग, स्कूबा डाइविंग, पॉवरबोटिंग, कायाकिंग, स्पीड सेलिंग, विंड सर्फिंग, वॉटर रॉफ्टिंग आदि कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर के पास ज्योग्राफिकल एरिया और वहां होने वाली एक्टिविटीज की जानकारी होनी चाहिए। इन्हें गोल्स बनाने से लेकर स्पोर्टिंग एक्टिविटीज के लिए प्लान करना या डिजास्टर मैनेजमेंट की जिम्मेदारी भी निभानी होती है। स्पोर्टिंग एक्टिविटी की रूट प्लानिंग, नैविगेशन और डिटेल्स तैयार करना भी इनका ही काम होता है। इसके लिए कैंपिंग साइट्स और ट्रेनिंग सेंटर्स का एडमिनिस्ट्रेशन इन्हें देखना होता है।

एलिजिबिलिटी

इस फील्ड के लिए किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं है। आपको सिर्फ हायर सेकंडरी पास करना होगा। लेकिन ग्रेजुएशन करने वालों को प्रिफरेंस मिलती है। इसके अलावा, इंग्लिश या किसी एक फॉरेन लैंग्वेज को जानना आपके लिए जरूरी होगा। जो लोग वॉटर बेस्ड स्पोर्ट्स में जाना चाहते हैं, उनके लिए स्वीमिंग सीखना जरूरी है। इंडिया में कई इंस्टीट्यूट्स एडवेंचर स्पोर्ट्स में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं।

करियर ऑप्शंस

एडवेंचर स्पोर्ट्स में आप कई तरह के प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। आप एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर के अलावा वाइल्ड लाइफ ऐंड ट्रैवल फोटोग्राफर, एडवेंचर स्पोर्ट्स एथलीट, एडवेंचर स्पोर्ट्स फोटोग्राफर, एडवेंचर टूरिज्म फैसिलिटेटर, वाइल्ड लाइफ ऐंड फॉरेस्ट टूरिज्म, नेचुरलिस्ट, कंजर्वेशनलिस्ट, एडवेंचर कैंप कंट्रोलर, एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स एथलीट, वॉटर ऐंड एरो स्पोर्ट्स स्पेशलिस्ट, एडवेंचर टूर गाइड, ट्रेकिंग ऐंड माउंटेन गाइड आदि के तौर पर करियर बना सकते हैं। कई ट्रैवल ऐंड टूरिज्म एजेंसीज में लायजन ऑफिसर्स की भी बहुत मांग होती है।

कहां है स्कोप

टूरिज्म सेक्टर में यंग टेक्निकल प्रोफेशनल्स के आने से कई तरह के बदलाव आए हैं। लोगों में छुट्टियों को एक नए रोमांचक अंदाज में बिताने का ट्रेंड बढ़ा है। जाहिर है, एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स की डिमांड भी बढ़ी है। आप स्पोर्ट्स सेंटर्स, एथलेटिक क्लब्स, ट्रैवल ऐंड टूरिज्म एजेंसीज, कॉमर्शियल री-क्रिएशन सेंटर, हॉलीडे रिजॉर्ट, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स के अलावा खुद का एडवेंचर स्पोर्ट्स सेंटर खोल सकते हैं या फ्रीलांसर के तौर पर भी करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

सैलरी पैकेज

वैसे तो एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रोफेशनल्स को उनकी स्पेशलाइजेशन के आधार पर सैलरी मिलती है, लेकिन एक कोच या इंस्ट्रक्टर को शुरुआत में करीब 20 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जबकि एक्सपीरियंस के साथ इनकी सैलरी 40 हजार के आसपास हो जाती है।





ऑफिस में पहनें सोबर परिधान

आज के युग में घर पर रहने वाली नारी भी सजग है कि उसे ढंग से तैयार रहना है और बाहर जाते समय वह विशेष तौर पर सचेत रहती है। ऑफिस जाने वाली महिलाओं को तो कुछ विशेष ही सोचना पड़ता है कि वे क्या पहनें जिससे उनकी लुक सोबर दिखाई दे क्योंकि उसे तो प्रतिदिन उन्हीं लोगों के साथ उठना-बैठना है। वे नहीं चाहतीं कि वे हंसी का पात्र बनें। प्रतिदिन की इस दुविधा कि कल क्या पहनूं से बचने के लिए रात्रि में सोने से पहले ही सोच लें तो कम परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

1 दफ्तर के वातावरण को नजर में रखते हुए अपने कपड़ों का चयन करें जिससे आपके पद की गरिमा भी बनी रह सके।
2 कामकाजी महिलाओं के लिए उचित परिधान साड़ी और सलवार- कमीज ही हैं। अविवाहित लड़कियां जींस, पैंट और टॉप भी पहन सकती हैं, वातावरण के अनुसार।
3 परिधान वही पहनें जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार आए, केवल फैशन के लिए परिधान का चयन न करें।
4 कपड़े आकर्षक पहनें। इसका अर्थ यह नहीं कि अधिक महंगे कपड़े ही आकर्षक होते हैं। रंगों और फिटिंग पर पूरा ध्यान दें। अच्छी फिटिंग का कपड़ा आपके व्यक्तित्व को और निखारता है चाहे वह अधिक महंगा न हो।
5 ड्राइक्लीनिंग वाले परिधानों को रोजमर्रा में कम से कम पहनें क्योंकि ऐसे कपड़े बहुत महंगे पड़ते हैं और जरा-सा दाग लगने पर ड्राइक्लीनर के पास भेजने पड़ते हैं।
6 कामकाजी महिलाओं को घर पर आराम से धुलने वाले वस्त्रों को ही पहनना चाहिए।
7 जो भी परिधान पहनें आरामदायक होना चाहिए। उसे पहन कर असुविधा नहीं होनी चाहिए।
8 मौसम के अनुसार ही कपड़ों, गहनों और सौंदर्य प्रसाधन सामग्री का चयन करें। ग्रीष्म ऋतु में सूती और हल्के रंगों के वस्त्र अच्छे लगते हैं। शीत ऋतु में सिल्क, स्पन और गाढ़े रंगों के वस्त्र शोभा देते हैं। वर्षा ऋतु में अधिक पतले और चिपकने वाले वस्त्र न पहनें।
9 कामकाजी महिलाओं के वस्त्र अधिक खुले और अधिक तंग अच्छे नहीं लगते। कपड़ों की सिलाई ऐसी हो कि आप अपने शरीर को सुविधानुसार आसानी से मोड़ सकें। अधिक तंग वस्त्र रक्त संचालन में भी बाधा उत्पन्न करते हैं।
10 छुट्टी वाले दिन अपने कपड़ों को जांच-परख कर प्रैस करवा कर अलमारी में लगाएं ताकि काम पर जाते समय परेशानी न उठानी पड़ जाए।
11 साड़ी पहनने पर पल्लू को अच्छी तरह से पिन अप कर लें ताकि आने-जाने और काम के समय पल्लू बार-बार संभालना न पड़े।
12 कमीज और ब्लाऊज के गले अधिक नीचे तक न पहनें। सलवार-कमीज पहनते समय चुन्नी सही ढंग से बांध लें।

एजुकेशन लोन सपने करें साकार

हायर स्टडी लगातार महंगी होती जा रही है। हर स्टूडेंट का यह सपना होता है किसी अच्छे कॉलेज में पढ़ें या अब्रॉड जाकर स्टडी करे, लेकिन जब इस तरह की स्टडी के खर्चों पर नजर जाती है तो यह हिम्मत जवाब देने लगती है। ऐसे में एजुकेशन लोन बड़ा सहारा बन कर आता है। हालांकि यह आसानी से नहीं मिलता और सही एमाउंट का लोन मिल जाए, इसके लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ती है।



लोन की शर्तें

एजुकेशन लोन किसी ऐसे किसी भी स्टूडेंट को मिल सकता है जो 16 से 35 वर्ष का हो, भारतीय नागरिक हो और किसी इंस्टीट्यूट में उसका एडमिशन कन्फर्म हो चुका हो। इसके अलावा, बैंक कुछ और शर्तें भी लगा सकते हैं, जैसे-इंस्टीट्यूट बैंक की रिकग्नाइज्ड लिस्ट में हो, स्टूडेंट का एकेडमिक रिकॉर्ड अच्छा हो, उसके एजुकेशन के दौरान कोई गैप न हो और उसके पैरेंट्स या गार्जियन की इनकम का एक नियमित स्रोत हो। बैंकों की रिकग्नाइज्ड लिस्ट में वे इंस्टीट्यूट ही होते हैं जो यूजीसी या एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त होते हैं।



कवर होने वाले खर्च

एजुकेशन लोन आमतौर पर ट्यूशन फीस, एक्जामिनेशन फीस, हॉस्टल फीस और कैंटीन फीस के लिए मिलता है। कुछ बैंक टेक्स्ट बुक इंस्ट्रूमेंट और इक्विपमेंट के खर्चों को भी लोन में शामिल कर लेते हैं और अब्रॉड स्टडी के मामले में कुछ बैंक एक तरफ के हवाई टिकट खर्च को भी इसमें शामिल करते हैं। एजुकेशन लोन उन कोर्सेज के लिए दिया जाता है जो 12 महीने से ज्यादा के होते हैं। आमतौर पर बैंक पार्ट-टाइम, कॉरेस्पॉन्डेंस या ऑनलाइन प्रोग्राम के लिए लोन नहीं देते। अगर किसी का बैंक से अच्छा रिलेशन है तो वह इसे हासिल कर सकता है। कुछ?बैंक कई पार्ट-टाइम कोर्स के लिए भी लोन देते हैं।

लोन की वापसी

यह हर बैंक के अपने नियम-कायदे पर निर्भर करता है। कुछ बैंक स्टडी पूरी होते ही तत्काल लोन चुकाने की शर्त रखते हैं यानी इसके बाद आपकी ईएमआई तुरंत शुरू हो जाती है। इसी तरह, कुछ बैंक पढ़ाई के बाद कुछ साल का गैप देते हैं ताकि इस दौरान आपको नौकरी मिल जाए और आप आसानी से ईएमआई दे सकें।

जरूरी दस्तावेज

एजुकेशन लोन लेने के लिए स्टूडेंट की आइडेंडिटी, एज, एकेडमिक रिकॉर्ड और एड्रेस प्रूफ लिया जाता है। उसके गार्जियन या पैरेंट्स (जो को-एप्लीकेंट्स होते हैं) के साथ उसके रिलेशन, उनके इनकम और एड्रेस का प्रूफ लिया जाता है। इसके अलावा, इंस्टीट्यूट्स के एडमिशन लेटर की कॉपी भी ली जाती है। अब्रॉड स्टडी के लिए जाने वाले स्टूडेंट को वीजा अप्रूवल, जीआरई, जीमैट आदि के टेस्ट स्कोर और यात्रा संबंधी दस्तावेज की कॉपी जमा करनी पड़ती है। किसी बैंक से एजुकेशन लोन लेने के लिए उसमें एकाउंट रखना जरूरी नहीं होता, लेकिन अगर आपका एकाउंट है तो लोन मिलने में आसानी हो सकती है।

गारंटर की जरूरत

आमतौर पर बैंक भारत में स्टडी करने पर 5 से 15 लाख रुपये और अब्रॉड स्टडी करने पर 20 से 25 लाख रुपये तक का लोन देते हैं। चार लाख रुपये से कम लोन पर गारंटर की जरूरत नहीं होती। इसी तरह, 4 से 7.5 लाख रुपये तक के लोन गारंटर की मदद से ही मिल जाते हैं, लेकिन इससे ज्यादा की राशि के लोन लेने पर बैंक प्रॉपर्टी के कागजात आदि जमानत के रूप में मांगते हैं।

लोन पर ब्याज दर

एजुकेशन लोन पर ब्याज दर आमतौर पर 11 से 14 फीसदी के बीच होती है, लेकिन कुछ बैंक इससे ज्यादा भी ब्याज लेते हैं। कई बैंक गर्ल्स स्टूडेंट के लिए रियायती ब्याज दर रखते हैं। भारतीय स्टेट बैंक एजुकेशन लोन पर सालाना 11.75 से 13.75 परसेंट ब्याज लेता है। इसके अलावा, एसबीआई ने गर्ल्स के लिए स्पेशल एजुकेशन लोन दरें तय कर रखी हैं। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने तो एजुकेशन लोन केलिए क्रेडिला नाम की एक अलग सहायक कंपनी ही बना दी है। क्रेडिला एक लाख रुपये से लेकर 20 लाख रुपये तक का एजुकेशन लोन देती है।

ध्यान रहे

- कई बैंक गर्ल्स को लोन कम ब्याज दर पर देते हैं। जैसे एसबीआई में गर्स्न के लिए लोन पर आधा फीसदी कम ब्याकज लिया जाता है।
- फिलहाल बैंक 11.75 से 14.75 फीसदी तक की दर से एजुकेशन लोन दे रहे हैं।
- कई बैंक लोन अमाउंट के 2 परसेंट तक का प्रोसेसिंग फीस भी लेते हैं। - इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80-ई के तहत सभी तरह के स्टू डेंट लोन के ब्याज भुगतान पर टैक्स रीबेट मिलता है।
- बैंक से कोई बात न छुपाएं। आपके पास यदि कोई डॉक्यूमेंट नहीं है तो उसकी असल वजह साफ-साफ बता दें।
- कोई डॉक्यूमेंट मिस न हो] इसके लिए प्रभावी तरीका यह है कि एक चेकलिस्ट बना लें। - एजुकेशन लोन के लिए को-अप्लीकेशन जरूरी होता है, यह को अप्लीकेंट मां-बाप, पति या पत्नील, भाई-बहन हो सकते हैं।

लोन के लिए गोल्डेन टिप्स

-बैंक से कोई बात न छिपाएं। आपके पास यदि कोई डॉक्यूमेंट नहीं है, तो उसकी असल वजह साफ-साफ बता दें।
-एजुकेशन लोन के लिए को-एप्लीकेशन जरूरी होता है, यह को-एप्लीकेंट मां-बाप, पति या पत्नी, भाई-बहन हो सकते हैं।
-कई बैंक गर्ल्स को रियायती लोन देते हैं, जैसे-एसबीआई में दर आधा फीसदी कम है।?
-फिलहाल बैंक 11.75 से 14.75 फीसदी तक की दर पर एजुकेशन लोन दे रहे हैं।
-कई बैंक लोन अमाउंट के 2 परसेंट तक का प्रोसेसिंग फीस भी लेते हैं।
-सभी तरह के स्टूडेंट लोन के ब्याज भुगतान पर टैक्स रिबेट मिलता है।
-कोई डॉक्यूमेंट मिस न हो, इसके लिए एक चेकलिस्ट बना लें।